जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 322 प्रभात कोटा, मंगलवार 5 सितम्बर, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से 100 साल पहले गायब हुए क्वॉल की वापसी हो रही है। लम्बे थूथन वाले ये झबरीले जानवर ऑस्ट्रेलिया के मांसाहारी मार्सूपिअल जीवों की एक प्रजाति हैं। ये बिल में या गुफाओं में रहते हैं और रात में शिकार करते हैं। मार्सूपिअल जीव पेट पर बनी थैली में शिशुओं का पालन पोषण करते हैं। वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के 1305 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली माउण्ट गिब्सन वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में इस वर्ष के आरंभ में 30 वैस्टर्न क्वॉल छोड़े गए थे, वो न केवल जंगल में खूब अच्छी तरह से रह रहे हैं बल्कि प्रजनन भी कर रहे हैं। माउन्ट गिब्सन रिज़र्व में किया गया ''रीइन्ट्रोडक्शन'' प्रयास ऑस्ट्रेलिया के इतिहास का ऐसा सबसे बड़ा कार्यक्रम है। यहां अलग-अलग प्रजाति के जानवर छोड़ गए हैं जो ऑस्ट्रेलियन वाइल्डलाइफ कंज़र्वैन्सी के लिए बड़ी उपलब्धि है। रिज़र्व में छोड़े जाने से पहले 16 क्वॉल को रेडियो ट्रैकिंग कॉलर्स लगाए गए थे। पहली बार वैस्टर्न क्वॉल पर यह तरीका लागू किया गया। इससे क्वॉल्स कहां जाते हैं, कहा रहते हैं और कहां शिकार करते हैं, यह पता लगाने में काफी आसानी हुई। ऑस्ट्रेलिया के स्तनपायी जीवों की कई प्रजातियां अभी भी संकटग्रस्त हैं पर कुछ प्रजातियों की स्थिति में सुधार हो रहा है। इनमें टालपेरु (छोटा बैंडीकूट) जैसे जानवर हैं, जो 100 साल गायब रहने के बाद स्टुअर्ट नैशनल पार्क में लौटे हैं।

क्या शी जिनपिंग विश्व रंगमंच पर ''आईसोलेट'' कर दिए जाने के डर से जी-20 में नहीं आ रहे हैं?

विश्व भर के कूटनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि, चीन के अपडेटेड नक्शे का पूरे क्षेत्र में भारी विरोध हुआ, इसलिए शी कहीं भी जाने से कतरा रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। क्या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का नई दिल्ली के जी-20 सम्मेलन में न आना भारत का अपमान है? या फिर, उनका यह कदम उनकी असुरक्षाओं एवं आशंकाओं से भरी सोच को दर्शाता है?

कूटनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि, राष्ट्रपति शी ने विश्व रंगमंच पर स्वयं को अलग-थलग या एकल कर लिया है। दसअसल, वे नई दिल्ली के जी-20 सम्मेलन के साथ ही, जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित आसियान इंडिया तथा ईस्ट एशिया सम्मेलनों से दूर रहने का मानस बना चुके हैं।

चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी (सी.सी. पी.) इस समय राजनैतिक अस्थिरता तथा अंदरूनी लड़ाई की स्थिति से गुजर रही है। इस स्थिति के चलते, शी को अपने देश में समय देना जरूरी हो सकता है। और अगर ऐसा नहीं है तो फिर वे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से घिरे हुये हैं।

दक्षिणी चीन सागर में बेबुनियाद दावे तथा अपने भौगोलिक नक्शे के ''अपडेटेड'' संस्करण के जारी कर दिये जाने के कारण, करीब-करीब सारे

- **कुछ विशेषज्ञों का मत है कि, शी संभवतया या तो गंभीर रूप से बीमार हैं या फिर घरेलू मोर्चे पर भारी राजनैतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं, इसीलिए वे कहीं भी जाने से हिचक रहे हैं।**
- **शी जिनपिंग 6 सितम्बर को हो रहे आसियान सम्मेलन में भी नहीं जायेंगे। चीन के नक्शे में जिस तरह से दक्षिण चीन सागर व क्षेत्र के अन्य देशों की जमीन पर दावा किया गया है, उसकी वजह से ये सभी देश बेहद नाराज हैं, ऐसे में निस्संदेह शी जिनपिंग का वे हृदय से स्वागत तो नहीं ही कर पाएंगे।**

''आसियान'' राष्ट्रों को नाराज कर देने के बाद, शी के आसियान सम्मेलन में जाने की पहले दिन से ही कोई संभावना नहीं थी। बीजिंग ने कल्पना भी नहीं की होगी कि, उसके द्वारा जारी नक्शे को लेकर, भारत एवं ताइवान के विरोध के बाद, मलेशिया, वियतनाम, इंडोनेशिया तथा फिलीपींस भी एक स्वर में नक्शे के विरोध में शामिल हो जायेंगे।

शी के एकान्तवास के ठीक विपरीत, प्रधानमंत्री का रणनीतिक कौशल अपनी पराकाष्ठा पर दिखाई दे रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री तथा पूरा देश जी-20 की अध्यक्षता की उपलब्धि को पूरी रणनैतिक कुशलता के साथ विश्व के सामने रख रहा है।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ सरकारी विदेश यात्राएं करके यह प्रदर्शित कर दिया है कि भारत का कूटनीतिक तंत्र कितने जोर-शोर से काम कर रहा है। पहले वे जी-7 एवं क्वाड मीटिंगों के सिलसिले में जापान गये थे और उसके बाद पापुआ न्यूगिनी तथा ऑस्ट्रेलिया। और इन सबसे बढ़कर, उनकी अमेरिका की सरकारी यात्रा रही, जहां राष्ट्रपति जो बाइडन ने बड़ी धूमधाम एवं भव्यता के साथ उनका जोरदार स्वागत किया था। जुलाई में, मोदी फ्रांस गये थे, जहां वे राष्ट्रपति मैक्रॉन के साथ ''बैस्टिल डे'' समारोह में शामिल हुये थे। फ्रांस के बाद, उन्होंने यू.ए.ई. की संक्षिप्त किन्तु महत्वपूर्ण यात्रा की थी। अगस्त में, प्रधानमंत्री ब्रिक्स सम्मेलन में गये थे तथा इसके बाद, वे ग्रीस गये थे। उनकी ग्रीस यात्रा पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली ग्रीस यात्रा थी।

जी-20 के लिये उलटी गिनती शुरू हो गई है तथा सम्पूर्ण तैयारी को अंतिम स्पर्श दिया जा रहा है। भारत का गेम-प्लान स्वयं को ''ग्लोबल साउथ'' की आवाज के रूप में प्रस्तुत करना है। प्रधानमंत्री मोदी आसियान तथा ईस्ट एशिया सम्मेलनों में शामिल होने के लिये 6 सितम्बर को इंडोनेशिया भी जायेंगे। उल्लेखनीय है कि मोदी ने नई दिल्ली के जी-20 सम्मेलन से ठीक पहले, आसियान नेताओं के साथ अपने जुड़ाव को रेखांकित करना उचित तथा आवश्यक माना है।

पक्की बात है कि इस वर्ष की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रोथ 7.8 प्रतिशत रहने से मोदी काफी उत्साहित हैं। अगली कुछ तिमाहियों में अर्थव्यवस्था के और भी बेहतर रहने के आसार दिखाई दे रहे हैं।

मणिपुर सरकार ने एडिटर्स गिल्ड की अध्यक्ष और उसके तीन पत्रकारों पर एफ.आई.आर. दर्ज की

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में इन पत्रकारों पर पक्षपात पूर्ण रिपोर्टिंग करने व राज्य में हिंसा भड़काने का आरोप लगाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। प्रेस की आज़ादी पर निर्लज्जता से एक और हमला बोलते हुए मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने आज कहा कि उनकी सरकार ने एडीटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ई.जी.आई.) के अध्यक्ष और तीन सदस्यों के विरूद्ध एक एफ.आई.आर. दर्ज करवाई हैं। उन्होंने इन पत्रकारों पर राज्य में हिंसा भड़काने का आरोप लगाया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इंफाल में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ऐसे समय में जब कई लोग मारे गए हैं और बेघर हो गए हैं तब ई.जी.आई. ने के संकट की जटिलता और राज्य की पृष्ठभूमि और इतिहास को जाने बिना एकतरफा रिपोर्ट प्रकाशित की है।

- **जिन पत्रकारों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की गई है, वो हैं, एडिटर्स गिल्ड की अध्यक्ष सीमा मुस्तफा, सीमा गुट्टा, भारत भूषण एवं संजय कपूर।**
- **एन. बीरेन सिंह ने इन पत्रकारों पर राजद्रोही, राष्ट्र विरोधी व सरकार विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि, वे राज्य में जहर उगलने ही आए थे।**

सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने मोदी सरकार के शीर्ष नीति निर्धारकों के साथ मुख्यमंत्री की व्यापक चर्चा के बाद यह कदम उठाया। यह कदम एक सख्त संदेश भेजने का प्रयास है। मीडिया के उस वर्ग को जो अभी भी स्वतंत्रता से काम कर रहा है और सत्ता के आदेशों के आगे नहीं झुकता।

एडीटर्स गिल्ड ने गत सप्ताह एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें मणिपुर की कवरेज के लिए मीडिया की आलोचना की गई है, जहां गत चार माह से जातीय संघर्ष हो रहा है। रिपोर्ट में कुछ मीडिया वर्ग द्वारा एकतरफा रिपोर्टिंग की आलोचना की गई है और प्रेस के लिए नुकसानदाय इंटरनेट बैन को गलत बताया गया है कि यह प्रेस की रिपोर्टिंग के लिए घातक है। उसमें संकेत हैं कि संघर्ष के दौर में राज्य नेतृत्व पक्षपाती हो गया है।

सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''राज्य सरकार ने एडीटर्स गिल्ड के उन सदस्यों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है जो मणिपुर राज्य में टकराव बढ़ाना चाहते हैं।''

ई.जी.आई. की अध्यक्ष सीमा मुस्तफा के अलावा तीन वरिष्ठ पत्रकारों सीमा गुहा, भारत भूषण और संजय कपूर के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। जिन्होंने 7 से 10 अगस्त के बीच राज्य का दौरा किया था। हिंसा पर मीडिया के रिर्पोट्स का अध्ययन के लिए।

सिंह ने दावा किया, वे लोग राज्य-विरोधी, राष्ट्र-विरोधी और संस्थापन-विरोधी हैं जो विष फैलाने आए है। अगर मुझे पहले पता होता तो मैं इनको घुसने ही नहीं देता।''

ई.जी.आई. ने शनिवार को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में कहा कि उसे कई खबरें मिली थीं कि मणिपुर में मीडिया मैइती और कुकी समुदाय के बीच चल रहे संघर्ष में पक्षपाती रवैया अपना रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''इस बात के स्पष्ट संकेत है कि संघर्ष के दौरान राज्य का नेतृत्व पक्षपाती हो गया। उसे किसी का पक्ष लेने से बचना चाहिए था लेकिन वह एक लोकतांत्रिक सरकार साबित होने में असफल रहा, जिसे पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।''

ई.जी.आई. की रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य परिस्थितियों में पत्रकारों द्वारा दी गई खबरों की जाँच और निगरानी उनके संपादक या ब्यूरो प्रमुख करते हैं, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा बलों से जानकारी लेकर लेकिन संघर्ष के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'एडिटर्स गिल्ड पर एफ.आई.आर. निन्दनीय'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। प्रैस क्लब ऑफ इंडिया ने एडीटर्स गिल्ड के अध्यक्ष व तीन सदस्यों के खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. तुरंत वापस लेने की मांग की और मणिपुर की हिंसा व जातीय टकराव की मीडिया कवरेज के लिए उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज न करने की निंदा की।

- **प्रैस क्लब ऑफ इंडिया ने मणिपुर सरकार के इस कदम की आलोचना की और रिपोर्ट वापस लेने की मांग की।**

प्रैस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ने कहा कि, समूचा मामला मीडिया की भूमिका पर केन्द्रित है। और यह स्पष्ट है कि एडिटर्स गिल्ड ने शानदार काम किया व तथ्यों की जांच करने वाली टीम मणिपुर भेजी ताकि वहां की सरकार जो सच्चाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एक राष्ट्र एक चुनाव असंभव'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि संविधान संशोधन के बिना ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' असंभव है।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस के विचार एक दम स्पष्ट है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी साफ कह चुके हैं कि यह संघीय ढांचे पर प्रहार है।

- **कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पत्रकारों से कहा कि, संविधान संशोधनों के बिना ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' करवाना नामुमकिन है।**

उन्होंने कहा, विशेष सत्र से पूर्व पार्टी की संसदीय दल की 10, जनपथ पर एक बैठक होगी। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष सत्र के लिए रणनीति पर विचार हेतु समान विचारधारा वाले दलों के साथ बैठक करेंगे।

दो महिला नेताओं की नाराजगी भारी पड़ सकती है भाजपा को

सूत्रों के अनुसार राजस्थान में वसुंधरा राजे और मध्य प्रदेश में उमा भारती भाजपा नेतृत्व से नाराज़ बताई जा रही हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। भाजपा नेतृत्व दो चुनावाधीन राज्यों में दो वरिष्ठ महिला नेताओं-राजस्थान में वसुंधरा राजे तथा मध्य प्रदेश में उमा भारती-के कारण साफतौर पर परेशानी में है। राजे दो कारणों से अप्रसन्न बताई जाती हैं- चुनाव से संबंधित पार्टी की दो कमेटियों में उन्हें शामिल न किया जाना तथा उन्हें मुख्यमंत्री प्रत्याशी के रूप में प्रोजैक्ट नहीं करने की पार्टी नेतृत्व की अविवेकपूर्ण कोशिशें। उमा भारती, जिनकी राजनीति बहुत कम अर्थपूर्ण रह गई है, न इस बात को लेकर नाराजगी व्यक्त की है कि उन्हें पार्टी की ''जन आशीर्वाद यात्रा'' में शामिल होने के लिये आमंत्रित नहीं किया गया, जो रविवार को चित्रकूट से शुरू हुई थी।

- **जहां राजस्थान में वसुंधरा राजे बेहद प्रभावशाली हैं और पार्टी द्वारा दो कमेटियों से बाहर रखने व भावी मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किए जाने से नाराज हैं, इसलिए भाजपा नेतृत्व राजे से सतर्क है।**
- **मध्य प्रदेश में उमा भारती भी उपेक्षित किए जाने से नाराज़ हैं, हालांकि उमा भारती का अब वह दबदबा नहीं रहा जो वाजपेयी-अडवानी के दौर में था, पर वे कई सीटों पर भाजपा का परेशानी में डाल सकती हैं।**

उन्होंने कहा है कि अब अगर उन्हें आमंत्रित किया भी जाता है, तो भी वे यात्रा में शामिल नहीं होंगी। राजे और भारती-दोनों में ही इतनी क्षमता है कि, वे इन दोनों राज्यों में भाजपा की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकें। लेकिन इन दोनों में समानताएं केवल यहीं तक हैं।

जहां भाजपा हाई कमान राजे, जो राजस्थान में भाजपा की सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं, से सावधान एवं सतर्क रहता है, वहीं उमा भारती नाम मात्र के महत्व के अलावा किसी खास स्थिति में नजर नहीं आती। उमा भारती, जो 2003-04 में अपने राजनैतिक उत्कर्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक राष्ट्र-एक चुनाव का मुद्दा उछालने की ''टाइमिंग'' पर संदेह गहरा रहा है

चर्चा यह है कि, ''एक राष्ट्र-एक चुनाव'' कई वर्षों से संघ परिवार व मोदी का प्रिय रहा है, फिर इसे अभी क्यों उठाया गया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। गत 31 अगस्त को जब लोगों का ध्यान इंडिया गठबंधन की दो-दिवसीय बैठक की ओर था तब मोदी सरकार ने लोगों का ध्यान बंटाने के लिए केन्द्रीय संसदीय मामलात मंत्री प्रहलाद जोशी ने घोषणा करवाई कि सितम्बर 18-22 तक संसद का विशेष सत्र होगा।

जोशी ने अपने ट्विटर पर आगे लिखा कि अमृतकाल के बीच पांच बैठकें होंगी और व संसद में फलप्रद चर्चा और बहस की उम्मीद है। लेकिन वे इस कवायद के प्रयोजन एवं उद्देश्य के बिन्दुओं पर खामोशी ओढ़े रहे।

अगले दिन जब हर तरफ विशेष सत्र की चर्चा थी तब सरकार ने एक राष्ट्र एक चुनाव का शगूफा छोड़ा, पर विशेष सत्र की पहेली नहीं सुलझाई। शुक्रवार, एक सितम्बर को सरकारी सूत्रों ने लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए पूर्व राष्ट्रपति के नेतृत्व में कमेटी गठित होने की जानकारी दी थी।

कोई अधिकृत सूचना तो नहीं थी, हाँ, एक मीडियाकर्मी के प्रश्न के जवाब में एक मंत्री का मौखिक कथन जरूर था और सरकार ने इससे इनकार नहीं किया पर यह बिल्कुल साफ था कि विशेष सत्र

- **आगामी चुनावों में इसे क्रियान्वित करना असंभव है, क्योंकि ऐसा करने के लिए संविधान संशोधन व कानून के क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी।**
- **सवाल यह भी उठ रहा है कि, क्या इसी उद्देश्य के लिए भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा व संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पूर्व राष्ट्रपति से मुलाकात की थी।**
- **पूर्व राष्ट्रपति के नेतृत्व में कमेटी का गठन संवैधानिक परम्पराओं का उल्लंघन बताया जा रहा है, क्योंकि संविधान में पूर्व राष्ट्रपति को कोई भी सरकारी पद स्वीकार नहीं करने की हिदायत दी गई है, ताकि वे निष्पक्ष बने रह सकें, पर कोविंद ने कमेटी की अध्यक्षता स्वीकार कर यह परम्परा तोड़ दी है।**

तथा एक राष्ट्र एक चुनाव- दोनों बातों का ही त्वरित उद्देश्य लोगों का ध्यान आकर्षित करना तथा ''एक नया समाचार चक्र शुरु करना था।

शनिवार को, सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अध्यक्षता में आठ सदस्यों की एक कमेटी की घोषणा कर दी, जो लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे का अध्ययन एवं परीक्षण करेगी।''

यह एक संयोग मात्र नहीं हो सकता कि भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा तथा आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने उसी सप्ताह में कोविंद के साथ मीटिंग की थी, जब सरकार इस कार्यवाही की योजना बना रही थी। एक पूर्व राष्ट्रपति को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाकर, मोदी सरकार ने एक बार फिर उन संवैधानिक परम्पराओं को अलविदा कह दिया है, जिनमें देश के सेवानिवृत्त प्रमुख पर साफतौर पर प्रतिबंध लगाते हुये कहा गया है कि वे निष्पक्ष बने रहेंगे। एक ऐसे विवादास्पद मुद्दे, जिस पर राजनैतिक दल बँटे हुये हैं, पर सरकार द्वारा गठित एक कमेटी की अध्यक्षता स्वीकार कर के, कोविंद ने भी अतीत की उन परम्पराओं को अलविदा कह दिया है तथा संकीर्ण राजनैतिक तथा तरफदारी के लिये अपने उपयोग की छूट दे दी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

16-17 सितम्बर को हैदराबाद में होगी सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नवगठित कांग्रेस वर्किंग कमेटी की पहली बैठक 16 सितम्बर को हैदराबाद

- **कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार 16 सितम्बर को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक होगी व 17 को विस्तृत वर्किंग कमेटी की बैठक होगी।**

में बुलाई है। 17 सितम्बर को विस्तृत सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक होगी। सी. डब्ल्यु.सी. के सारे सदस्य, पी.सी.सी. अध्यक्ष, सी.एल.पी. नेता और संसदीय दल के पदाधिकारी इसमें भाग लेंगे। यह जानकारी सोमवार को कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

यदि चिड़ियाँ एकता कर लें, तो शेर की खाल खींच सकती हैं। –शेख सादी

खिलाड़ियों से सीखें

हंगरी के बुडापेस्ट में, हाल ही में आयोजित विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत के चार धावकों ने 4X400 मीटर की रिलेरेस में अपने प्रदर्शन से न केवल देश का नाम ऊंचा किया है बल्कि देश के सामने एक बड़ा सुखद उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। पाठकों का ध्यान शायद इस ओर गया होगा कि जिन चार धावकों ने पहली बार वर्ल्ड एथलेटिक्स प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई, उनके नाम हैं– रमेश राजेश, मोहम्मद अजमल, मोहम्मद अनस और अमोज जैकब। इन नामों से ही स्पष्ट है कि ये हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्म के हैं। इन चारों की मिली-जुली ताकत का ही परिणाम था कि भारत ने पहली बार विश्व स्तर पर एथलेटिक्स के फाइनल में अपना नाम दर्ज कराया है। इन सब ने केवल और केवल भारत के गौरव को बढ़ाने का काम किया है। यह एक अच्छा अद्भुत उदाहरण है कि कैसे विविधताओं वाले देश में रहने वाले नागरिक, एकजुट होकर प्रदर्शन करते हैं तो कितना मजबूत प्रदर्शन करने में समर्थ होते हैं।

इस उदाहरण से दो बातें स्पष्ट होती हैं। एक तो यह कि देश के साधारण नागरिक को किसी के धर्म से कोई लेना-देना नहीं है और वह जब देश के लिए काम करते हैं तो इन सब बातों से ऊपर उठकर केवल माँ भारती के पुत्र रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में जी जान लगा देते हैं। देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग खेलों के लिए आवश्यक नैसर्गिक योग्यताएं विद्यमान हैं जैसे कहीं लचीलेपन के कारण जिमनास्टिक, आदिवासी क्षेत्रों के निवासी निशाना लगाने में, दम ख़म में हरियाणा, पंजाब के निवासी आदि-आदि। बस, केवल उन प्रतिभाओं को समय पर पहचानने और निखारने की आवश्यकता है।

चाहे हिंदू, मुस्लिम, सिख या इसाई में जब भी कभी किसी प्रकार का सांप्रदायिक तनाव होता है तो उसके पीछे मूल कारण कुछ नेताओं की क्षुद्र राजनीति के अतिरिक्त और कुछ नहीं होता। हम यदि केवल खिलाडियों द्वारा प्रदर्शित भाव को हर क्षेत्र में बनाए रख सकें और प्रोत्साहित कर सकें तो देश की प्रगति हर क्षेत्र में बहुत तेज गति से हो सकती है, चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो, खेल का हो, शिक्षा का हो, चिकित्सा का हो या अन्य किसी भी प्रकार का।

यह एक सर्व ज्ञात तथ्य है कि देश के अनेक भागों में एक धर्म के अनुयाई दूसरे धर्म के धर्म स्थलों का देखरेख करते हैं और उनका पूरा ध्यान रखते हैं। लगभग हर हिन्दू उत्सवों में काम आने वालीं कई वस्तुओं का काम मुसलमानों द्वारा किया जाता है। सांप्रदायिक सद्भाव के ऐसे अनेक उदाहरण सदैव से समाज में विद्यमान रहे हैं। जब भी कभी इनमें दूरियां बढ़ीं तो वह केवल कुछ लोगों द्वारा उकसाने के कारण या कुछ लोगों द्वारा स्वार्थ सिद्धि के लिए सांप्रदायिक और जातिगत तनाव पैदा करने की प्रवृत्ति के कारण हुआ है। इन चारों एथलीट को देश की ओर से सलाम किया जाना चाहिये जिन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि देश के सभी नागरिक एक जुट होकर केवल देश के लिए काम करते हैं बिना किसी भेदभाव के।

जब भी सद्भावना पूर्ण माहौल को किसी भी पक्ष द्वारा बिगाड़ने का प्रयास किया गया तो उसका खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ा है। सांप्रदायिक उन्माद से जन्मी हिंसा को नियंत्रित करने एवं उसके कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुए नुकसान और मनमुटाव को दूर करने में देश का बहुत अधिक समय, ऊर्जा, श्रम और धन व्यर्थ होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सर्वाधिक प्रभावित वे लोग होते हैं जो जैसे-तैसे दो जून की रोटी का जुगाड़ करके अपने घर परिवार का गुजर-बसर करते हैं।

एक और अच्छी बात जो इस विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दौरान दिखाई दी, वह है भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले नीरज चोपड़ा और रजत पदक प्राप्त करने वाले पाकिस्तान के नदीम की दोस्ती। जब नीरज चोपड़ा अपना राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा अपने हाथ में पकड़े हुए थे, उनके साथ में नदीम भी खड़े हुए थे। दोनों का दोस्ताना सदैव चर्चा का विषय रहा है । टोक्यो ओलंपिक में भी नीरज चोपड़ा ने अपना भाला नदीम को दिया था। क्या स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का इससे अच्छा उदाहरण कोई हो सकता है? इस प्रकार की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल हम दोनों देशों के बीच अन्य क्षेत्रों में क्यों नहीं स्थापित कर सकते हैं? दोनों ही देश के नागरिक आज से 75 वर्ष पूर्व भारत में ही साथ रहते थे बिना किसी परेशानी और भेदभाव के। ये एक-दूसरे के दुख दर्द में काम आते थे। कुछ लोगों की अतिरिक्त महत्वाकांक्षा के कारण भारत का विभाजन हुआ और पाकिस्तान बना, किंतु लोगों के रीति-रिवाज, रहन-सहन, खानपान तो जो वर्षों से एक जैसे थे वैसे ही अभी बने हुए हैं। भारत के कई परिवारों के रिश्ते आज भी पाकिस्तान में है।

जब कभी भारत और पाकिस्तान की सीमा पर तनाव होता है तो सबसे बड़ा नुकसान कला, संगीत, फिल्म खेल के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को होता है। यदि दोनों देशों के राजनीतिज्ञ पारस्परिक संबंधों को सामान्य करने में सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो क्या यह उचित नहीं होगा कि दोनों देश के खिलाडियों और कलाकारों को ऐसा करने का अवसर दिया जाय। वर्तमान में तो थोड़ा सा तनाव होने पर सर्वप्रथम दोनों देश आपसी व्यापार, खेल स्पर्धा, कलाकारों का आवागमन एक दम बंद कर देते हैं। यह संभावना तब ही है जब विभिन्न दलों के नेता अपने दलीय स्वार्थ और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर दोनों देशों और उनके नागरिकों के बारे में सोच सकें। यदि दोनों देशों के नागरिक मिलकर काम करें तो दुनिया की किसी भी ताकत से आगे बढ़ सकते हैं। यदि दोनों देशों के नागरिक साथ में मिलकर काम न भी करें तो कम से कम भारत में रहने वाले विभिन्न धर्म के विविध परंपराओं और विभिन्न मान्यताओं के लोगों के बीच में पूर्ण सद्भाव तो सुनिश्चित कर ही सकते हैं। ऐसा करने से हमारे देश की प्रगति तेजी से हो सकती है। कई बार विभिन्न सांप्रदायिक हिंसक घटनाओं के कारण जो देश पीछे चला जाता है, वह इस प्रकार की घटनाओं से भी बचाया जा सकेगा। सभी समाजों, समुदायों के नेताओं का काम समाज को विभाजित करना नहीं, उसे एकता के सूत्र में बांधना होना चाहिए। हाल ही में हरियाणा के नूह में हिंसक घटनाओं के बाद सभी धार्मिक समुदायों के लोगों ने साथ बैठकर और मिलकर बहुत शीघ्र ही अच्छा, सद्भावनापूर्ण वातावरण तैयार किया जो देश के लिए एक अच्छा उदाहरण है। उन लोगों ने मिलकर यह तय किया कि बाहरी किसी व्यक्ति को उनके जिले में नहीं आने दिया जाएगा और वे अफवाहों पर ध्यान न देकर एक-दूसरे के दु:ख-दर्द में भागीदार बनेंगे। इस प्रकार के वीडियो काफी राहत प्रदान करने वाले हैं और अच्छे भविष्य की और भी संकेत करते हैं।

पूर्व में देश के नागरिकों ने अनेक बार यह सिद्ध किया है कि समय-समय पर जब भी देश कोई बहुत बड़ी सफलता प्राप्त करता है, सब लोग एक साथ मिलकर किस प्रकार से अपनी खुशी को व्यक्त करते हैं, इसका नवीनतम उदाहरण चंद्रयान-3 की सफलता के समय देखा गया। प्रत्येक नागरिक के द्वारा व्यक्त उल्लास देखते ही बनता था। इसी प्रकार जब कभी कोई बाहरी संकट होता है तब भी देश ने अपनी अद्भुत एकता का परिचय दिया है।

कोई राष्ट्र तरक्की तब कर सकता है जब देश में सामाजिक सद्भाव और समरसता बनी रहे। यही सब बातें हैं जो सफलता की कुंजी हैं, इस तथ्य को हमें समझना, स्वीकार और आत्मसात करना होगा।

आगामी चुनाव में जातिगत और धार्मिक भावनाओं को भड़काने के स्थान पर, दोनों समुदायों के समक्ष जो समस्याएं खड़ी हैं जैसे– अज्ञानता, अशिक्षा, कुपोषण गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि के बारे में अधिक ध्यान देना होगा। इन समस्याओं का हल निकालने के संबंध में कोई योजना बनाने में परस्पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो तो मतदाताओं के लिए एक अच्छा भविष्य तैयार करने का रोड मैप तैयार होगा। ऐसा होना केवल कल्पना नहीं अपितु संभव है । आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छा शक्ति की, अपने क्षुद्र स्वार्थ को तिलांजलि देने की है। ऐसा वातावरण निर्माण करने में सभी वर्गों और समुदाय के लोग अपना-अपना योगदान कर सकते हैं। ऐसा करते समय उन तत्वों को अलग-थलग करना होगा जो देश को विभाजित करने में लगे रहते हैं और एक दूसरे के विरुद्ध घृणा का वातावरण बनाने हेतु प्रेरित करते हैं ।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि देश के नागरिक इसी देश में रहने वाले हैं और इनमें से किसी को भी कहीं बाहर जाने के लिए नहीं कहा जा सकता। यह देश यहां रहने वाले सभी 140 करोड़ लोगों का है और सबका भविष्य एक साथ जुड़ा हुआ है। देश को कमजोर करके कोई भी एक वर्ग या समुदाय कभी आगे नहीं बढ़ सकता। यह बात सब राजनीतिक दलों को समझनी होगी। आगामी कुछ महीनों में चार राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव होंगे। इस बार क्या एक आम जन की तरह हम यह अपेक्षा कर सकते हैं कि चुनाव में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगड़ने का कोई काम नहीं होगा और केवल और केवल भारतीयों के विकास और बेहतरी की बात की जाएगी? विभिन्न दल अपनी ओर से इस बात के लिए मतदाताओं के समक्ष चुनावी घोषणा पत्र में रूपरेखा प्रस्तुत करें कि वह कैसे देश की गरीबी, कुपोषण, बीमारी, बेरोजगारी और महंगाई पर नियंत्रण करेंगे और ऐसा करने में भी किस प्रकार सभी वर्गों का सहयोग प्राप्त करेंगे? जो दल इस प्रकार का रोड मेप प्रस्तुत करने में सफल होंगे, उनको समर्थन मिलना निश्चित होगा। यदि अगले चुनाव में भी हमने अपने पुराने रास्तों को नहीं छोड़ा और केवल छोटे-छोटे स्वार्थ के लिए जनता को भड़काने का काम करने लगे तो फिर हम देश में दो सदियों में एक साथ जी रहे होंगे, एक 21वीं और 19वीं सदी में, जहां एक ओर भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ देश को दुनिया का सिरमौर बनाने का श्रेय प्राप्त करेंगे, वहीं यहाँ की सामाजिक कटुता और आपसी भेदभाव हमें कई क्षेत्रों में गरीब अफ्रीकी देशों से भी पीछे ले जाने का काम करेंगे।

पूर्व में देश के नागरिकों ने अनेक बार यह सिद्ध किया है। समय-समय पर जब भी देश कोई बहुत बड़ी सफलता प्राप्त करता है, सब लोग एक साथ मिलकर किस प्रकार से अपनी खुशी को व्यक्त करते हैं, इसका नवीनतम उदाहरण चंद्रयान-3 की सफलता के समय देखा गया। प्रत्येक नागरिक के द्वारा व्यक्त उल्लास देखते ही बनता था। इसी प्रकार जब कभी कोई बाहरी संकट होता है तब भी देश ने अपनी अद्भुत एकता का परिचय दिया है। प्रश्न केवल यही है कि क्या हमें एकता का परिचय देने के लिए किसी भारी संकट का इंतजार करना होगा या हम सामान्य समय में भी सदैव एकजुट होकर के राष्ट्र के प्रगति में अपना सर्वस्व लगाने के लिए अवसर लोगों को प्रदान कर पाएंगे? ऐसा हम सबको करना होगा । अपने राष्ट्र की प्रगति के लिए अपने व्यक्तिगत स्वार्थ को आगे नहीं रखेंगे एवं एक अच्छे नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य का पालन करेंगे ताकि हम आने वाले समय में आने वाली पीढ़ियों लिए अच्छा उदाहरण प्रस्तुत कर सकें।

देश की विविधता इसका एक आभूषण है, इसकी कमजोरी नहीं। हमारे यहां पर जितनी विविधता है उतनी शायद विश्व के किसी भी देश में नहीं है। जब विभिन्न प्रकार की विविधताओं के साथ हम खुशहाली के साथ रह सकते हैं तो इन विविधताओं को हम अपनी कमजोरी क्यों बनने दें? कल्पना कीजिए सबको एक जैसा बनाने का प्रयास वैसा ही होगा जैसे किसी बगीचे में एक ही रंग के सारे फूल हों। कोई भी बगीचा तब ही बहुत लुभावना और अच्छा लगता है जब उसमें विभिन्न रंगों के फूल खिले हों। हमारा देश इसी प्रकार के विभिन्न रंगों के फूलों वाला गुलदस्ता है, जिसमें भांति-भांति के लोग, रीति रिवाज, त्योहार और उत्सव हैं। सभी एक-दूसरे के साथ इनको मनाने में सदैव से भागीदार रहे हैं।

आइए, हम सब मिलकर इस देश में सद्भावना बढ़ाने का काम करें और इसकी विविधताओं को स्वीकार करते हुए, सभी एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान पर रखने हेतु प्रेरित करें। ऐसा करते समय शुरुआत हम स्वयं से ही करें। भारत के समक्ष एथलेटिक्स में जो उदाहरण 4X400 मीटर की रिले रेस की टीम ने प्रस्तुत किया है और जिस खेल भावना का प्रदर्शन नीरज चोपड़ा और नदीम ने प्रस्तुत किया है, उससे सीख लें। हमारे राजनीतिज्ञों को खिलाड़ियों से अवश्य सीख लेनी चाहिए तभी हम आगे बढ़ने का मार्ग तेजी से प्रशस्त कर पाएंगे और तब हम निश्चित रूप से विश्व गुरु कहलाने के वास्तविक हकदार।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

रेलमंत्री ने उदयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का लिया जायजा

उदयपुर, (कासं)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को उदयपुर के सिटी रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों की प्रगति देखी। उन्होंने उदयपुर स्टेशन पर बनने वाले रूफ प्लाजा के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह रूफ प्लाजा देश के सबसे बड़े रूफ प्लाजा में से एक होगा।

इस दौरान पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश के स्टेशनों को विश्व स्तरीय बनाने की कडी में उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य बहुत तेज गति से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि 354 करोड की लागत से उदयपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। उदयपुर-अहमदाबाद ट्रैक पर और अधिक गाड़ियां चलाने के संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अभी तक यह ट्रैक नया था, लेकिन समय बीतने के साथ अब स्थिर हो चुका है, धीरे-धीरे इस पर गाडियों की संख्या भी बढ़ेगी। इस ट्रैक पर फेंसिंग का कार्य स्वीकृत कर शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा।

उदयपुर स्टेशन के निरीक्षण के पश्चात रेल मंत्री ने उदयपुर से चित्तौडगढ -नीमच रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा व प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर उत्तर पश्चिम रेलवे के कार्यों की समीक्षा। उन्होंने पुश ट्रॉली जैसे विभिन्न उत्पादों को और अधिक यांत्रिकीय बनाये जाने पर जोर दियाए साथ ही रोलिंग ब्लॉक को और अधिक प्रभावी ढ ंग से उपयोग किए जाने के निर्देश दिए ताकि ट्रेन संचालन में सुरक्षा सर्वोपरी रहे।

उल्लेखनीय है कि उदयपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। 354 करोड रुपए की लागत से किये जाने वाले पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत नई बिल्डिंग के साथ ही कॉनकोर्स एवं फुट ओवर ब्रिज स्काई वॉक से जुडेंगे। रेलवे द्वारा उदयपुर स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त करने के लिए पुनर्विकास कार्य युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। हाल ही में उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नाथद्वारा से किया गया था।

इस अवसर पर उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा, महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक अजमेर राजीव धनखड व उत्तर पश्चिम रेलवे जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण सहित उत्तर पश्चिम रेलवे के कई अधिकारी मौजूद थे।

उदयपुर में केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव सिटी रेलवे स्टेशन के प्रगति कार्यो का अवलोकन किया।

■ **उदयपुर के सिटी रेलवे स्टेशन पर बनने वाले रूफ प्लाजा देश के सबसे बड़े रूफ प्लाजा में से एक होगा : रेल मंत्री**

दहेज और नशा मुक्त समाज के निर्माण का आव्हान

जोधपुर, (कासं)। दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ की ओर से मारवाड़ राजपूत सभा भवन जोधपुर में सिवाणा मठ के संत चेस्टीनाथ के सानिध्य में व मारवाड राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खागटा के मुख्य अतिथि में तथा दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड की अध्यक्षता में एक दिवसीय सगाई व परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड ने समाज में फैली कुरितियों, कुप्रथाओं व कुरिवाजों पर अंकुश लगाने तथा दहेज और नशा मुक्त समाज के निर्माण का आव्हान किया तथा फिजूल खर्ची व दिखावा नहीं करने की अपील की। संस्थापक महेंद्र सिंह जाखली ने बताया कि इस अवसर पर 700 विवाह योग्य युवक युवतियों के रजिस्ट्रेशन हुए तथा बायोडाटा मिलान व परिचय सम्मेलन भी रखा गया। सम्मेलन में चार दहेज विरोधी सगाईयां भी हुई जिनको तथा दहेज नहीं लेने वाले 25 परिवारों को मंच पर सम्मानित किया गया। हनुमान सिंह खागटा ने बताया कि आज दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ ने मारवाड क्षेत्र में सफल व भव्य आयोजन काआगाज किया है जो बहुत ही समाज में जागृति योग्य व समाज को सशक्त बनाने योग्य है। इस अवसर पर संघ के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह सिसोदिया, प्रदेश उपाध्यक्ष जबर सिंह राठौड, युवा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तेना, देवेंद्र सिंह शेखावत, देवी सिंह चौहान, विक्रम सिंह छावसरी, सुमन कंवर, रंभा कंवर, भंवर मनजीत सिंह, गजेंद्र सिंह, तेज सिंह चावडिया, दिनेश सिंह बाबरा, बिशन सिंह सोडा, गिरधारी सिंह शेखावत, शायर सिंह सहित भारी संख्या में मातृशक्ति व समाजसेवियों ने संबोधित करते हुए दहेज नहीं लेने का संकल्प लिया। लगभग 2000 से ऊपर समाज बंधु व मातृशक्ति की उपस्थिति उपस्थिति रही व सहभोज का भी आयोजन रखा गया।

दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ की ओर से मारवाड़ राजपूत सभा भवन जोधपुर में सगाई व परिचय सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ।

■ **दहेज नहीं लेने वाले 25 परिवारों को मंच पर सम्मानित किया**

घर में शुद्ध हवा के लिए आई.आई.टी. जोधपुर ने डिवाइस विकसित की

यह डिवाइस 99.99 प्रतिशत से अधिक हानिकारक विषाणुओं को निष्क्रिय करती है

जोधपुर, (कासं)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने घर के अन्दर बेहतर वायु गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नवीन कोल्ड-प्लाज्मा डिटर्जेंट इन एनवायरनमेंट (कोड) डिवाइस को विकसित किया है। शोध में इस डिवाइस की व्यापक रूप से जांच की गई है जिसमें यह सामने आया है कि यह डिवाइस 99.99 प्रतिशत से अधिक हानिकारक विषाणुओं को निष्क्रिय करती है और उच्च गुणवत्ता वाली इंडोर वायु प्रदान करती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पुरानी बीमारियों के खतरों को बढ़ाने के पांच कारणों में से एक है। हम भोजन की तुलना में आठ गुना अधिक और पानी की तुलना में चार गुना अधिक ऑक्सीजन या हवा को ग्रहण करते हैं। इंडोर ऑक्सीजन में आमतौर पर बाहरी हवा की तुलना में लगभग 2-5 गुना अधिक प्रदूषण होता है। वहीं आजकल सिक बिल्डिंग सिंड्रोम भी एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा है।

इनके अलावा हवा में रहने वाले रोगाणु से होने वाला संक्रमण भी वर्तमान में एक बड़ी चुनौती है। लगभग हर साल हम देख रहे हैं कि एक नये बैक्टीरिया या वायरस की उत्पत्ति हो रही है जिससे बीमारियां और महामारी उत्पन्न हो रहीं है। वर्तमान में उपलब्ध इंडोर वायु शुद्धिकरण उपकरणों द्वारा लम्बे समय तक जीवित रहने वाले विषाणुओं और छोटे आकार के एयरोसोल्स को प्रभावी तरीके ख़त्म नहीं किया जा सकता है। घर के वातावरण में वायु जनित रोगाणुओं व विषाणुओं के संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर डॉ. राम प्रकाश, डॉ. अंबेश दीक्षित, रामावतार जांगड़ा, किरण आहलावत द्वारा एक नॉवेल कोल्ड-प्लाज्मा डिटर्जेंट इन एनवायरनमेंट कोड डिवाइस विकसित की गई है। जिसके परिणाम हाल ही में नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। इस तकनीक पर आधारित इंडोर एयर स्टेरलाइजर्स का निर्माण दिव्या प्लाज्मा सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। यह एक स्टार्टअप कंपनी है जो आईआईटी जोधपुर टेक्नोलॉजी इनोवेशन और स्टार्टअप सेंटर (टीआईएससी) द्वारा संचालित है। इस कंपनी का उद्देश्य घर के वातावरण में वायु जनित रोगाणुओं को निष्क्रिय करना और संक्रमण के जोखिमों से एक साथ निपटना है साथ ही दूषित जगहों पर हवा को शुद्ध करना है।

■ **विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पुरानी बीमारियों के खतरों को बढ़ाने के पांच कारणों में से एक है**

राशिफल मंगलवार 5 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, भरणी नक्षत्र प्रात: 9:00 तक, व्याघात योग रात्रि 11:23 तक, वणिज करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:00 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग दिन 9:00 से आरम्भ होगा। त्रिपुष्कर योग दिन 3:47 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 3:47 से रात्रि 3:43 तक है। आज हल षष्ठि और ललही छठ, शिक्षक दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:18 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 1:59 तक, शुभ 3:33 से 5:06 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40

मेष
मन:स्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें। घर-परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

राज्य स्तरीय समिति ने विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों, कोचिंग संस्थानों की बैठक ली

कोटा, (निसं)। कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में तनाव व आत्महत्या प्रकरणों की रोकथाम के लिए कार्ययोजना तैयार करने के लिए प्रमुख शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग भवानी सिंह देथा की अध्यक्षता में गठित समिति ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर विभिन्न पक्षों से संवाद किया। अलग-अलग सत्रों में कोचिंग संस्थानों में कार्यरत् मनोसलाहकारों, एनएमएच टीम, मेडिकल कॉलेज प्रोफेसर मनोचिकित्सा, गायनोकोलॉजी तथा प्रसूति विज्ञान, हॉस्टल, पीजी संचालकों, मकान मालिकों, कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों, एनजीओ, सिविल सोसायटी, मीडिया, आध्यात्मिक, योगा संगठनों एवं जिला प्रशासन के साथ गहन विचार विमर्श किया गया।

समिति अध्यक्ष प्रमुख शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा भवानी सिंह देथा, सदस्य आयुक्त वाणिज्यिक कर विभाग डॉ रवि सुरपुर, सदस्य प्रबन्ध निदेशक नेशनल हेल्थ मिशन डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी, जिला कलक्टर ओपी बुनकर, निदेशक स्थानीय निकाय विभाग ह्रदेश कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. फिरोज अख्तर सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रशील ठाकुर, सीनियर प्रो.मनोचिकित्सा विभाग एसएमएस अस्पताल प्रो. आलोक त्यागी सदस्य के तौर पर मौजूद रहे। समिति ने चार सत्रों में उक्त समूहों के साथ विस्तार से चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए। यह समिति कोचिंग संस्थाओं के विद्यार्थियों में तनाव एवं आत्महत्या प्रकरणों के निराकरण के लिए उपाय एवं कार्ययोजना तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत करेंगी।

बैठक के दौरान शासन सचिव नवीन जैन एवं निम्हान्स, बैंगलूरू संस्थान के विशेषज्ञ भी वीसी के जरिये

■ 'विद्यार्थियों, कोचिंग एवं कोटा के हित में गाईडलाईन बनेगी'

जुड़े। पहले सत्र में कोचिंग संस्थानों में कार्यरत काउंसलर्स के साथ संवाद हुआ जिसमें समिति ने उनकी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, कार्य करने की विधि, विद्यार्थियों के साथ उनके संवाद, सामने आने वाली समस्याओं इत्यादि के बारे में पूछते हुए सुझाव लिए कि माहौल को सकारात्मक बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए। काउंसलर्स से बातचीत के दौरान सामने आई खामियों को दूर करने एवं उपयुक्त प्रशिक्षण लेने को कहा गया। विद्यार्थियों से काउंसलिंग का पूरा डाटा संधारित करने, मनोस्थिति को पहचानकर स्वयं समझाइश की पहल करने, अभिभावकों से निरंतर सम्पर्क में रहने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर मार्गदर्शन किया। हॉस्टल पीजी संचालकों के साथ संवाद में समिति सदस्यों ने हॉस्टल में उपलब्ध सुविधाओं, वातावरण एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। समिति सदस्यों ने कहा कि हॉस्टल, पीजी इत्यादि में घर जैसा वातावरण देने की कोशिश होनी चाहिए। साथ ही मोटिवेशनल, आनन्ददायी गतिविधियों का समावेश करना चाहिए।

परिसर में शिक्षाप्रद एवं प्रेरक सकारात्मक वाक्यों का प्रस्तुतीकरण करना चाहिए। कोचिंग संस्थानों के साथ आयोजित बैठक में समिति को सिलेबस कम करने, सप्ताह में दो दिवस अवकाश, विद्यार्थियों की हॉबी की पहचान कर उसके अनुसार म्यूजिक कार्यक्रम, खेल गतिविधियां आयोजित करने, रोजगार के विकल्पों की जानकारी देने, अभिभावकों की काउंसलिंग एवं हॉस्टलों में बायोमैट्रिक उपस्थिति के संबंध में सुझाव प्राप्त हुऐं। सिविल सोसायटी एवं मीडिया के साथ आयोजित बैठक में खादी बोर्ड के उपाध्यक्ष पंकज मेहता ने नाकारात्मकता दूर करने के लिए संस्कार व आध्यात्मिक शिक्षा भी देना का सुझाव दिया।

डॉ. आरसी साहनी ने हॉस्टल के कमरों में दो बच्चों को रखने, गोविंद राम मित्तल ने कोचिंग में प्रवेश के समय स्क्रीनिंग करने का सुझाव दिया। डॉ. एमएल अग्रवाल ने जेईई की तरह नीट की परीक्षा भी वर्ष में दो बार कराने का सुझाव दिया। समिति को एनजीओ, योगा संस्थाओं एवं विशेषज्ञों द्वारा मौखिक एवं लिखित में सुझाव प्रस्तुत किऐं। इस अवसर पर अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन राजकुमार सिंह, कुल सचिव कृषि विश्वविद्यालय सुनीता डागा, आरएए मनोज कुमार, डीआईजी स्टाम्प कमल कुमार, भू-प्रबन्ध अधिकारी दीप्ति मीणा सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्री वल्लभम कथक समारोह एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में मनमोहक प्रस्तुतियां दी

कोटा, (निसं)। मुखिया मदन लाल जोशी स्मृति संस्थान की और से रविवार को जवाहर नगर स्थित एलन समुनत परिसर में श्री वल्लभम् कथक समारोह एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

मुखिया मदनलाल जोशी की सुपौत्री बरखा जोशी जो कथक गुरु एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कलाकार हैं, उनके द्वारा कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई जिसका विशेष आर्कषण का केन्द्र एक मिनट में भगवान श्रीकृष्ण की पेन्टिंग बनाई एवं उनके नृत्य निर्देशन में उनकी शिष्याओं ने तराना नृत्य, अर्धांग शिव स्तुति, वृद्धावन कुंज भवन नाचत गिरधारी, तथा कृष्णलिला रसिया को लार बनाओ री प्रस्तुति दी गई।

इस दौरान पूरा पांडाल श्री कृष्णम ममरू के जयघोष से गूंज उठा। अन्त में नन्दोत्सव द्वारा सभी दर्शकों ने बरखा जोशी के साथ सभी ने नृत्य किया। कार्यक्रम में एलन के निदेशक गोविंद माहेश्वरी के भजनो की प्रस्तुतियों को भी सराहा गया। कार्यक्रम में बड़ौदा

■ बरखा जोशी ने भारतीय संस्कृति और विभिन्न घरानों की कला को जीवंत रखा : ओम बिरला

गुजरात से आए हवेली संगीत के पुरोधा भगवती प्रसाद गन्दर्भ द्वारा अपनी सुरीली आवाज में प्रस्तुत गायन को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रहे तथा अध्यक्षता बड़े महाप्रभु जी का मंदिर पाटनपोल के महाराज शरद कुमार गोस्वामी ने की। महाराज विनय कुमार गोस्वामी ने आर्शीवचन से श्रोताओं और रसियाओं को कृतज्ञ किया। समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारतीय संस्कृति और विभिन्न घरानों की कला को जीवन्त रखने में कथक नृत्यांगना बरखा जोशी का विशेष योगदान हैं। इस अवसर पर वेन्या शर्मा, दिशानी जोशी, पहला चित्तौड़ा, पूर्वी सैनी, आराध्या, चर्बी पाल, आरोही पाल, ताबिशी, माही गौतम, तारिणी भटनागर, वृंदा शर्मा सहित युवा कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से समा बांधा।

हवेली संगीत का पुरातन महत्व व बारीकियों को समझाया:- आयोजन समिति अध्यक्ष दामोदार प्रसाद शाण्डिल्य ने हवेली संगीत का पुरातन महत्व समझाते हुए इसकी बारिकीयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कोटा संभाग में हवेली संगीत की अलख जगाने वाले मुखिया मदनलाल जोशी अकेले कलाकार थे। कार्यक्रम मे विशेष योगदान देने के लिए पांच कलाकारों को विशेष सम्मान किया गया, जिनमें भगवती प्रसाद गन्दर्भ की हवेली संगीत के प्रचार-प्रसार के लिए रामनारायण मीणा हलधर को साहित्य हवेली संगीत डॉ सुनीता श्रीवास्तव व्याख्याता जे.डी.बी. कॉलेज व अन्य शामिल हैं। बरखा जोशी द्वारा कैनवास पर विभिन्न रंगों के माध्यम से नृत्य करते हुए भगवान श्रीकृष्ण का जीवन्त चित्रण करने को श्रोताओं ने बहुत सराहा।

सार-समाचार

74 श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच हुई

कोटा, (निसं)। निरोगी कोटा स्वस्थ कोटा नवाचार के तहत सोमवार को चिकित्सा विभाग की ओर से कृष्णा स्टोन क्रेशर पांचडा गढ़ेपान में सिलिकोसिस जागरूकता एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इसमें क्रेशर पर काम करने वाले 74 श्रमिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की और परामर्श दिया गया। मेडिकल टीम में कोटा के डॉ. हेमंत शर्मा चेस्ट फिजिशियन, शाहनवाज अली पीएमडीटी कोऑर्डिनेटर, उत्तम गोस्वामी एसटीएस सुल्तानपुर, गढ़ेपान पीएचसी से स्टॉफ एवं माइनिंग इंजीनियर गोविंद शर्मा ने सेवाएं दी। शिविर में 4 श्रमिकों को स्पूटम जांच और 4 को चेस्ट एक्सरे के लिए रेफर किया गया। वहीं, 30 श्रमिकों की बीपी और 30 की शुगर जांच की। सीएमएचओ डॉ जगदीश सोनी, एवं जिला टीबी रोग अधिकारी डॉ. एसएन मीणा ने बताया कि शिविर में आए लोगों को सिलिकोसिस रोग से बचाव के उपाय और साधन अपनाने की हिदायत दी। खनन क्षेत्रों में ड्रिलिंग कार्य करते समय व ब्लास्टिंग मशीन से खनन करते समय उड़ती धूल-मिट्टी से बचाव करने, खनन क्षेत्रों के कच्चे रास्तों पर पानी का छिड़काव करने, खनन कार्य के समय डस्ट मास्क का उपयोग करने जैसे उपाय बताए गए। साथ ही टीबी रोग से बचाव-उपचार निक्षयमित्र एवं निक्षय पोषण योजना, निक्षय संबल योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त ग्राम पंचायत योजना और सिलीकोसिस सहायता राशि के बारे में भी बताया गया।

परामर्श कार्यक्रम आज

कोटा, (निसं)। राजस्थान मिशन 2030 दस्तावेज तैयार करने के लिए कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि विपणन से संबंधित 50 से 60 हितधारकों एवं विभागीय अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों के साथ 5 सितम्बर को प्रातः 11:00 बजे टैगोर सभागार में परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार खेमराज शर्मा ने बताया कि परामर्श कार्यक्रम में कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि विपणन विभाग के अधिकारी, प्रगतिशील किसान, किसान आयोग सदस्य, विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक, एटीसी के विशेषज्ञ, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रतिनिधि, एफपीओ के प्रतिनिधि, आदान निर्माता एवं विक्रेता, एसएलबीसी संयोजक, नाबार्ड प्रतिनिधि, कृषि उद्यमी, कृषि स्टार्टअप, कृषि प्रसंस्करण इकाई के प्रतिनिधि, राजस्थान राज्य बीज निगम, राष्ट्रीय बीज निगम के प्रतिनिधि, कृषि आयुक्तालय जयपुर से नोडल अधिकारी एचएस मीणा, जन प्रतिनिधि, डेयरी फेडरेशन, सहकारी समितियों एवं फेडरेशन के प्रतिनिधि, राजफेड, कृषि महाविद्यालय के शिक्षाविद्, विद्यावाचस्पित छात्र, कृषि अर्थशास्त्री आदि भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि परामर्श कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हितधारकों से अधिक से अधिक सुझाव लेना है, ताकि इन्हें विजन 2030 में शामिल किया जाए और उसी के अनुरूप नीतिगत निर्णय लेकर कृषि उत्पादन एवं किसानो की आय में बढोतरी की जा सके।

आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। महावीर नगर इलाके में आरटीयू में कार्यरत एक टैक्नीशियन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव घरवालों के सुपुर्द कर दिया। सीआई परमजीत पटेल ने बताया कि राजस्थान तकनीकी यूनिवर्सिटी में टैक्नीशियन के पद पर कार्यरत चौथमल गोस्वामी (57) महावीर नगर विस्तार योजना में रहते थे। जिन्होंने घर पर ही कमरे में फंदा लगा लिया। वह अपने कमरे में सोए थे। रविवार को दोपहर तक जब वह नहीं उठे तो बेटे और पत्नी ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। घरवालों ने दरवाजा तोड़ा और अंदर पहुंचकर देखा तो वह फंदे पर लटके हुए थे। इस पर घरवालों ने उन्हें फंदे से उतारकर न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी और शव को पोस्टमॉर्टम रूम में शिफ्ट करवाया। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम करवा दिया गया है। सुसाईड के कारणों का पता नहीं लग सका है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले उसका हर्निया का ऑपरेशन हुआ था और दवाइयां चल रही थी। माना जा रहा है कि बीमारी के चलते वह परेशान थे। पुलिस के अनुसार कारणों की जांच की जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री आज बैठक लेंगे

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय मंत्री कोयला, खान, और संसदीय मामलात एवं भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी के मुख्य आतिथ्य तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व कोटा संभाग प्रभारी मुकेश दाधीच की अध्यक्षता में भाजपा कोटा संभाग की बैठक मंगलवार 5 सितम्बर को दोपहर 2:30 बजे लोट्स अनंत एलीट ए 7-8 स्माल स्केल इण्डस्ट्रियल एरिया, डीसीएम रोड, पत्रिका रोड, एसबीआई बैंक के पास कोटा पर होगी। भाजपा कोटा संभाग की बैठक की तैयारियों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय पर जिला पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने पदाधिकारियों को बैठक को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी। कोटा संभाग बैठक में कोटा संभाग के सूचीबद्ध जनप्रतिनिधि व संगठन पदाधिकारी अपेक्षित रहेंगें। बैठक में जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, जिला महामंत्री जगदीश जिंदल, मुकेश विजय, चंद्रशेखर नरवाल, जिला उपाध्यक्ष जटा शंकर शर्मा, नेता खण्डेलवाल, लक्ष्मण सिंह खींर्ची, रितेश चित्तौड़ा, जिला मंत्री राजेन्द्र अग्रवाल, जयदेव सुखेजा, आशा चतुर्वेदी, रेखा खेलवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश हरचंदानी, सोशल मीडिया जिला सहसंयोजक हिमांशु सैनी, कोटा उत्तर विधानसभा विस्तारक हेमराज सैन सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल बुजुर्ग की मौत

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा क्षेत्र में कार की टक्कर से घायल स्कूटी सवार बुजुर्ग की इलाज के दौरान रविवार रात को मौत हो गई। यातायात दुर्घटना थाना पुलिस की एएसआई तारा ने बताया कि घटना करीब पांच दिन पहले की है। बजरंगनगर गुलाब बाग निवासी जुगल किशोर (68) गुमानपुरा स्थित अपनी दुकान से 28 अगस्त की शाम को स्कूटी से अपने घर जा रहे थे। इस दौरान गुमानपुरा स्टील ब्रिज के पास तेज रफ्तार में आ रही कार ने स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे जुगल किशोर उछल कर नीचे जा गिरे और उनके सिर में चोट लग गई। राहगीरों ने एमबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया था। इलाज के दौरान रविवार रात को जुगल किशोर की मौत हो गई। सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

एसडीपी डोनेट की

कोटा, (निसं)। कोटा कोटा शहर में डेंगू के नए स्टैंड डी-2 के कारण जहां मौत का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ रहा है वहीं मरीजों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है और उन्हें एसडीपी की आवश्यकता हो रही है। ऐसे में आमजन मरीज की मदद को आगे तो आ रहा है लेकिन विकट परिस्थितियां देखने को मिल रही है। लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट ब्लड चेयरमैन भुवनेश गुप्ता ने बताया कि बढ़ते डेंगू के प्रकोप के कारण एसडीपी की संख्या भी बढ़ रही है, ऐसे में बीती रात एक 9 वर्षीय बच्ची परी के लिए नितेश खंडेलवाल ने एसडीपी डोनेट की वही कुणाल अग्रवाल ने कृष्णा राम के लिए ए पॉजिटिव की एसडीपी डोनेट की। टीम जीवनदाता के सहसंयोजक वर्द्धमान जैन ने बताया कि 9 वर्षीय परी निजी अस्पताल में भर्ती है। बी पॉजिटिव ग्रुप की एसडीपी की आवश्यकता होने पर परिजन बेहद ही चिंतित हो रहे थे। ऐसे में कॉल आने पर नितेश खंडेलवाल को बुलाया गया। वह अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और उन्होंने बी पॉजिटिव एसडीपी डोनेट की। नितेश खंडेलवाल बेस्ट प्राइस में काम करते हैं, उन्होंने अपने सीनियर से एक नन्ही सी जान को बचाने के लिए निवेदन किया तो वह सहज तैयार हो गए और उन्होंने नौकरी बीच में छोड़ एसडीपी डोनेट की। वहीं दूसरी और कृष्णा राम की एसडीपी के लिए कुणाल अग्रवाल आगे आए हैं।

न्यास की दो पुनर्वास एवं स्टोनमंडी टांसपोर्ट नगर योजना की लॉटरी प्रक्रिया संपन्न

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर जहां कोटा में विकास के नये आयाम स्थापित किए गए हैं वही नगर विकास न्यास की ओर से विभिन्न योजनाएं लागू कर आमजन को सस्ती दरों पर आशियाने और भूखंड उपलब्ध करवाने का सिलसिला लगातार जारी है। उपसचिव भावना सिह ने बताया कि कोटा नगर विकास न्यास में 2 पुनर्वास एवं स्टोन मंडी टांसपोर्ट नगर योजना की लॉटरी निकाली गई।

पुनर्वास योजना के तहत रेलवे

■ 317 भूखंडों की लॉटरी निकाली

कोटा नगर विकास न्यास से के नए सचिव ने पदभार ग्रहण किया है।

माल गोदाम मजदूर, हम्माल, मुकादम, महिला मजदूरों के लिए विकसित की गई काला तालाब में आवासीय योजना की 317 भूखंडो की लॉटरी निकाली गई वहीं रिवर फ्रंट निर्माण के दौरान सिंचाई विभाग की कॉलोनी लोगों के लिए नांता कुंदकुंद के पास न्यास द्वारा विकसित की गई पुनर्वास योजना की 255 किराएदारो की लॉटरी न्यास परिसर में निकाली वही इसके अलावा स्टोनमंडी विश्वकर्मा नगर ग्रुप डी की विभिन्न साइज के 161 भुखंडो की लॉटरी न्यास परिसर में निकल गई लॉटरी प्रक्रिया का सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण किया गया वहीं लॉटरी प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में आवेदक उपस्थित रहे इस मौके पर मुख्य लेखा अधिकारी टीपी मीणा सहायक लेखा अधिकारी मोर सिंह मीणा, राजस्व सलाहकार परमानंद गोयल, विधी सलाहकार वीरेन्द्र सिंहं, अधीक्षण अभियंता ओपी दुबे ,अजय शर्मा सहित न्यास के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यास के नये सचिन मानसिंह मीणा ने संभाला पदभार:- नगर विकास न्यास के नये सचिव मानसिंह मीणा ने सोमवार को अपना पदभार संभाला वही राजेश जोशी को नगर विकास न्यास के कर्मचारी ऐसोसिएशन की ओर से विदाई समारोह आयोजित किया। समारोह के दौरान सभी अधिकारियों ओर कर्मचारियों ने सचिव राजेश के अधीन कार्यकाल को बेहतरीन बताते हुए उनके व्यक्तित्व, मिलनसार ओर सभी वर्ग के कर्मचारियो के प्रति उनकी मददगार व्यवहार की सराहना कर अपने अनुभव साझाकर नये ज्याइनिंग की शुभकामनाए प्रेषित की। इस मौके पर उपसचिव भावना सिंह, मुकेश चौधरी, मुख्यअभियंता ओपी वर्मा, अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गोड, अमृत चौधरी, अजय शर्मा सहित न्यास अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

शिविर आठ को

कोटा, (निसं)। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा बून्दी जिले की तहसील हिंडोली स्थित पेच की बावड़ी क्षेत्र के समस्त भूतपूर्व सैनिकों व विधवाओं तथा उनके आश्रितों के कल्याण के लिए शुक्रवार 8 सितम्बर को राजीव गांधी सेवा केन्द्र पेच की बावड़ी में समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

खोया-पाया

मकान No. 4 S 12 दादाबाड़ी विस्तार योजना का आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र जिसको भी मिले संपर्क करें:-

सरोज विजय 9414187556

नाम परिवर्तन

मैं अनिल आहूजा पुत्र स्व कन्हैयालाल आहूजा मेरे आधार संख्या 763264520135 में मेरा नाम अनिल कुमार आहूजा है तथा मेरे पासपोर्ट में अनिल आहूजा है जो दोनों ही मेरे नाम है भविष्य में मुझे अनिल कुमार आहूजा के नाम से ही जाना जाए। निवासी MPA 34 महावीर नगर द्वितीय कोटा राजस्थान

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्री निर्मला नागर पत्नी महेन्द्र नागर निवासी मकान पुरानी हवेली बालाकुण्ड कोटा राज. के है। जिनके मालिकाना हक का एक भूखंड संख्या सी-1(ए) हाड़ोती कोलोनी योजना आनन्दपुरा उर्फ फुटातालाब कोटा जो मेरी अभिभाष्या को नगर विकास न्यास कोटा द्वारा पट्टा दिनांक 31.07.2023 को प्राप्त हुआ था मेरी अभिभाष्या द्वारा एक्सिस बैंक में ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। सर्वसाधारण या किसी भी व्यक्ति या ऋणदात्री संस्था को उपरोक्त लिखित सम्पत्ति के मालीकाना हक पर कोई उज्र या आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर-भीतर आपत्ति लिखित में दर्ज करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी व्यक्ति या संस्था की कोई आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक : 04.09.2023

हरीश कुमार शर्मा एडवोकेट
5 एच 5 तलवंडी कोटा
मो. 9828086608

जिला कलेक्टर ने कोचिंग विद्यार्थियों को मार्मिक पत्र लिखा

कोटा, (निसं)। जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने विद्यार्थियों के एकाकी जीवन एवं तनाव को कम करने के लिए विद्यार्थियों के नाम पत्र लिखकर सभी कोचिंग संस्थानों एवं हॉस्टलों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचायां है। जिला कलेक्टर ने देशभर से आने वाले विद्यार्थियों के लिए जिला प्रशासन को अभिभावक के रूप में मानने का संदेश देते हुए सपने साकार करने का आव्हान किया है। यह लिखा पत्र-आज जैसे ही मुझे सूचना मिली कि एक और छात्र ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, मन व्यथित हो गया आंखे नम हो गई, मैं चिन्तित हूं कि ऐसा क्या हुआ? एक होनहार बच्चे को हमेशा के लिए खो दिया।

तुम तो चले गये पर जाने से पहले यह तो सोचते कि तुम्हारे माता-पिता पर क्या गुजरेगी, जो तुम्हारे सपनों को पूरा करने के लिए अपना सर्वस्व तुम पर न्यौछावर करना चाहते थे। जब तुम अपने सपने को पूरा करने के लिए पहली बार मेरे शहर में आये तो मेरे परिवार के सदस्य बन गये। मेरे शहर में आने वाले हर बच्चे का ख्याल रखूं और उन्हें एक खुशनुमा माहौल दूं यह प्रयास हर समय करता रहता हूं। आपके बीच कई बार सुखद वक्त मैनें बिताया है अपनी मंजिल को पाने के लिए तुम भी तो बहुत मेहनत करते हो पर एक रास्ता बन्द होने पर कई और रास्ते तुम्हारा इंतजार कर रहे है कभी-कभी तुम्हे लगता है कि इतनी मेहनत के बावजूद तुम वह हासिल नहीं कर पा रहे हो जो तुम्हे मिलना चाहिऐं, पर यह भी तो सही है असफलता सफलता की पहली सीढ़ी होती है।

एक टेस्ट की रैंकिंग क्या गिरी तुमने अपने आप को टूटा हुआ मान लिया हमेशा तनावग्रस्त रहने लगे। हॉस्टल की चारदीवारी में अपने आप को कैद कर लिया और बस यही सोचते रहे कि अब कुछ नहीं हो सकता। कोई भी असफलता आपके व्यक्तित्व का पैरामीटर नहीं है। एक बार बाहर आकर तो देखों क्या नहीं है मेरे शहर में दुनिया का खूबसूरत रिवर फ्रन्ट, चम्बल की उठती हुई लहरे सुंदरतम बाग-बगीचे, हर चौराहा जो आपके स्वागत को आतुर है।

कभी-कभी तो मैं खुद तुम्हारे चेहरे पर हंसी देखने के लिए संगीत में मस्त हो जाता हूँ। बाहर की आबोहवां, दोस्तों से मिलना और दिन के कुछ घंटे, कुछ मस्ती और फन में भी गुजारने चाहिए। इस शहर में तुम अकेले नही हो। मैं हूं ना, हर छात्र-छात्रा के लिए मेरा घर-मेरा ऑफिस हमेशा खुला है। संकोच मत रखना। तनाव को साझा करना सीखों आपके मन में किसी भी प्रकार का डर या तनाव है तो मुझसे साझा करें। आपके मानसिक स्ट्रेस को दूर करने के लिए मैने संडे को फन-डे बनाने का फैसला लिया उस दिन सिर्फ तुम्हारे साथ संगीत की सुरमई शाम होगी, दोस्तों से मिलने का मौका होगा, न कोई टेस्ट का झंझट बस गस्ती और मस्ती...। योगा भी तो कर सकते हो ताकि अपने आप को तरोताजा महसूस कर सको कोचिंग संस्थान, हॉस्टल कई सामाजिक संस्थाऐं तथा मेरी पूरी टीम हमेशा आपके चेहरे पर मुस्कराहट के लिए प्रयासरत है।

आपकी कोई भी समस्या हो चाहे फीस रिफण्ड से संबंधित, गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं किसी भी प्रकार की शारीरिक परेशानी हो मुझे बेहिचक स्टूडेंट हेल्पलाईन कोटा पर लिखकर भेज दें, उसके बाद समस्या का समाधान करने की जिम्मेदारी मेरी और मेरी टीम की है। आपके पास बहुत सारी संभावनाएं हैं और आप अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। लेकिन पहले आपको अपनी मदद करनी होगी। आपको अपना आत्मविश्वास वापस पाना होगा और यह विश्वास करना होगा कि आपके जीवन में कुछ अच्छा हो सकता है। दबाव व तनाव से अपने आप को दूर रखें और जिन सपनों को लेकर आप इस शहर में आये है उन्हें शिद्दत से पूरा करने की कोशिश करे मन में कभी भटकाव का विचार आये तो अपने गुरु माता-पिता व मुझसे जरूर शेयर करे। जब तुम अपनी मंजिल को पाकर इस शहर से जाओगे तो मुझे जरूर याद करना तुम्हारा हंसता मुस्कुराता चेहरा मेरे लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। मेरे प्यारे बच्चों आप मजबूत है आपके पास जीवन जीने के लिए बहुत कुछ है। आपमें हर कमजोरी, हर समस्या को दूर कर आगे बढ़ने का हौसला है। यकीन मानिए जब तक आप खुद हार नहीं मानते तब तक दुनियां में आपको कोई नहीं हरा सकता।

शिविर निरस्त

कोटा, (निसं)। अनुजा निगम द्वारा संचालित योजना अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम पीएम अजय योजना एवं इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में जानकारी देने के लिए होने वाला शिविर निरस्त कर दिया।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2022/434 **विज्ञप्ति** दिनांक:- 4.9.23

कार्यालय नगर विकास न्यास कोटा द्वारा दुकान/आवास/भूखंड संख्या 111 कॉर्नर योजना टैगोर नगर आवासीय योजना का आवंटन न्यास के पत्र क्रमांक 1945 दिनांक 09.08.2005 द्वारा श्री अमर कृपलानी पुत्र श्री अर्जुन सिंह कृपलानी को आवंटित किया गया था। आवंटी द्वारा नियुक्त मुख्तारआम श्री सत्यनारायण पुत्र श्री रामगोपाल ने उक्त दुकान/आवास/भूखंड का विक्रय जर्ये विक्रय पत्र दिनांक 15.06.2023 को श्री प्रेम प्रकाश नागर पुत्र श्री मथुरा लाल नागर को विक्रय कर दिया गया है। श्री प्रेम प्रकाश नागर पुत्र श्री मथुरा लाल नागर ने उक्त दुकान/आवास/भूखंड का हस्तांतरण स्वयं के नाम करवाने हेतु आवेदन किया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि जिस किसी को भी उक्त भूखंड/आवास का हस्तानांतरण किए जाने में कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम में अपनी आपत्ति दर्ज करावे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त दुकान/आवास/भूखंड के स्वामित्व हस्तांतरण की स्वीकृति श्री प्रेम प्रकाश नागर पुत्र श्री मथुरा लाल नागर के नाम जारी कर दी जायेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2023/22415 दिनांक: 4.9.23

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती उषा मित्तल पत्नी स्व. श्री हरी मोहन मित्तल निवासी भूखंड संख्या 80 न्यू आकाशवाणी कालोनी कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 3-ए-75 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा क्षेत्रफल 162.375 का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। आवास संख्या 3-ए-75 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा क्षेत्रफल 162.375 वर्गमीटर का आवंटन राजस्थान आवासन मण्डल कोटा द्वारा पत्र क्रमांक EM/KC/3651 दिनांक 01.11.2006 से श्री हरी मोहन मित्तल पुत्र श्री चैनसुख मित्तल को किया गया। श्री हरी मोहन मित्तल का देहावसान दिनांक 05.12.2022 को हो जाने के उपरांत श्री हरी मोहन मित्तल के एक मात्र विधिक उत्तराधिकारी पत्नी श्रीमती उषा मित्तल द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त आवास के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त आवास का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त, नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कोटा में शीघ्र हवाई सेवा शुरू करने की मांग, सीएम के नाम ज्ञापन दिया

कोटा, (निसं)। कोटा में शीघ्र हवाई सेवा शुरू करने की मांग एवं कोटा हवाई अड्डा निर्माण के लिए राज्य सरकार से भार रहित भूमि की मांग को लेकर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक राकेश जैन की अगुवाई में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीश महोदय को ज्ञापन दिया गया। इसके पूर्व कलेक्ट्रेट परिसर में सांकेतिक प्रदर्शन के साथ राकेश जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे विश्व में कोटा शिक्षा नगरी की पहचान रखता है।

भारत के विभिन्न प्रदेशों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। कोटा नगरी कोटा स्टोन, सैण्ड स्टोन, कोटा डोरिया तथा धनिया के लिए भी प्रसिद्ध है। विश्व के अनेक देशों में यह सब चीजें यहां से एक्सपोर्ट होती हैं, जिनके व्यापार के लिए भी उद्यमियों और व्यापारियों का कोटा आना-जाना लगा रहता है। यहां राजस्थान परमाणु बिजली घर, चम्बल फर्टीलाइजर्स, एसीसी सीमेंट, मंगलम सीमेंट, डीएससीएल सहित अनेक उद्योग भी हैं, जिनसे यहां औद्योगिक विकास की काफी संभावनाएं हैं। निकट भविष्य में ट्रिपल आईटी भी कोटा कैंपस में ही संचालित होगी जिससे भी बड़ी संख्या में आईटी उद्योग यहां स्थापित होंगे। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए कोटा में विकास की अपार संभावनाएं हैं जिसको गति देने के लिए कोटा में नियमित हवाई सेवाओं की महती आवश्यकता है। समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ कि केंद्र सरकार यहां नया ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का निर्माण करना चाहती है, जिसके लिए भूमि राज्य सरकार को उपलब्ध करवानी है। किंतु राज्य सरकार द्वारा मात्र 106 करोड़ रूपयें की राशि हस्तांतरित ना करने से भूमि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नाम दर्ज नहीं हो पा रही है।

राज्य सरकार की लापरवाही के कारण कोटा ही नहीं सम्पूर्ण हाड़ौती का विकास बाधित हो रहा है। ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का निर्माण कोटा का हक़ और अधिकार है। राज्य सरकार द्वारा हवाई अड्डे के निर्माण की बाधाओं को त्वरित गति से दूर ना करने की मंशा से कोटा संभाग की जनता का मन आहत और दुखी है। जबकि गत विधान सभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी तक कोटा में हवाई सेवा शुरू करने की घोषणा करके गये थे। इसलिए राज्य सरकार को चाहिए कि जनता की भावनाओं और शहर के हित में हवाई अड्डे निर्माण के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को तत्काल भाररहित भूमि उपलब्ध करवाये। इस अवसर पर ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन से अविनाश राठी,श्री सर्राफा मार्केट से आनन्द राठी, सर्राफा मार्केट से सुरेन्द्र गोयल, गुमानपुरा व्यापार संघ से संजय शर्मा, हाड़ौती कोटा स्टोन एंड से विकास जोशी, हाड़ौती कोटा स्टोन एसोसिएशन से सुरेश मित्तल, पुरानी सब्जीमण्डी व्यापार संघ से पवन दुआ, लाडपुरा दुकानदार संघ से रूपकिशोर गुप्ता, कोटा होलसेल गारमेंट्स से सुनील जैन, चौथ माता स्वर्ण रजत व्यापार संघ से आत्मदिप आर्य (सोनू), हाड़ौती पोकरा महाजन समाज से राजेन्द्र गुप्ता, संस्था प्रधान से प्रकाश , ज्वैलर्स एसोसिएशन से पंकज सोनी (जौहरी), रेलवे मण्डल बीजेपी से प्रदीप, तलवंडी व्यापार संघ से मनोज गुप्ता, मोटर शॉप से नरेश, भूपेन्द्र भार्गव, जैन सोशल ग्रुप से संदीप जैन आदि उपस्थित थे। ज्ञापन के दौरान हवाई अड्डे की मांग को लेकर कई नारे लिखी।

fincare Small Finance Bank

Registered Office: 301-306, 3rd Floor, ABHIJEET -V, Opp. Mayor's Bungalow, Law Garden Road, Mithakhali, Ahmedabad - 380006, Gujarat. **www.fincarebank.com**

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from Fincare Small Finance Bank Ltd ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **11 September 2023 between 11:00 AM - 03:00 PM** (Time) at below mentioned branches according to the mode specified therein. In case of deceased borrowers, all conditions will be applicable to legal heirs. Please note that in the event of failure of the above auction, the bank reserves its right to conduct another auction without prior intimation.

E-Auction Branch Details (E-auction will be conducted by using Weblinkhttps://egold.auctiontiger.net/)

BANSWARA - 23660000199033, 23660000237213 | **BHILWARA** - 23660000228271 | **CHITTORGARH** - 22660001104759, 22660001124601, 22660001133883, 23660000261127, 23660000503033 | **JAIPUR** - 22660001195015, 23660000637301 | **JAIPUR-TRIVENI NAGAR** - 22660001113182, 22660001302756, 23660000051353 | **JHALAWAR** - 23660000531470 | **JODHPUR ITI CIRCLE** - 22660001311409 | **KOTA** - 23660000340499, 23660000470673 | **KOTA - GHODE WALE BABA CROSS** ROAD - 23660000256667, 23660000430160 | **UDAIPUR - MADHUBAN BANK STREET** - 23660000173753.

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

Sd/-
Manager
Fincare Small Finance Bank

भाजपाईयों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया, कई कार्यकर्ता व नेता गिरफ्तार

प्रदेश में बढ़ती अराजकता, भ्रष्टाचार, दुराचार, महिला अत्याचार एवं बिगड़ी कानून व्यवस्था सहित कमाण्ड एरिया में पांचना का पानी छोड़ने की मांग

गंगापुर सिटी (निसं)। सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गंगापुर आगमन के तहत भाजपाईयों ने प्रदेश में बढ़ती अराजकता, भ्रष्टाचार, दुराचार, महिला अत्याचार एवं बिगड़ी कानून व्यवस्था सहित कमाण्ड एरिया में पांचना का पानी छोड़ने की मांग को लेकर फव्वारा चौक पर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी तकरार हो गई।

उन्होंने मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब तीन बजे किरोडी लाल मीना के नेतृत्व में कई दर्जन गाड़ियों का काफिला फव्वारा चौक पहुंच गया जहां भारी संख्या में पुलिस व एसटीएफ के जवान तैनात थे। पांचना बांध से पानी छोड़ने सहित अन्य मांगों को लेकर राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा के नेतृत्व में भाजपाइयों ने फव्वारा चौक सर्किल पर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ता काला कपडा लिए विरोध प्रदर्शन करते हुए जयपुर रोड से फव्वारा सर्किल की ओर बढे, लेकिन तहसील के सामने ही पुलिस प्रशासन ने उन्हें रोक दिया।

पुलिस कुछ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर शहर से बाहर ले गई और कुछ को सदर थाने लेकर पहुंची। लोगों ने स्थानीय विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। काफी तकरार के बाद डॉ. किरोडी लाल मीना सहित उनके कार्यकर्ताओं को तीन पुलिस की बसों में बिठाकर बाइपास की ओर ले गए। वहीं पौने चार बजे करीब पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में दूसरा जत्था बाजू पर काली पट्टी बांध कर व हाथों में काले झण्डे लहराते हुए जयपुर बाइपास से पुलिस बैरिकेट तोड़कर फब्बारा चौक के पास पहुंच गए। जहां आयुर्वेदिक औषधालय के सामने एसटीएफ जवानों व गुर्जर के समर्थकों में जमकर धक्का मुक्की हुई अंत में पूर्व विधायक सहित उनके समर्थकों ने गिरफ्तारी दी।

गंगापुर सिटी में मुख्यमंत्री के खिलाफ भाजपाईयों ने प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तारी दी।

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गंगापुर आगमन के तहत भाजपाईयों ने प्रदर्शन किया
- भाजपाईयों ने मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की
- पुलिस से जमकर तकरार हुई, गिरफ्तार नेताओं को पुलिस ने ईदगाह मोड़ पर छोड़ा

मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि सरकार व प्रशासन इतना डरा हुआ है कि मुख्यमंत्री की यात्रा को देखते यात्रा मार्ग में पड़ने वाली गलियों तक को बैरिकेट लगा कर सील कर दिया है। जनप्रतिनिधि जनता का चुना हुआ मुखिया होता जिसे प्रशासन ने आमजन से ही अलग कर दिया। सीएम गहलोत के आगमन को लेकर जिस प्रकार से प्रशासन से बैरिकेटिंग की है उससे आमजनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पूर्व विधायक ने कहा कि कांग्रेस के राज में पिछले साढ़े चार साल में सरकार ने महिला उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, फिसड्डी कानून व्यवस्था में देश में नम्बर वन बन कर रिकॉर्ड बनाया है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान भ्रष्टाचार के मामले में नंबर एक पर है। राजस्थान में पेपर लीक हो रहे हैं। सीएम गहलोत जिस गाडी की ड्राइविंग सीट पर बैठे हैं, उसका क्लच कोई और दबा रहा है। एक्सेलरेटर और कोई दबा रहा है। पूर्व उपसभापति दीपक सिंहल ने कहा कि मुख्यमंत्री की सभा के लिए आम रास्तों को रोक दिया गया है। बेरीकेटिंग लगा दी गई। व्यापारियों की दुकान बंद कर दी गई, बच्चों की स्कूलों की बस को रोक दिया गया, एक तरीके से सारा जनजीवन अस्त-व्यस्त और ठप कर दिया। क्या राजस्थान के मुख्यमंत्री जनता से इतना डरते हैं? इसका मतलब राजस्थान की जनता गहलोत सरकार की फ्री की स्कीमों से खुश नहीं है।

इसके बाद पुलिस ने दोनों नेताओं के समर्थकों को गिरफ्तार कर ईदगाह मोड व बाइपास पर ले जाकर छोड़ा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओ ने हाथों में काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान सांसद किरोडी लाल मीना, पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल, हेमन्त शर्मा, सभापति शिवरत्न अग्रवाल, उपसभापति विरेन्द्र पुजारी, पूर्व उपसभापति दीपक सिंहल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नागेश लोढी, मनोज बंसल, पुखराज सलेमपुर, रवि मंगल, गिरधारी सोनी, अनंत बडीला, मिथलेश व्यास, नवल दनकस, महेन्द्र दीक्षित, शिवदयाल जोशी, रामभरोसी बैष्णव, जगदीश गिरी, जितेन्द्र गुर्जर, मनोज कुनकटा पार्षद ओमप्रकाश कटारिया विनोद होटल विष्णु गुप्ता सोनू गुप्ता, चिरंजी लोधा, दशरथ मिलकपुर, रामहंश बांसरोटा, हरकेश महुंकला, विनोद अटल, पार्षद भवानी मानपुर, विकास ठेकला, अतुल शर्मा, योगेंद्र शर्मा, महेंद्र पूर्व सरपंच सेवा, पूर्व सरपंच दयाराम टोकसी, अनिल दुबे, धोडया पार्षद, बबलू चौधरी, गोविंद पाराशर, गोविन्द एस आर एस, राजेश मावई, शिवहरि मीना, ललित मिर्जापुर, भरतलाल बडौदा, बनवारी चौहान, विऋम फिरासपुर, दिलीप बुचौलाइ, राधेश्याम कोटडी, मुकेश प्रजापत, पवन रेंडायल, नरेंद्र हरसाना सहित सैकडो की संख्या में कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।

टेम्पो पलटने से यूपी के 12 श्रद्धालु घायल

- ददरेवा लक्खी मेले में जा रहे थे यूपी निवासी श्रद्धालु

सादुलपुर, (निसं)। ददरेवा लक्खी मेले में जा रहे यूपी निवासी जातरूओं का एक टेम्पो तारानगर सादुलपुर सड़क मार्ग पर स्थित तारानगर पुलिया के आगे अनियंतित्र होकर एकाएक पलट गया। जिससे टैम्पों में सवार मुरादाबाद यूपी निवासी बारह लोग घायल हो गये। घायलों को श्रीनाथ जी अस्पताल राजगढ़ में भर्ती करवाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ददरेवा में भरने वाले लक्खी मेले में जहाँ परवान पर है, वहीं मेले में जा रहे मुरादाबाद निवासी 12 लोग घायल हो गये। वहीं घटना की मिली सूचना पर सभी घायलों को कस्बा राजगढ के श्रीनाथ जी अस्पताल में लाया गया, जहाँ पर श्रीनाथ जी अस्पताल के निदेशक जे.पी. कलाल ने सभी घायलों को नि:शुल्क उपचार किया है। निदेशक जे.पी. कलाल ने बताया कि अनियंत्रित होकर टैम्पों के पलटी खाने से युपी से ददरेवा मेले में आ रहे यात्रियों के घायल होने की सूचना मिली, जिस पर सभी घायलों को अपनी एम्बुलेंस भेजकर अस्पताल में भर्ती किया तथा नि:शुल्क उपचार कर मानवता का परिचय दिया है।

टेम्पों में सवार विनोद कुमार पुत्र अजीत सिंह 19 वर्ष, विशाल पुत्र रतनलाल 15 वर्ष, मयंक पुत्र बबलू ०6 वर्ष, सलोनी पुत्री बबलू 15 वर्ष, धीरज पुत्र शिव चरण 19 वर्ष, बाला पत्नी बबलू 35 वर्ष, गार्घी पत्नी शिवचन्द, विशाल पुत्र रतन लाल उम्र 15 वर्ष, चाहत पुत्र विनोद उम्र 5 वर्ष, गीता पत्नी निरज उम्र 28 साल, आरसी पुत्री निरज उम्र 3० माह, विनोद कुमार पुत्र होरी उम्र 19 साल घायल हो गये थे, जिनका नि:शुल्क उपचार किया गया है।

टेक्सी चालक ने महिला का यौन शोषण किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर से गंगासागर तीर्थ के लिये गई एक महिला को टेक्सी चालक से दोस्ती करना महंगा पड़ गया। टेक्सी चालक ने उसको हावड़ा बुलाकर होटल में रोककर उसके साथ दुष्कर्म किया। अब आरोपी उसको बदनाम करने की धमकिया देकर ब्लैकमेल कर रहा है। मामला पूरा कोलकाता का है है मगर पीड़िता मंडोर इलाके की रहने वाली है। पीड़िता रविवार को पुलिस के पास पहुंची और केस दर्ज करवाया। आरोपी कोलकाता हावड़ा का रहने वाला है।

मंडोर पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह जनवरी 2023 में वह गंगासागर तीर्थ करने के लिये हावड़ा गई थी। वहां पर उसने एक टेक्सी किराए पर की जिसके चालक ने उससे फोन नम्बर ले लिए थे।

गंगासागर और हावड़ा में रहने के समय आरोपी उसको घुमाने फिराने ले गया। आरोपी अप्रेल में जोधपुर भी आया और दोस्ती बढ़ाने के लिये वापस उसको हावड़ा बुलाया। जहां पर उसे होटल में रुकवाया। आरोपी टेक्सी चालक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसके कुछ अश्लील फोटोग्राफ और वीडियो भी बना लिए और उसको सार्वजनिक करने की धमकी देकर देहशोषण करने लगा। रविवार को पीड़िता थाने पहुंची और केस दर्ज करवाया।

उदयपुर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा भारत के गौरवपूर्ण अवसर चंद्रयान-3 की सफलता पर आधारित थीम पर देश के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों (इसरो) के सम्मान एवं प्रोत्साहन में देशभक्ति से सराबोर फ्लैश मॉब नृत्य शो पूरे देश में आयोजित किये जा रहे हैं। केन्द्रीय संचार ब्यूरो उदयपुर के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने बताया कि इसी कड़ी में सोमवार को लेक सिटी उदयपुर में पिछोला लेक पर फ्लैश मॉब नृत्य शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों के सम्मान में नये इसरो गीत (इसरो गीत) की प्रस्तुति की गई। उन्होने बताया कि 40 नृत्य कलाकारों ने अपनी नृत्य प्रतिभा से वैज्ञानिकों का उत्हासवर्धन एवं धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उदयपुर सहित जयपुर, माउण्ट आबु में नौ सितम्बर को फ्लैश मॉब नृत्य शो का आयोजन किया जाएगा। चंद्रयान-3 की सफलता पर सभी भारतवासी उत्साहित है, हर भारतवासी इसरो वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं प्रोत्साहन प्रदान कर रहा है।

'जब तक जमीन में गर्मी पैदा नहीं करोगे, जयपाल पूनिया जैसे लोगों को न्याय नहीं मिलेगा'

जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर प्रदर्शन, डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुये

जयपुर। नागौर के नावां में भाजपा नेता व व्यवसायी जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर धरना-प्रदर्शन में भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुये।

डॉ. पूनियां ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में रोज औसतन सात हत्या होती हैं, 18 दुष्कर्म, अब तक 7 लाख मुकदमे राजस्थान में दर्ज हो गए। जब तक जमीन में गर्मी पैदा नहीं करोगे तक तक जयपाल पूनिया जैसे लोगों को न्याय नहीं मिलेगा। आपने कांग्रेस सरकार के खिलाफ इतनी मजबूती के साथ इस धरने की शुरूआत की है, कई बार राख जब चिंगारी बनती है तो उसमें सत्ता का तानाशाही सिंहासन भी जल कर राख हो जाता है। हरीश कुमावत का अभिवादन करता हूं कि आपने अनिश्चितकाल धरने की घोषणा की है, मैं आपको भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हरीश का पसीना इस सरकार के ताबूत में अंतिम कील साबित होगा, इस शुरूआत में आगाज का अंजाम भाजपा का कार्यकर्ता लिखेगा, इस सरकार के 40 साल का लेखा-झोखा करेंगे तो और यदि मैं एक एक घटना का उल्लेख करूं तो आपके मन में आक्रोश व सहानुभूति पैदा होगी। एक तो अपराधी होता है, एक अपराध का षडयंत्र करने वाला होता है और एक अपराध को चुपचाप देखने वाला होता है, दोषी सब हैं, लेकिन मैं पूछता हूं कि जिन्होंने जनघोषणा पत्र में राजस्थान की आवाम, जनता को यह कहा था कि हमारी सरकार आयेगी तो हम सुरक्षा देंगे, पूछता हूँ कि कि राजस्थान का गृहमंत्री मौन क्यों है, मौन इसलिए है वो जयपाल सरीखे कितने ही लोगों की हत्या का जिम्मेदार है, जन सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल हैं। जयपाल को तो बदमाशों ने मारा लेकिन श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर में ठाकरी गांव का सोहनलाल कड़ेल जिसने आत्महत्या करते हुए लाइव वीडियो जारी कर कहा कि कांग्रेस सरकार के छलावे के कारण आत्महत्या कर रहा हूं, जिसके जिम्मेदार राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं। इसकी चर्चा हम सड़क से सदन तक करते हैं।

डॉ. पूनियां ने कहा कि नावाँ की इस घटना के बारे में पहला फोन पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी ने मुझे किया, विधायक नारायण बेनीवाल व भाजपा के सभी कार्यकर्ता जनता की आवाज बनकर यहां मौजूद हैं। जनता के हक की लड़ाई दल व विचार नहीं देखती, जनता के हक की लड़ाई एक विचार के लोग जब धरातल पर मजबूती से लड़ते हैं तो सत्ता के पाये हिलते हैं। विधायक रूपाराम, मानसिंह व गजेन्द्र सहित तमाम लोग मजबूती से बैठे हैं, इसको सरकार और प्रशासन को हल्के में लेने की आवश्यकता नहीं, ये तो फिल्म का ट्रेलर है भाई जयपाल को न्याय दिलाने का संकल्प है और अगर 24 घंटे में अपराधी नहीं पकड़े गए तो नावां से तो आगाज हुआ है, राजस्थान की जनता इसको अंजाम में बदलेगी और इस अन्याय का बदला लेगी।

डॉ. पूनियां ने कहा कि झालावाड़ का कृष्णा बाल्मीकि भी न्याय मांगता है, अलवर का हरीश जाटव भी न्याय मांगता है, एक लंबी फेहरिस्त है जिनको भीड़ में मार दिया, जो बदमाशों की गोलियों का शिकार हो गए लेकिन वो मातायें बहनें, अबलाएं जो किसी मंत्री पुत्र के द्वारा रेप गैंगरेप के खिलाफ न्याय मांगती हैं, एक विधायक के पुत्र पर जब गैंगरेप का आरोप लगता है तो सरकार की नीयत देखो उस विधायक के दबाव में मुख्यमंत्री के इशारे पर 300 साल पुराना भगवान शिव मंदिर तोड़ दिया जाता है। ये एक घटना नहीं है, एक लंबी सूची है, इसलिए किसान-नौजवान भाइयों क्रांति का इंकलाब चंद लोग खड़ा करते हैं, मैं 90 से राजनीति में हूं, राजस्थान में इस तरह की अराजक, भ्रष्ट, नकारा, निक्कमी सरकार नहीं देखी।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा जैसलमेर पहुंची

जैसलमेर, (नि.सं.)। रामदेवरा से दोपहर में रक्षा मंत्री राजनाथसिंह द्वारा रवाना की गई परिवर्तन यात्रा लाठी, चांधन, भोजका सहित कई गांवो से होती हुई रात्रि 8बजे जैसलमेर के हनुमान चौराहे स्थित सभास्थल पहुंची। जहां ढोल नगाडे बजा कर जल शक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, राज्य सभा सांसद राजेन्द्र चौधरी का स्वागत जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शारदा, पवनकुमारसिंह, विक्रमसिंह नाचना, आईदानसिंह भाटी, छूगसिंह, पूर्व विधायक सांगसिंह, छोटूसिंह, जितेंद्रसिंह भाटी, नगर अध्यक्ष अरुण शर्मा, कवराजसिंह, ओम सेवक, महेंद्र तंवर, शंभूदान भेलानी, हिम्मत चौधरी, सुशील व्यास, विजय बिसानी द्वारा किया गया।

जल शक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, राज्य सभा सांसद राजेन्द्र चौधरी के करकमलों से पंडित जी ने परिवर्तन रथ का मंत्रोच्चार कर विधि विधान से पूजन करवाया। आमसभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सारदा ने बताया कि अशोक गहलोत जनता को बिजली मुफ्त का झांसा दे रहे हैं जबकि जनता को बिजली ही नही मिल रही उन्होंने कहा कि अब जनता गहलोत सरकार को उखाड फेंकने का मन बना चुकी है। जल शक्ति मंत्री शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार ने त्राहि त्राहि मचा रखी है जिसका जवाब मतदाता देने का मानस बना चूके है अगली सरकार भाजपा की ही होगी। कैलाश चौधरी ने बताया कि रथ यात्रा के पूरे मार्ग पर जनता का जोश देखने लायक रहा हर हर मोदी घर घर मोदी के नारे जनता लगा रही हैं।

भाजपा नेता पवनकुमारसिंह ने अपने भाषण में बताया कि जनता कांग्रेस सरकार से दुखी है जनता अब जादूगर के जादू में फसने वाली नहीं है जैसलमेर की दोनों विधानसभा क्षेत्र में भारी बहुमत से भाजपा प्रत्याशी जीत दर्ज करवा कर राज्य में भाजपा की सरकार बनाएगी। आईदानसिंह ने अपने भाषण में गहलोत सरकार के घोटाले बताते हुए कहा कि जनता ने कांग्रेस सरकार की विदाई की ठान ली है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सांगसिंह, छोटूसिंह, जितेंद्रसिंह भाटी, नगर अध्यक्ष अरुण शर्मा, कवराजसिंह, ओम सेवक ने भी सभा को संबोधित किया।

नर्सिंग भर्ती में धांधली की आशंका

सीएमएचओ कार्यालय के बाहर किया धरना-प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। सीएमएचओ जोधपुर द्वारा जारी यूटीबी नर्सिंग और एएनएम भर्ती की डीवी लिस्ट आते ही विरोध शुरू हो गया है। अभ्यर्थियों ने आज सीएमएचओ कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी की और भर्ती प्रक्रिया नए सिरे से शुरू करने और पूर्णतया ऑनलाइन व पारदर्शी तरीके से कराने की मांग की।

- भर्ती प्रक्रिया नए सिरे से शुरू करने और पूर्णतया ऑनलाइन व पारदर्शी तरीके से कराने की मांग की

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर शहर के अध्यक्ष जगदीश जाट ने बताया कि अभ्यर्थियों ने आज सीएमएचओ कार्यालय के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया।

उनका कहना है कि ना तो चयन करने के नियम सार्वजनिक किए और ना ही भर्ती पारदर्शी है। राज्य सरकार द्वारा सीएचए को बोनस देने का नियम है वह भी नकार दिया गया। काफी अभ्यर्थियों के नाम बार बार है, काफी डेट ऑफ बर्थ गलत है और कई नामों पर अभ्यर्थी संदेह जता रहे है।

इसको लेकर अभ्यर्थियों में रोष है और आज विरोध जताया। अभ्यर्थियों की मांग है कि इस भर्ती प्रक्रिया को खारिज करते हुए नए सिरे से ऑनलाइन पारदर्शिता से भर्ती हो और राज्य सरकार द्वारा जारी हर एक नियम और बोनस के लिए नियम को जोड़ा जाए। लोकल को प्राथमिकता और सीएचए को बोनस देकर भर्ती प्रकिया करवाई जाए और कमेटी में बदलाव हो।

155 दिन से सुजला महासत्याग्रह जारी

सुजानगढ़ में धरने के दौरान लोगों ने नारेबाजी की।

सुजानगढ़, (निसं)। सुजला महासत्याग्रह समिति द्वारा जिले मांग को लेकर गांधी चैक में चल रहा धरना लगातार 155 वें दिन जारी रहा। महासत्याग्रह के संयोजक श्रीराम भामा ने बताया कि आगामी दिनों में बड़ा आयोजन कर सरकार को इसी महीने में जिले घोषणा को लेकर चेतावनी दी जाएगी। मोहम्मद यूसुफ गौरी व इलियास खान ने कहा कि आचार संहिता लगने से पूर्व अब सुजला जिला की घोषणा होनी चाहिए। वरना चुनाव में कांग्रेस को सुजानगढ, लाडनूं, रतनगढ, डूंगरगढ, लक्ष्मणगढ़ विधानसभा में सीधा नुकसान उठाना होगा। धरने में मोहम्मद यूसुफ गोरी, किशोर दास स्वामी, भंवरलाल गिलान, गोविंद जोशी, रामनिवास भाट, गोपाल जोशी, दीनदयाल सेन, मनोज गोयल, विकास सोनी, नरेंद्र मोयल, रमेश सिंघी, ओमप्रकाश स्वामी, मोहित प्रजापत सहित अनेक जनों ने ढोल नगाडे के साथ प्रदर्शन कर सुजला जिले के मांग को लेकर नारेबाजी की।

अरांई में रोडवेज बसों की कमी से यात्री परेशान

निगम के अधिकारियों की कथित उदासीनता से कोई सुनवाई नही हो रही है

अरांई, (निसं)। अजमेर जिले में उपखंड मुख्यालय अरांई में रोडवेज बसों के परिचालन में देरी और बसों की कमी से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के शिष्टमण्डल ने कई बार बसों की कमी से अवगत करवाया है। आरोप है कि निगम के अधिकारियों की कथित उदासीनता से कोई सुनवाई नही हो रही है।

अरांई निवासी सुरेश व्यास ने बताया कि अरांई-मालपुरा मार्ग पर पर्याप्त यात्रीभार है। लेकिन इस मार्ग पर अजयमेरु आगार पर्याप्त संख्या में बसों का संचालन नहीं कर रहा है। व्यास ने बताया की पूर्व में इस मार्ग पर प्रत्येक घण्टे में 2 बसों का संचालन हो रहा था। कोरोना काल के बाद कई बसें बन्द कर दी गई थी, जबकि अजमेर-मालपुरा मार्ग पर बसों पर यात्रियों की संख्या में इजाफा ही हुआ हैं। 2-2 घंटों के अंतराल में चल रही बसों में दो गुना क्षमता से अधिक सवारियों को यात्रा करनी पड़ रही है। यात्री मजबूरन जान जोखिम में डालकर बस की छत पर यात्रा कर रहे हैं। बसें ठसाठस भरकर चल रही है। मगर फिर भी बसों की संख्या नही बढ़ाई जा रही है।

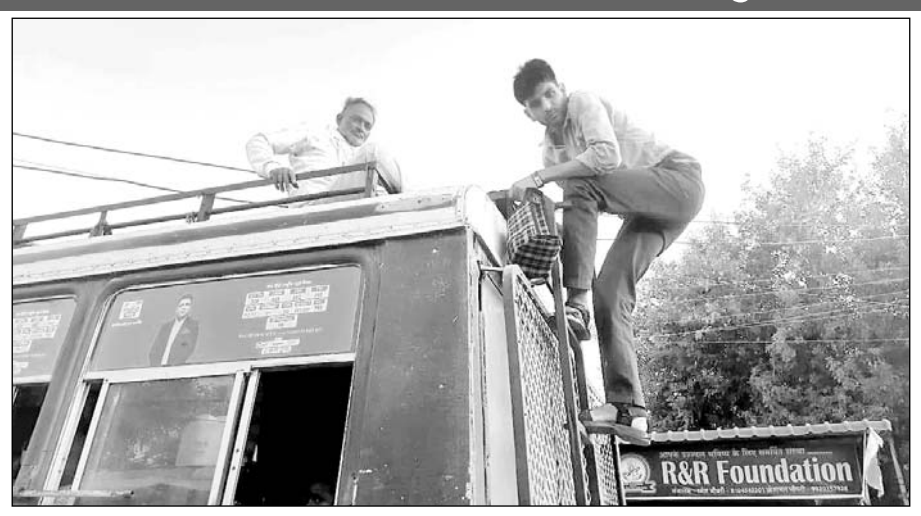

अरांई में रोडवेज बस पर बैठकर यात्रा करते यात्री।

बसों के अभाव में सबसे अधिक परेशानी स्कूली विद्यार्थियों और दैनिक यात्रियों को उठानी पड़ रही हैं। सुरेश व्यास ने बताया कि अरांई से पहली बस सुबह 6.15 बजे जाती थी जो अब 7 बजे रवाना होती है। वहीं अजमेर से वाया किशनगढ़ होते हुए पहली बस सुबह 7.15 पर पहुंच जाती थी। जबकि अब सुबह 9.30 बजे पहुंच रही है। अरांई उपखण्ड़ क्षेत्र से रोजाना सैंकड़ों की संख्या में मजदूर किशनगढ़ मार्बल एरिया में मजदूरी करने के लिए जाते है। लेकिन बसों की कमी से समय पर नहीं पहुचने के चलते निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। वहीं निजी टेक्सियां यात्रियों से मनमर्जी का किराया वसूल रही है। वार्ड पंच शशि आचार्य, वार्ड पंच मजीद खान, अरुण गौड़, मोहसिन हसन, श्याम सुंदर शर्मा सहित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री को ज्ञापन भेजकर अरांई-मालपुरा मार्ग पर बसों की संख्या बढ़ाने की मांग की है।

- निजी टेक्सियां यात्रियों से मनमर्जी का किराया वसूल रही है

भीलवाड़ा आज आंशिक बंद रहेगा

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र व मंत्री उदय निधि स्टालीन के सनातन धर्म को खत्म कर देने के बयान को लेकर मंगलवार को भीलवाड़ा बंद का आव्हान किया गया है। यह जानकारी महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन ने दी। महामंडलेश्वर का कहना है कि तमीलनाडु के मुख्ययमंत्री के पुत्र व राज्य मंत्री उदयनीधी स्टालीन ने अपने एक वक्तव्य में कहा कि सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया और कोरोना की तरह खत्म कर देना चाहिए। इस बयान के विरोध में मंगलवार को संत समाज व सनातन संस्थाओं द्वारा सुबह 9 से 11 बजे तक भीलवाड़ा बंद का आव्हान किया है।

ENGINEERING COLLEGE BHARATPUR
Village- Shyorana, Near Sewar, NH-21, Bharatpur Pin-321303
महाविद्यालय द्वारा जारी Assistant Teachning Associate के Contractual Appointment को विज्ञप्ति में आवेदन करने की अन्तिम तिथि 04.09.2023 से बढ़ाकर 09.09.2023 की जाती है, अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय की Website : www.ecbharatpur.ac.in का अवलोकन करें। प्राचार्य

एम्बुलेंस कर्मियों और सरकार के बीच दो दौर की वार्ता विफल

जयपुर सहित प्रदेश में राजस्थान एंबुलेंस कर्मचारी संघर्ष समिति के आव्हान पर सोमवार को तीसरे दिन भी एम्बुलेंस कर्मियों की हड़ताल जारी रही

प्रदेश में एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रही। इससे मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई मरीजों को एंबुलेंस नहीं मिलने से अन्य साधनों से अस्पताल आना पड़ा।

जयपुर। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश में राजस्थान एंबुलेंस कर्मचारी संघर्ष समिति के आव्हान पर सोमवार को तीसरे दिन भी एम्बुलेंस कर्मियों की हड़ताल जारी रही। हालांकि इस बीच आज एम्बुलेंस कर्मी और सरकार के बीच जयपुर में हुई दौर की वार्ता विफल रही। वहीं दूसरी ओर इस हड़ताल से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राजस्थान एंबुलेंस कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि संविदा नियमों में एम्बुलेंस कर्मियों को शामिल किए जाने की मांग को लेकर एम्बुलेंस कर्मियों का पिछले तीन दिन से आंदोलन जारी है। इसके चलते पूरे प्रदेश में 108 व 104 एंबुलेंस सेवा पूरी तरह ठप है। इससे मरीजों का भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एम्बुलेंस सेवा नहीं मिलने से मरीज ऑटो, ई-रिक्शा या दूसरे वाहनों से हॉस्पिटल इलाज के लिए पहुंच रहे है। 108 सेवा की जयपुर

■ हड़ताल से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समेत प्रदेशभर में 750 एम्बुलेंस संचालित है। शेखावत ने बताया कि एम्बुलेंस कर्मियों का सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त निदेशक प्रियंका गोस्वामी से स्वास्थ्य भवन में सुबह मुलाकात की। इस दौरान सुबह साढ़े दस बजे व शाम सवा तीन बजे दो दौर की वार्ता हुई। जिसमे अतिरिक्त मिशन निदेशक गोस्वामी ने पदाधिकारियों को बताया की भविष्य के लिए एंबुलेंस कर्मचारियों के लिए प्रपोजल बनाकर सरकार को भेज देंगे, लेकिन इस बात पर एंबुलेंस कर्मचारी सहमत नही हुए। इस दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री लेवल पर वार्ता करने की मांग की है।

शेखावत ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज जयपुर के सामने पूरे प्रदेश से करीब आए हुए 4000 कर्मचारियों द्वारा धरना व प्रदर्शन किया गया। प्रदेश में 108 की 741 एंबुलेंस और 104 की 586 एंबुलेंस सेवा पूरी तरह से ठप रही है और प्रदेश के अधिकतर एंबुलेंस कर्मचारी जयपुर पंहुच गए है। उन्होंने बताया कि एंबुलेंस कर्मचारियों की मांगों का समाधान नही होने तक हड़ताल जारी रहेगी।

'शिकायतकर्ता खुद ही दलाल, मुझे जमानत दी जाए'

■ हाईकोर्ट ने हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की जमानत अर्जी पर एसीबी से एक सप्ताह में केस डायरी पेश करने को कहा है

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिश्वत लेकर पट्टे जारी करने से जुड़े मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की जमानत अर्जी पर एसीबी से एक सप्ताह में केस डायरी पेश करने को कहा है। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकलपीठ ने यह आदेश सुशील गुर्जर की जमानत याचिका पर दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि मामले में शिकायतकर्ता का खुद के भूखंड का कोई पट्टा नहीं है। वह तो रुपए लेकर दूसरे लोगों को पट्टा दिलाने का काम करता है। शिकायतकर्ता खुद ही भ्रष्टाचार फैला रहा है। इसके अलावा टेलीफोनिक ट्रांसक्रिप्ट में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है और जिन लोगों के भूखंडों के पट्टों की फाइलें थी, उनमें से किसी ने कोई शिकायत नहीं दर्ज नहीं कराई है। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने न तो किसी से रिश्वत की मांग की है और ना ही उससे किसी तरह की रिश्वत राशि बरामद हुई है। यह पूरा प्रकरण राजनीति द्वेषता से प्रेरित है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका राज्य सरकार की ओर से विरोध किया गया। वहीं अदालत ने अभियोजन पक्ष को कहा है कि वह एक सप्ताह में प्रकरण की केस डायरी पेश करे। गौरतलब है कि एसीबी ने गत दिनों मेयर मुनेश गुर्जर के घर रेड डाली थी। एसीबी का आरोप है कि सुशील गुर्जर ने दो लाख रुपए प्रति पट्टा रिश्वत लेकर पट्टे जारी कराने की रिश्वत ली है। एसीबी ने सुशील गुर्जर के साथ ही प्रकरण में शामिल दो दलालों को भी गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर इसी दिन राज्य सरकार ने मुनेश गुर्जर को मेयर पद से निलंबित कर दिया था, हालांकि हाईकोर्ट ने बाद में इस आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने भी निलंबन आदेश वापस ले लिया था।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की ओएमआर सीट में कांटछांट

■ टाटा कन्सलटेंसी सर्विसेज के रीजन मैनेजर समेत पांच लोग गिरफ्तार

जयपुर । कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2018 की ओएमआर शीट में छेड़छाड़ करने वाले वाले पांच आरोपियों को एसओजी ने गिरफ्तार किया है। मामले को लेकर कोर्ट ने एसओजी को जांच के आदेश दिए थे, जिसके चलते वर्ष-2021 में एसओजी ने एफआईआर दर्ज की थी।

एडीजी एटीएस-एसओजी अशोक राठौड़ ने बताया कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 की ओएमआर शीट में कांट-छांट मामले में दर्ज एफआईआर की जांच के बाद लिप्त पाए जाने पर आरोपी टाटा कन्सलटेंसी सर्विसेज में रीजन मैनेजर एडमिनिस्ट्रेशन सौरभ कुमार सिंह (35) निवासी प्रताप नगर, वरणेशपुरी (46) निवासी विकासपुरी नई दिल्ली, पंकज सैनी (33) निवासी आदर्श नगर थाना नया गांव जिला माहोली पंजाब, सूफियान (27) निवासी बाजर पेठ जिला ठाणे महाराष्ट्र सहित राजकुमार को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2018 में वीरेन्द्र सिंह ने हाईकोर्ट में पिटीशन लगाई थी की कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 में ओएमआर शीट में कांटछांट की गई। कोर्ट ने 10 फरवरी 2021 को अन्तरिम आदेश पर अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नती बोर्ड को जिला बारां व बून्दी की लिखित परीक्षा में उपस्थित अभ्यर्थियों के ओएमआर की दोबारा से जांच कराने और अनियमितता पाई जाने पर दोबारा परिणाम जारी करने के निर्देश दिए। मामले की पड़ताल में बांरा के 6 अभ्यर्थियों और बून्दी के अभ्यर्थियों के ओएमआर में काट-छांट मिली।

अशोक नगर थाना प्रभारी और सर्किल एसीपी पर गाज गिरी

सी-स्कीम में चल रहे थे देर रात तक हुक्का-बार

जयपुर । राजधानी में रात 12 बजे बाद क्लब होटल बार पर पाबंदी है लेकिन अशोक नगर में राजधानी के पॉश इलाके सी-स्कीम देर रात तक चल रहे थे। पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ के आदेशों की अवहेलना करने पर दो पुलिस अधिकारियों पर गाज गिरी है।

सी-स्कीम क्षेत्र में देर रात तक हुक्का-बार और पब-रेस्टोरेंट के संचालन में लगे गंभीर आरोपों में अशोक नगर थानाधिकारी राजवीर सिंह और सर्किल के एसीपी राजेंद्र रावत पर कार्रवाई की गई है। इस इलाके में रात 12 बजे के बाद सर्कल में लगातार क्लब होटल बार और कैफे चल रहे थे। पुलिस कमिश्नर को बार-बार इस संबंध में शिकायतें मिल रही थी। पुलिस मुख्यालय ने मामले को गंभीर मानते हुए एसएचओ को निलम्बित कर एसीपी को एपीओ कर दिया है। जानकारी के अनुसार डीजीपी उमेश मिश्रा ने सोमवार को एक आदेश जारी कर अशोक नगर एसीपी राजेन्द्र कुमार रावत को प्रशासकीय आधार पर पदस्थापन की प्रतीक्षा में किया है। इस दौरान उनका मुख्यालय भी पीएचक्यू में होगा।

इसी प्रकरण में गंभीर आरोपों का सामना करने वाले अशोक नगर थानाधिकारी राजवीर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर निलम्बित कर दिया है। जानकारी के अनुसार उनका निलम्बन आदेश डीजीपी के आदेश पर परम ज्योति महानिदेशक पुलिस सतर्कता ने जारी किया है। राजवीर सिंह के सस्पेंड होने उन्हें लाइन में हाजिरी देनी होगी। राजवीर सिंह पर ब्रह्मपुरी थानाप्रभारी रहते हुए भी जमीनों पर कब्जा करने के आरोप लगे थे। राजवीर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच भी की जा रही है।

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को 20 साल की सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त नारायण मीणा को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 43 वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी संदीप कुमार शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त पीड़िता के पिता की उम्र का है। उसका यह कृत्य गंभीर और घृणित प्रकृति का है। ऐसे में उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 26 दिसंबर, 2019 को करीब 17 वर्षीय पीड़िता के पिता ने मनोहरपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी 25 दिसंबर को बीएड की एक्स्ट्रा क्लास में पढ़ने के लिए घर से निकली थी, लेकिन अब तक वापस लौटकर नहीं आई है। उसने करीब एक माह पहले नारायण मीणा को अपनी मोटर साइकिल बेची थी। जिसका रुपए भी नारायण पर बकाया चल रहा है। नारायण से संपर्क करने पर उसने आज सुबह पीड़िता के घर आने की बात कही, लेकिन पीड़िता वापस नहीं आई। ऐसे में उसे शक है कि नारायण मीणा उसे अपने साथ ले गया है। पीड़िता घर जाते समय अपने सभी दस्तावेज, कपड़े और बैंक की पासबुक भी साथ ले गई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ दिनों बाद अजमेर के किशनगढ़ से बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन वह अपनी दोस्त के घर जा रही थी।

मुख्यमंत्री से मिलने से पहले ही किरोड़ी मीणा गिरफ्तार

जयपुर। डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गंगापुर दौरे के दौरान मिलने के लिए कहा लेकिन पुलिस ने डॉ मीणा को और उनके समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया।

इस दौरान डॉ मीणा ने कहा कि मुखिया आपकी इस तानाशाही का जवाब आने वाले समय में प्रदेश कि जनता अवश्य देगी ओर आपको एवं आपकी पार्टी को हमेशा के लिए सता से बाहर करेगी। डॉ मीणा की प्रमुख मांगों में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ दौरे के दौरान किए गए अभद्र व्यवहार करने वाले व पुलिस प्रशासन द्वारा की गई लापरवाही करने वालों के ख़िलाफ कार्यवाही करने के लिए। मुखिया के दौरे से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन द्वारा नज़रबंद/अभद्र व्यवहार क्यों किया गया, उनके ख़िलाफ कार्यवाही के लिए। पांचना बांध का पानी किन कारणों से रोक रखा है उसे छोड़ा जाए। परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रशासन द्वारा रोकने वालों के ख़िलाफ कार्यवाही के लिए।

कांग्रेस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय व अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाएं : चन्द्रशेखर

■ कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जिसका किसान आज भी कर रहा इंतजार : हरिराम रणवां

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं प्रदेश स्तरीय बैठक में मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, सोशल मीडिया प्रदेश टीम एवं सोशल मीडिया जिला प्रभारी उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने मोर्चे के प्रत्येक पदाधिकारियों से आव्हान किया कि वह अपने-अपने ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ, किसान विरोधी इस कांग्रेस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय एवं अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाएं। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जमाफी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी। साथ ही बिजली कटौती करके किसानों के साथ में धोखा किया। ऐसी निकम्मी सरकार को आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान सबक सिखाएगा।

मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं किसान मोर्चा राजस्थान के प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा किसान मोर्चा को प्रत्येक बूथ स्तर पर केन्द्र सरकार की किसान जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने की आवश्यकता है, जिससे की हर एक किसान को इन योजनाओं के माध्यम से लाभ मिल सके।

सीकर जिले में नीट अभ्यर्थी ने की आत्महत्या

जयपुर । सीकर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रहे 16 वर्षीय छात्र कौशल मीना ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। वह करौली के रायसन का रहने वाला था और सीकर के एक निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ता था। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। मृतक के परिवार को सूचना दे दी गई है। उद्योग नगर पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जानकारी के मुताबिक छात्र सीकर के पिपराली रोड स्थित एक निजी इंस्टीट्यूट में नीट की तैयारी कर रहा था। वह 23 अप्रेल से ब्वॉयज हॉस्टल में रह रहा था। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे वह कोचिंग से आया और खाना खाकर अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद उसका दोस्त कमरे में गया तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। दोस्त के आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद उन्होंने हॉस्टल संचालक को सूचना दी, जिसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा गया और कौशल को पंखे से लटका पाया गया। हॉस्टल मालिक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। करौली में रहने वाले परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा। छात्र रक्षाबंधन की छुट्टियों में घर गया था और 31 अगस्त की शाम को हॉस्टल लौटा था।

मजबूत सड़क को उखाड़कर जे.डी.ए. के इंजीनियर्स ने बना दी नई डामर रोड

भांकरोटा के ग्राम निमेडा में जेडीए जोन-12 के इंजीनियर्स का कारनामा

जयपुर (कासं)। जेडीए के इंजीनियर ही अपने विभाग को नुकसान पहुंचाने में जुटे हुए हैं। इन इंजीनियरों का एक कारनामा भांकरोटा के नीमेडा ग्राम में नजर आया, जब सही और मजबूत सड़क को उखाड़कर नई डामर बिछा दी। डामर की परत भी इतनी पतली कि एक बरसात भी सहन नहीं कर पाएगी।

ग्रामवासियों ने बताया कि नीमेडा ग्राम में जेडीए ने कुछ समय पहले ही 30 फीट चौड़ी एक किमी की सड़क का डामरीकरण किया था। यह सड़क मजबूत बनी हुई थी। इस पर डामर की दो लेयर की हुई थी। इसके बावजूद जेडीए के सहायक अभियंता ने इस सड़क पर पानी भरने के बहाने मजबूत सड़क को जगह-जगह से उखाड़ दिया। इसके पीछे यह तर्क दिया गया कि यहां पानी भरता है तो सीमेंट सड़क बनाई जाएगी। इसके बाद बची हुई सड़क पर भी एक किमी में डामर की एक लेयर चढा दी गई। इसके पीछे तर्क दिया गया कि सड़क में कई जगह खड्डे है ऐसे में सड़क दुबारा ही बना दी जाए। स्थानीय निवासियों ने जेडीए की इस कार्रवाई का विरोध भी किया लेकिन कनिष्ठ व सहायक अभियंता अपनी जिद पर अड़े रहे। अब सड़क की हालत यह हो गई है कि सीमेंट की सड़क बनाने से पहले डामर की सही सड़क पर दुबारा डामर करके ठेकेदार को फायदा देने की कोशिश की जा रही है।

इस संबंध में जेडीए के जोन-12 के एक्सईएन का कहना है कि यहां कई जगहों पर पानी भरता था, जिससे बार-बार पेचवर्क करना पड़ता था, अब सीमेंट सड़क बनाएंगे बीच-बीच में, इसलिए पुरानी सड़क को

उखाड़ा गया था।

इसी तरह जोन-12 में मूर्तिकला कॉलोनी में सड़क बनाने का काम चल रहा है। यहां पर अभी पूरी तरह से जीएसबी और डब्लूबीएम भी नहीं हुई है। इससे सड़क के वापस टूटने की आंशका बनी हुई है। इसके बाद डामर किया जाएगा। अभी डामर लगाई भी नहीं है कि ठेकेदार ने इस सड़क का भुगतान उठाने की तैयारी कर ली है।

ईडी ने जल जीवन मिशन में हुए घोटाले की जांच तेज की

जल जीवन मिशन योजना में करोड़ों के भ्रष्टाचार का मामला

■ ईडी की टीमें जयपुर सहित अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों से भारी मात्रा में नकदी-सोना सहित अन्य दस्तावेज बरामद कर चुकी है।

जयपुर। प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना में हुए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने जांच तेज कर दी है। तीन दिन में गुजरात सहित अन्य राज्यों से जयपुर सहित अन्य शहरों में पहुंची करीब एक दर्जन टीमें अब तक इस घोटाले के अहम साक्ष्य और संदिग्धों के ठिकानों से भारी मात्रा में नकदी-सोना सहित अन्य दस्तावेज बरामद कर चुकी है। सोमवार को ईडी ने आधिकारिक तौर पर जानकारी देते हुए कार्रवाई की जानकारी साझा की।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन योजना में फर्जी टेंडर प्रक्रिया से लेकर पुरानी पाइप लाइन नई बताकर कागजों में डालकर करोड़ों का भ्रष्टाचार होने के इनपुट ईडी के पास थे। दिल्ली और गुजरात अन्य राज्यों की टीमों ने स्थानीय टीम के साथ मिलकर शुक्रवार को जयपुर सहित अन्य जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया था। टीमों ने अलवर, नीमराना, बहरोड़ और शाहपुरा में इस मामले में लिप्त अधिकारी, कर्मचारी, ठेकेदार और दलालों के यहां दबिश दी। इस दौरान धन शोधन निवारण अधिनियम-2002 (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया। गौरतलब है कि एसीबी की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर ही ईडी ने इस बड़े घोटाले की जांच को हाथ में लिया। टीमों ने एक साथ सर्च शुरू की तो पदमचंद जैन (मालिक-मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी), महेश मित्तल (प्रोपराइटर मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी) सहित अन्य को जांच के दायरे में रखा।

जानकारी के अनुसार ईडी की जांच में जल जीवन मिशन योजना घोटाले में अवैध सुरक्षा प्राप्त करने, निविदाएं प्राप्त करने के लिए लोक सेवकों को रिश्वत देना, बिलों को मंजूरी दिलाना और उनके द्वारा निष्पादित कार्य के संबंध में अनियमितताओं को छिपाने के साथ ही लोक स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी से प्राप्त विभिन्न निविदाओं के संबंध में विभाग (पीएचईडी), संदिग्ध चोरी के सामान की खरीद में भी शामिल रहे हरियाणा से अपने टेंडरों व अनुबंधों में इसका उपयोग करने तथा पीएचईडी अनुबंध प्राप्त करने के लिए इरकॉन से कार्य समापन पत्र सहित अन्य साक्ष्य बरामद किए हैं।

गौरतलब है कि ईडी ने करीब 17 ठिकानों पर दबिश देकर सर्च ऑपरेशन चलाया था। जिसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपए और एक किलो सोने की ईंट बरामद की थी। जानकारी के अनुसार अमिताभ कौशिक और जेडीए के तहसीलदार सुरेश शर्मा 1 करोड़ 50 लाख रुपए सहित करीब ढाई करोड़ रुपए, प्रोपर्टी डीलर और आईएएस व नेताओं के लाईजनर जमीनी कारोबारी कल्याण कविया के यहां से सम्पत्ति में भारी निवेश के दस्तावेज बरामद किए। टीम ने डिजिटल साक्ष्य सहित अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज डिस्क, मोबाइल और बड़े पैमाने पर किए गए लेन-देन का काला चिट्ठा बरामद किया था।

नोटिस देने पर बी.एल.ओ. ने विरोध जताया, रैली निकाली

बीएलओ कार्य के बहिष्कार पर कारण बताओ नोटिस दिये जाने का विरोध जताया

जालोर, (कासं)। जालोर उपखण्ड पर राजस्थान बीएलओ संघर्ष समिति एवं विभिन्न संगठनों ने सोमवार को रैली निकालकर बीएलओ कार्य के बहिष्कार पर कारण बताओ नोटिस दिये जाने का विरोध जताकर ज्ञापन दिया। वहीं शिक्षकों एवं शारीरिक शिक्षकों को बीएलओ कार्य से मुक्त करवाने की मांग की है।

बीएलओ संघर्ष समिति के प्रदेश महामंत्री भाखराराम ने बताया कि नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम की धारा 27 के अन्तर्गत शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्य न करवाये जाने का प्रावधान है किन्तु जिले में अधिकांश शिक्षकों को बीएलओ सहित अनेक प्रकार के गैर-शैक्षणिक कार्यों में झोंका जा रहा है जिस बाबत जिले के शिक्षक लम्बे समय से संघर्षरत है। ज्ञापन में लिखा है कि शिक्षकों द्वारा उक्त बीएलओ कार्य बहिष्कार पूर्णत: संवैधानिक हैं। साथ ही निदेशक के आदेश दिनांक 17 जनवरी 2018 से अवगत करवाया। जिसमें निर्वाचन बिन्दु से तात्पर्य पंच वर्षीय चुनाव से है ना की वर्ष भर चलने वाले मतदाता सूचियों के अद्यतन से है।

शिक्षकों ने हमेशा चुनाव जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य को बड़ी ही निष्ठा से संपन्न करवाया है। लेकिन वर्षभर चलने वाले मतदाता सूची संबंधी कार्य के लिए केवल शिक्षकों को ही बीएलओ कार्य में लगाने के कारण

- **शिक्षकों एवं शारीरिक शिक्षकों को बीएलओ कार्य से मुक्त करवाने की मांग की है**

शिक्षा कार्य बाधित होने के विरोध में समस्त शिक्षक समाज संघर्षरत है। वर्तमान में शिक्षा जैसा महत्त्वपूर्ण कार्य जिस पर राष्ट्र पर विकास की दशा व दिशा निर्भर है। बीएलओ कार्य से प्रत्यक्ष रुप से प्रभावित हो रहा है।

शिक्षक को बीएलओ कार्य के नाम पर वर्ष भर अधिकांश कार्य दिवसों में कक्षा-कक्ष से दूर किया जा रहा है। शिक्षकों का मूल कार्य शिक्षा है एवं बालकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं संवैधानिक कर्तव्य है। लेकिन प्रशासन की दोगले व्यवहार से शिक्षण कार्य पूर्णत: प्रभावित हो रहा है और शिक्षक पर जबरन गैर-शैक्षणिक कार्य थोपे जा रहे है। जिसके विरोध में जिले के सम्पूर्ण शिक्षकों से 5 सितम्बर, शिक्षक दिवस के अवसर पर काली पट्टी बांध कर कार्य करने का आव्हान संघर्षरत साथियों एवं विभिन्न संगठनों द्वारा किया गया।

इस मौके पर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिलाध्यक्ष शैतान सिंह, राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवदत्त आर्य, जिला संरक्षक दलपत सिंह आर्य, राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर)के जिलाध्यक्ष हीरालाल रेड्डी, राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशिल) के मालाराम, प्रकाश नारायण, पुनमाराम विश्नोई, जिला फिजिकल एज्युकेशन एसोशियेसन के जिला अध्यक्ष भोपाल सिंह, प्रबोधक संघ जालोर के ब्लॉक अध्यक्ष भंवरु खां पठान, राजस्थान बीएलओ संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष भानाराम पालीवाल एवं सदस्य कपिल मुदगल, रमेश दान राव, खुशवन्त नाग, कन्हैया लाल भाण्ड, जसपाल सिंह, सुरेन्द्र गर्ग, सुरेश नागर बरकत खां, अर्जुन सिंह देलदरी धनु खां मेहर, खुशाल सिंह राठौड, फिरोज अली, दीपक त्रिवेदी उपस्थित थे।

एस.पी. कार्यालय के सामने धरने पर बैठी रेप पीड़िता

पीड़िता ने आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की

हनुमानगढ़, (निसं)। महिला पुलिस थाना में रेप का मामला दर्ज होने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज पीड़िता ने सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने धरना शुरू कर दिया। इस मामले में रेप पीड़िता ने 2 दिन पहले पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोपी की गिरफ्तार नहीं होने पर सोमवार से धरना देने की चेतावनी दी थी।

क्षेत्र की पीड़िता ने बताया कि उसने महिला पुलिस थाना में रामगोपाल शर्मा के खिलाफ रेप के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई, लेकिन जांच अधिकारी की ओर से इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण आरोपी का हौसला दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। आरोपी की ओर से उसे धमकाया जा रहा है। इस मामले में भी उसने महिला पुलिस थाना में सूचना दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता ने जांच अधिकारी के आरोपी के दबाव में होने का आरोप लगाते हुए एसपी से गुहार लगाई कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर न्याय दिलवाने के लिए जांच अधिकारी को निर्देशित किया जाए। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने तक उसका धरना जारी रहेगा। इस दौरान महिला पुलिस थाने से महिला कर्मी भी महिला को समझाने आए थे, लेकिन पीड़िता ने आरोपी पर कार्रवाई नहीं होने तक धरना से नहीं उठने की बात कही।

नाबालिग से रेप की कोशिश

श्रीगंगानगर, (निसं)। घर में घुसकर नाबालिग से रेप की कोशिश की गई। परिवार के शोर मचाने पर आरोपी भाग गया। नाबालिग के पिता ने पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करवाया है। मामला श्रीगंगानगर के एक क्षेत्र का है।

पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि आरोपी सतनाम सिंह पुत्र राजविंद्र सिंह उसके गांव का ही रहने वाला है। वह देर रात उसके घर की दीवार फांदकर घर में घुस आया। इस दौरान आरोपी ने उसकी बेटी से रेप की कोशिश की। शोर मचाने पर आरोपी भाग गया। मामले की जांच एसआई राकेश सांखला को दी गई है। सांखला ने बताया कि नाबालिग का बयान लेकर जांच की जाएगी।

पुलिस ने दबिश देकर 180 आरोपियों को गिरफ्तार किया

चार लाख दस हजार रुपये बरामद किये, हत्या, लूट, बलात्कार आदि प्रकरणों में वांछित है आरोपी

पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सीकर, (निसं)। आगामी विधानसभा चुनाव को मध्यनजर रखते हुये पुलिस ने 618 स्थानों पर दबिश देकर 180 आरोपियों को गिरफ्तार कर अभियान के तहत चार लाख दस हजार रुपये की नगद राशि सहित एक वाहन जब्त किया।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा व अतिरिक्त महानिदेशक एम.एन दिनेश तथा महानिरीक्षक पुलिस सत्येंद्र सिंह की गाइड लाइन के अनुसार सोमवार को सुबह विभिन्न स्थानों पर छापे की कार्रवाही की गई जो की पूरी तरह से गोपनीय रही। इस अभियान में 95 पुलिस टीमों में एक हजार से अधिक पुलिस कर्मी शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक सीकर ने बताया कि कार्रवाई के फलस्वरुप आपराधिक गतिविधियों में लिप्त कुल 180 लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाही अमल में लाई गयी। 132 लोगों के विरुद्ध 110 सीआरपीसी के तहत इस्गासा तैयार कर न्यायालय में पेश किया गया।

26 आरोपियों को धारा 151 के तहत गिरफ्तार किया गया। इसी के साथ जघ्नय अपराधों में लिप्त पांच जनों को तथा सामान्य प्रवृति के अपराधों में दो अपराधियों एवं 6 स्थाई वारंटियों व एक भगोड़े को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा धारा 38 पुलिस एक्ट के तहत चार वाहन जब्त किये गये। इसी के साथ चार लाख दस हजार रुपये बरामद किये गये। इस कार्रवाई में पुलिस ने अभियान के दौरान विजेंद्र ओला पुत्र जयसिंह ओला, संजू पुत्र पूर्णचंद, विजय सिंह उर्फ टोनी, राजवीर सिंह पुत्र शुभराम, अजीत कुमार पुत्र धन्नीराम, नरेश प्रजापत पुत्र किशनलाल, अशोक कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार, व सज्जन कौर उर्फ सजना पत्नी स्व. सतवीर जाट को गिरफ्तार किया गया।

डॉ. शिखा मील बराला के सानिध्य में ''चौमूं परिवर्तन यात्रा'' निकाली

यात्रा दो दिन में विधानसभा क्षेत्र की 35 से ज्यादा पंचायतों में पहुंची

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र में पीसीसी सचिव डॉ. शिखा मील बराला के सानिध्य में युवाओं ने चौमूं परिवर्तन यात्रा निकाली। चौमूं स्थित प्राचीन गढ़ गणेश जी मंदिर से निकली परिवर्तन यात्रा ने दो दिन में विधानसभा क्षेत्र की 35 से ज्यादा पंचायतों में यात्रा की।

चौमूं परिवर्तन यात्रा का लोगों ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया। साथ ही परिवर्तन यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने डॉ शिखा मील बराला का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा बंधवा कर भव्य स्वागत सत्कार किया। डॉ. शिखा मील बराला अपनी कार्यशैली और बेबाक अंदाज से विधानसभा क्षेत्र में चर्चा में आई है। डॉ. शिखा मील ने एक बार फिर कई दिग्गज नेताओं की नींद उडाने का काम किया है। दो दिवसीय परिवर्तन यात्रा में डॉ. शिखा मील बराला को मिले अपार जनसमर्थन व यात्रा में उमड़ी हजारों युवाओं की टीम एक सुर में परिवर्तन की मांग को मजबूती प्रदान करती नजर आ रही थी। परिवर्तन यात्रा के शुभारंभ से पहले चौमूं शहर के गढ़ परिसर में डॉ. शिखा मील ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि चौमूं राजधानी के समीपवर्ती विधानसभा क्षेत्र होने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। आज हमारी भूमिका आज के आधुनिक युग के साथ होनी चाहिए लेकिन फिर भी हम आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए लड़ रहे हैं।

चौमूं में पीसीसी सचिव डॉ. शिखा मील बराला के सानिध्य में युवाओं ने रैली निकाली।

डॉ. शिखा मील बराला ने यात्रा में उमड़े जन सैलाब का आभार प्रकट करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि वह हमेशा क्षेत्रवासियों के साथ कदम से कदम मिलाकर जन सेवा के लिए तत्पर रहेगी। परिवर्तन यात्रा में प्रयास फाउंडेशन की अध्यक्ष और प्रदेश कांग्रेस पीसीसी सचिव डॉ. शिखा मील बराला ने चौमूं गढ़ गणेश जी का आशीर्वाद लेकर चौमूं परिवर्तन यात्रा का आगाज किया, जिसमें हजारों लोगों द्वारा बाइक रैली निकालकर परिवर्तन की मांग की। यात्रा चौमूं गढ़गणेश मंदिर से शुरू होकर नगर परिषद, रावण गेट, टांकरडा, जयसिंहपुरा, कालाडेरा, गौरी का बास, डोला का बास, मंडा भिंडा, नौपुरा, हस्तेडा, किशनपुरा, रंजीतपुरा, नांगल गोविंद, गुड़लिया, मलिकपुर होते हुए गोविन्दगढ़ पहुंची। वहीं रात्रि विश्राम के बाद रविवार को गोविंदगढ़ से रैली शुरू हो नांगल कला, ईटावा, अनन्तपुरा चिमनपुरा ,उदयपुरिया, हाड़ोता, सामोद, महारकला, जाटावाली, बांसा कुशलपुरा, चीथवाड़ी, मोरिजा, अनंतपुरा होते हुए जैतपुरा में संपन्न हुई। डॉ. शिखा मील ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि हमारी यह परिवर्तन यात्रा विकास प्रगति की ओर यात्रा है। चौमूं का हर युवा जागरुक है और हमारे साथ जुड़ा हुआ है। परिवर्तन यात्रा का समापन भगत सिंह सर्किल पर सभी यात्रियों का सम्मान करते हुए किया गया।

- **'राजधानी के समीपवर्ती विधानसभा क्षेत्र होने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है'**

मोबाईल लूट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। झाडोल थाना पुलिस ने हाईवे पर मोबाईल लूट करने वाले दो आरोपी को गिरफतार करते हुए लूटे हुए दो मोबाईल बरामद किए है।

झाडोल थाना अधिकारी रतन सिंह चौहान ने बताया कि प्रार्थीया ममता कुमारी पिता मन्ना लाल बुम्बडिया उम्र व 18 वर्ष निवासी नावा पुलिस थाना पानरवा ने उपस्थित थाना हो एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि 28 अगस्त को मै व मेरे अंकल का लडका मनीष गरासिया पिता गोरख नाथ गरासिया निवासी नालवा, एसटीसी की परिक्षा देकर अपने घर जा रहे थे तभी हम लीलावास बाई पास हाइवे पर पहुचे थे एवं शौच हेतु रुकने के पश्चात पुन: अपने घर निकल रहे थे, तभी वहां पर 2 मोटरसाइकिलों पर सवार होकर 5 लोग आये जिन्होने मेरे व मेरा भाई मनीष के पास से मोबाईल फोन एवं एक हजार रुपये भी लेकर भाग गये।

भुवन भूषण यादव जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर द्वारा सम्पति सम्बधित अपराधों की रोकथाम हेतु एवं हाईवे पर लूट पाट करने वाले बदमाशों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही हेतु निर्देश प्रदान किये गये है। इस क्रम मे परबत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाडा एवं बलवीरसिंह मीणा वृताधिकारी वृत झाडोल के निर्देशन में रतन सिंह चौहान थानाधिकारी पुलिस थाना झाडोल की टीम द्वारा मुखबीर की सूचना एवं तकनिकी अनुसंधान के आधार पर हाईवे पर मोबाईल छिन कर लूट करने वाले दो आरोपी अर्जुन पिता ककुआ राम पारगी निवासी आवरदा तथा दिलीप पुत्र भेरू लाल खैर, गणेशपुरा ,झाडोल को गिरफतार करने मे सफलता प्राप्त की।

सूने घर पर चोरों ने धावा बोला

सुजानगढ़ में वारदात के बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया।

सुजानगढ़, (निसं)। शहर के लुहारागाडा क्षेत्र में एक सूने घर पर दिनदहाडे चोरों ने धावा बोल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मांगीलाल चोरडिया के घर में कमरों के ताले काटकर लॉकर में रखे हजारों रुपये नगद सहित अन्य सामान पार कर ले गए। मकान मालिक मुम्बई में रहते हैं। मकान मालिक के रिश्तेदार जयप्रकाश बैद ने बताया कि चोर सौ रूपये की तीन नई गड्डी सहित व लॉकर में रखे अन्य रुपये भी ले गए व अलमारियों व संदूकों में रखा सामान बिखेर दिया। सूचना पर कोतवाली थाने के हैड कांस्टेबल दिलीप सिंह ने पहुंचकर मौका मुआयना किया।

'लाल डायरी है चुनावी षड्यंत्र'

पुष्कर, (निसं)। आरटीडीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने लाल डायरी को चुनावी षड्यंत्र बताया। धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि जैसे ही चुनाव आते हैं इस तरह का षड्यंत्र रचे जाते हैं।

चुनावी साल में अच्छे भले बुरे मुद्दे सब आते है। मुख्यमंत्री के कार्य से बौखलाकर ये आरोप लगाए जा रहे हैं। हमने गाय और मंदिर के लिए कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता की भलाई की है कंपटीशन विकास के मुद्दे पर करना चाहिए ना की इस तरह के मुद्दों से करना चाहिये। आरटीडीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ पुष्कर ब्रह्मा मंदिर दर्शन के बाद सरोवर की पूजा अर्चना की। पुष्कर आए राठौड़ से पत्रकारों ने लाल डायरी का राज पूछा। धर्मेंद्र राठौड़ सवा महीने तक बीमार रहने के बाद सोमवार को देव दर्शन यात्रा पर निकले। इसके बाद वह पुष्कर आए थे।

396 स्टूडेंट्स को डिग्री मिलेगी

जोधपुर, (कासं)। डॉ एसएन मेडिकल कॉलेज में पांच सितंबर को प्रात: 11 बजे मेडिकल कॉलेज सभागार में डिग्री वितरण कार्यक्रम होगा। 396 स्टूडेंट्स को डिग्री वितरित की जाएगी। पहली बार पैथालॉजी के एक और शिशु रोग विभाग के एक टॉपर को गोल्ड मेडल दिया जायेगा। मुख्य अतिथि आरयूएचएस के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी और प्रो. वाइस चांसलर डॉ अमरजीत मेहता गेस्ट ऑफ ऑनर होंगे। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. दिलीप कच्छावा व अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ अरूण वैश्य, डॉ रंजना देसाई, डॉ. योगीराज जोशी, डॉ. राजकुमार राठौड़ मौजूद रहेंगे।

प्रवक्ता डॉ. जयराम रावतानी ने बताया कि 2016 बैच के 253 एमबीबीएस स्टूडेंट्स, 137 एमडी-एमएस किए हुए 20108 बैच के स्टूडेंट्स को डिग्री वितरित की जाएगी। इसके अलावा 6 सुपर स्पेशलिटी में डीएम-एमसीएच कर रहे स्टूडेंट्स को भी डिग्री दी जाएगी।

स्टूडेंट्स को पूर्व मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अरविंद माथुर अपनी पत्नी डॉ. आशा माथुर की स्मृति में गोल्ड मेडल देंगे। उन्होंने बताया कि डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के डिग्री वितरण कार्यक्रम में कॉलेज से सेवानिवृत और कार्य किए हुए 75 वर्ष व अधिक उम्र के टीचर्स का सम्मान किया जायेगा। ऐसे 16 टीचर्स जोधपुर के रहवासी है। इसमें 12 टीचर्स ने कार्यक्रम में आने की स्वीकृति दी है।

चरागाह की भूमि को खुर्द-बुर्द करने की शिकायत

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। राजस्व रेकार्ड, नक्शा ट्रेस व जमाबंदी में हेरफेर कर चरागाह की भूमि को खुर्द-बुर्द कर खातेदारों पटवारी, गिरदावर व तहसीदार द्वारा फर्जीवाड़ा करने की शिकायत आज पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर व उदयलाल भडाना के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एडीएम से की।

पूर्व मंत्री गुर्जर ने चेतावनी दी कि अगर 12 सितंबर तक इस शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट पर धरना देंगे और हर हाल में ग्रामीणों को न्याय दिलाकर रहेंगे। चानसेन, चौहानों का बाड़िया, हांकल का बाड़िया, काला पायरा व धोली मंगरी के ग्रामीणों मांगूराम गुर्जर, गणेश गुर्जर, ईश्वर गुर्जर, नारायण गुर्जर, प्रभु गुर्जर, नारायण गुर्जर, पोखर गुर्जर, सुखा व सुखा गुर्जर, मेवा गुर्जर, प्रभुलाल गुर्जर, नंदा गुर्जर व दूदा गुर्जर ने एडीएम को दी लिखित शिकायत में बताया कि इन गांवों के ग्रामीणों के पशुधन को चराने के लिए चानसेन में चरागाह भूमि आरक्षित होकर राजस्व रेकार्ड में दर्ज है। इन चरागाह भूमि के मध्य अन्य आराजी है।

इन आराजी को उनके खातेदारों ने रामदयाल जाट को 12 जनवरी 2022 को विक्रय कर दी। इसी दिन रजिस्ट्री भी की गई। यह आराजियात खरीदार रामदयाल जाट के नाम खाते में दर्ज कर दी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त सभी आराजियात को नक्से में हेराफेरी कर जिस जगह यह आराजियात पहले दर्ज थी, वहां से हटाकर चरागाह की आराजी संख्या 1052 में तरमीम कर दर्ज कर दी गई।

इस प्रकार से चरागाह की भूमि को विक्रेता, क्रेता, तत्कालीन पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार व अन्य अधिकारी व कर्मचारियों ने आपस में सांठगांठ कर चरागाह भूमि को खुर्दबुर्द कर हड़प करना चाह रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि यहां पर माइनिंग करने पर ये लोग उतारू है।

तत्कालीन पटवारी ज्ञानचंद, गिरदावर, तहसीलदार या अन्य किसी कर्मचारी व खरीदार, विक्रेता ने मिलकर चरागाह भूमि को नक्शे में गलत रूप से दर्शाकर नक्शे में हेराफेरी कर चरागाह की भूमि आराजी संख्या 1052 में तरमीम कर नक्शे में दर्शा दी गई, जो किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के बिना कर सारी कार्रवाई फर्जीवाड़ा कर हेराफेरी की गई। ग्रामीणों ने शिकायत में दोषियों पर कार्रवाई कर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। साथ ही किसी प्रकार का के खनन कार्य के लिए लीज आदि जारी नहीं करने की मांग की गई।

हादसे में दो अध्यापक घायल

हनुमानगढ़, (निसं)। नोहर थाना क्षेत्र में ट्रोले की टक्कर लगने से कार सवार दो सरकारी अध्यापक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। फिलहाल दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में रविवार देर शाम नोहर पुलिस थाना में ट्रॉला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस के अनुसार अनिल कुमार (33) पुत्र सुभाषचन्द्र धाणक निवासी उत्तरादा बास तहसील भादरा ने मुकदमा दर्ज करवाया कि उसके पिता सुभाष चन्द्र मौर्य सरकारी अध्यापक हैं। वह विद्यालय के बाद कार से उत्तरादा बास घर के लिए रवाना हुए। उनके साथ एक अन्य अध्यापक भी थे। जब वे पलू से नोहर के बीच स्थित सोनड़ी गांव के पास पहुंचे तो सामने से ट्रोला चालक वाहन को लापरवाही से गलत साइड में चलाता हुआ आ रहा था। ट्रॉला चालक ने सामने कार को आते देखा तो उसने तेज गति से चल रहे ट्रॉले को अचानक अपनी साइड घूमाते हुए कार के पास से निकालने की कोशिश की।

हेमलता राजे व अचलानन्द गिरी महाराज का स्वागत

जोधपुर, (कासं)। रामदेवरा के लिए हेमलता राजे के नेतृत्व व अचलानन्द गिरी महाराज के सानिध्य में चल रही पदयात्रा सोमवार को प्रात: सूर्योदय से पूर्व घेवडा से आरती के बाद रवाना हुई व मीनो की ढाणी-चैराई होकर गांव से आगे पड़ाव स्थल विश्राम के लिए पहुंची।

घेवड़ा में विश्राम स्थल पर हेमलता राजे व सैनाचार्य अचलानन्द गिरी महाराज ने आरती की व सैकडो महिला व पुरुष पद यात्रियों के साथ उत्साह व आस्था के साथ प्रात: सूर्योदय से पूर्व ही पदयात्रा प्रारम्भ की। घेवडा में राजपुरोहित समाज के द्वारा शॉल ओढाकर व मालाऐं पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर सरपंच केवल राम मेघवाल, चंदन सिंह राजपुरोहित, बिहारी लाल राजपुरोहित, बाबू सिंह राजपुरोहित, गोपाल सिंह राजपुरोहित, हीरालाल सेनजोग सिंह राजपुरोहित सहित अनेक लोगों ने स्वागत किया। चैराई गांव में सरपंच कमलादेवी, अचला राम पालीवाल के नेतृत्व में सैकडों ग्रामीणों ने हेमलता राजे व अचलानन्द गिरी का स्वागत किया।

कई गांव के ग्रामीणों ने हेमलता राजे व अचलानन्द गिरी का स्वागत किया।

मैं भारत के खिलाफ श्रृंखला के कुछ हिस्से में खेलना चाहता हूं। लेकिन मुझ पर इसे लेकर कोई दबाव नहीं है। आस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप से पहले तीन मैच की वनडे श्रृंखला के लिए भारत आयेगी जिसकी शुरुआत 22 सितंबर को मोहाली मुकाबले से होगी। -ग्लेन मैक्सवेल

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, टखने की चोट के बावजूद भारत के विरुद्ध खेलने को लेकर।

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

स्विट्ज़रलैंड पर्यटन ने अपने 'मित्रता दूत' ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया है। पिछले महीने बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में 88.17 मीटर के प्रयास के साथ 25 साल के चोपड़ा ओलंपिक और विश्व खिताब दोनों अपने नाम करने वाले सिर्फ तीसरे भाला फेंक खिलाड़ी बने। स्विट्ज़रलैंड पर्यटन में वैश्विक सझेदारी प्रमुख पास्कल प्रिंज ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "भारत के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ जश्न मनाकर हम सम्मानित और खुश हैं। नीरज ने एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित किया है।

क्या आप जानते हैं ?... ब्राजील (1950) में खेले गये विश्वकप फुटबॉल के विजेता का लीग आधार पर खेले गए मैचों से हुआ, उरुग्वे विजेता रहा।

बुमराह के घर गूंजी 'अंगद' की किलकारी

मुंबई, 4 सितंबर। भारत के अग्रणी तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और उनकी पत्नी संजना गणेशन ने अपने परिवार में बेटे 'अंगद' का स्वागत किया है। बुमराह ने सोमवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा,हमारा छोटा परिवार बड़ा हो गया है। हमारे दिल इतने भर आये हैं जितना कभी सोचा भी नहीं था। आज सुबह हमने अपने नन्हे से बेटे अंगद जसप्रीत बुमराह का इस दुनिया में स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि बुमराह भारत के साथ एशिया कप खेलने श्रीलंका गये थे लेकिन बेटे के जन्म के लिये वह रविवार को स्वदेश लौट आये। इस कारण वह भारत और नेपाल के बीच सोमवार को होने वाले मुकाबले में हिस्सा भी नहीं ले सके। बुमराह ने कहा, हम चांद के ऊपर हैं। हमारे जीवन का यह नया अध्याय जो कुछ अपने साथ लाया है, उसका इंतज़ार नहीं कर सकते। बुमराह अब सुपर-चार चरण में हिस्सा लेने के लिये श्रीलंका लौटेंगे, जहां भारत का पहला मुकाबला 10 सितंबर को पाकिस्तान से होगा।

एशियाई खेलों से पहले 17 दिवसीय शिविर में हिस्सा लेंगे भारतीय मुक्केबाज

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। चीन के हांग्झोउ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये भारतीय मुक्केबाजी दल 17 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रशिक्षण शिविर के लिये चीन के वुइशान शहर के लिये रवाना हुआ है। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने सोमवार को बताया कि इस दल में 13 मुक्केबाज और 11 सहयोगी स्टाफ सदस्य शामिल हैं। आरईसी लिमिटेड द्वारा समर्थित प्रशिक्षण शिविर तीन सितंबर से 20 सितंबर तक निर्धारित है। इसके बाद भारतीय मुक्केबाज एशियाई खेलों में भाग लेने के लिये हांग्झोउ रवाना होंगे। एशियाई खेलों के लिये भारतीय पुरुष टीम में दीपक (51 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र (92 किग्रा) का नाम है। वहीं महिला टीम में निकहत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), परवीन (57 किग्रा), जैस्मीन (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (66 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) शामिल है।

दीक्षा आयरिश ओपन में सातवें स्थान पर रही

डबलिन, चार सितंबर। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने अच्छी शुरूआत के बाद लय खो दी और आखिरी दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में सातवें स्थान पर रही। वह इस साल छठी बार शीर्ष दस में रही है। इसके साथ ही वह लेडीज यूरोपीय टूर के आर्डर आफ मेरिट में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने अदिति अशोक की जगह ली जो एलईटी और अमेरिका में लेडीज पीजीए दोनों खेल रही हैं। सत्र के आखिर में शीर्ष चार में रहने वालों को लेडीज पीजीए टूर कार्ड मिलेगा। स्मिला टार्निंग सोंडरबाय दस अंडर 62 का स्कोर करके शीर्ष पर रही। भारत की त्वेसा मलिक संयुक्त 36वें, वाणी कपूर संयुक्त 54वें और रिधिमा दिलावारी 69वें स्थान पर रही। अमनदीप द्राल कट में प्रवेश से चूक गई थी।

अमेरिकी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बोपन्ना-एब्डेन

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर। भारत के रोहन बोपन्ना यहां अमेरिकी ओपन 2023 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हालांकि मिश्रित युगल प्रतियोगिता से उन्हें हार के साथ बाहर होना पड़ा। पुरुष युगल के प्री-क्वार्टरफाइनल में, छठी वरीयता प्राप्त रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने जूलियन कैश और हेनरी पैटन की ब्रिटिश जोड़ी को दो घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में 6-4, 6(5)-7, 7-6(10-6) से हराने के लिये कड़ी मेहनत की। अगले दौर में बोपन्ना-एबडेन का सामना शीर्ष वरीय वेस्ले कूलहोफ-नील स्कूपस्की और नाथनियल लैमन्स-जैक्सन विथ्रो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। हार्ड कोर्ट पर खेला जाने वाला अमेरिकी ओपन साल का चौथा और अंतिम टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है। इस सीज़न की शुरुआत में बोपन्ना और एबडेन ने दोहा और इंडियन वेल्स में हार्ड कोर्ट पर खिताब जीते थे। यह जोड़ी जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी। इस बीच, मिश्रित युगल प्रतियोगिता में रोहन बोपन्ना और इंडोनेशिया की अल्डिला सुत्जियादी अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और बेन शेल्टन से एक घंटे से भी कम समय में 6-2, 7-5 से हार गये। बोपन्ना इस आयोजन में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थे। गौरतलब है कि 43 वर्षीय बोपन्ना अमेरिकी ओपन 2023 में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि हैं। इससे पहले, साकेत माइनेनी और युकी भांबरी पुरुष युगल के दूसरे दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अंकिता रैना और सुमित नागल सहित कोई भी भारतीय एकल खिलाड़ी क्वालीफायर से आगे नहीं बढ़ पाया।

मेस्सी ने दो गोल करने में मदद की, इंटर मियामी 3-1 से जीता

लास एंजिलिस, 4 सितंबर। इंटर मियामी को जुलाई के मध्य में सुपरस्टार लियोनल मेस्सी के जुड़ने के बाद से हार का सामना नहीं करना पड़ा है और रविवार रात उसने सत्र का सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हुए गत लास एंजिलिस फुटबॉल क्लब को 3-1 से पराजित किया। मेस्सी ने इस मैच के दौरान दो गोल करने में मदद की। इंटर मियामी के लिए फाकुंडो फारियास, जोर्डी अल्बा और लियोनार्डो कैम्पाना ने गोल किये। इंटर मियामी को पिछले 11 मैचों (सभी प्रतियोगिताओं) में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। लास एंजिलिस के लिए रेयान होलिंगशेड ने एकमात्र गोल दागा।

नेपाल को रौंदकर सुपर-4 में पहुंचा भारत

सुपर-4 में पाकिस्तान से 10 सितम्बर को दोबारा टक्कर

पाल्लेकेले, 4 सितंबर। कप्तान रोहित शर्मा (74 नाबाद) और शुभमन गिल (67 नाबाद) के आक्रामक अद्धर्शतकों की बदौलत भारत ने एशिया कप 2023 के वर्षाबाधित ग्रुप-ए मुकाबले में सोमवार को नेपाल को 10 विकेट से रौंदकर सुपर-चार चरण में प्रवेश कर लिया।

नेपाल ने भारत के सामने 50 ओवर में 231 रन का लक्ष्य रखा, जिसे बारिश के कारण घटाकर 23 ओवर में 145 रन कर दिया गया। बारिश हालांकि भारत की उम्मीदों पर पानी नहीं फेर सकी और रोहित-गिल की जोड़ी ने 20.1 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ भारतीय टीम सुपर-चार में पहुंच गयी, जहां उसका मुकाबला 10 सितंबर को एक बार फिर चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट जीतकर एशिया कप में पहुंचे नेपाल ने भारत के खिलाफ ऑलआउट होने से पहले सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 48.2 ओवर खेले। सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख (58) के अद्धर्शतक और आठवें नंबर के बल्लेबाज सोमपाल कामी (48) की महत्वपूर्ण पारी ने नेपाल को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया था, लेकिन रोहित-गिल की जोड़ी ने विपक्षी टीम के गेंदबाजों को कभी भी हावी होने का मौका नहीं दिया।

रोहित ने जहां पहला ओवर मेडेन खेला, वहीं गिल ने दूसरे ओवर में तीन चौके जड़कर अपने इरादे साफ कर दिये। रोहित ने भी तीसरे ओवर की शुरुआत चौका लगाकर की लेकिन बारिश ने फौरन ही मैदान पर दस्तक दे दी। करीब दो घंटे तक मैच रुका रहने के कारण भारत को नेपाल से अंक बांटने पड़ सकते थे लेकिन निर्धारित समय समाप्त होने से कुछ देर पहले ही अंपायरों ने मुकाबला पुनः शुरू करने का फैसला लिया।

रोहित ने मैदान पर लौटने के बाद आक्रामकता दिखाने में कोई कमी नहीं की। उन्होंने सातवें ओवर में संदीप लमिछाने को एक चौका और एक छक्का लगाया, जबकि अगले ओवर में दो रन लेकर भारत का पचासा पूरा किया। कप्तान रोहित ने मुख्यतः स्पिनरों को निशाना बनाते हुए 40 गेंद में अपना अद्धर्शतक पूरा किया। दूसरे छोर पर खड़े गिल 47 गेंद में अपने अद्धर्शतक तक पहुंचे। नेपाल के पास इन दोनों की आक्रामकता का कोई जवाब नहीं था और गिल ने 21वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर भारत की जीत पर मुहर लगायी। रोहित 59 गेंद पर छह चौकों और पांच छक्कों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि गिल 62 गेंद पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन बनाकर अविजित रहे।

इससे पूर्व, भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया लेकिन 25 गेंद के अंदर तीन कैच छोड़ना उसके लिये भारी पड़ा। कुशल भुर्तेल (दो) और आसिफ को जीवनदान मिलने के बाद दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 65 रन की साझेदारी कर डाली। एक समय पर नेपाल की रनगति छह से ऊपर की थी लेकिन शार्दुल ठाकुर ने आतिशी बल्लेबाजी कर रहे भुर्तेल (25 गेंद, 38 रन) को आउट कर पारी पर लगाम कसी। रवींद्र जडेजा ने भीम शर्की, रोहित पौडेल और कुशाल मल्ला को छोटे स्कोरों पर आउट कर भारत को राहत पहुंचाई, जबकि आसिफ 97 गेंद पर आठ चौकों की सहायता से 58 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सिराज ने अपने अगले ओवर में गुलशन झा (35 गेंद, 23 रन) को भी आउट किया।

भारत ने एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पक्का किया

प्योंगचांग (दक्षिण कोरिया), 4 सितंबर। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने एशियाई चैंपियनशइप के क्वार्टरफाइनल में सोमवार को सिंगापुर को 3-0 से मात देकर अपने लिये कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। शरत कमल, सत्यन ज्ञानशेखरन और हरमीत देसाई ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। अनुभवी शरत और इजाक क्यूक के बीच शुरुआती एकल मैच में कड़ी टक्कर हुई, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने अंततः 11-1, 10-12, 11-8, 11-13, 14-12 से जीत हासिल की। सत्यन ने यू एन कोएन पांग पर 11-6, 11-8, 12-10 की आसान जीत के साथ भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई।

भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले 61वें खिलाड़ी हरमीत देसाई ने झे यू क्लेरेंस च्यू को 11-9, 11-4, 11-6 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत का सामना बुधवार को चीनी ताइपे से होगा। इस बीच, महिलाओं के क्वार्टरफाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम को जापान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी मीमा इतो ने शुरुआती एकल में अयहिका मुखर्जी को 11-7, 15-13, 11-8 से हराया। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा ने सातवीं रैंकिंग वाली हिना हयाता के खिलाफ एक गेम जीता लेकिन वह भी 7-11, 9-11, 11-9, 3-11 से हार गयीं। पहले गेम में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सुतीर्था मुखर्जी को मियू हिरानो के खिलाफ 7-11, 11-4, 11-6, 11-5 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय महिला टीम अब मंगलवार को 5-8 स्थान के लिये क्लासिफिकेशन मैच खेलेगी। एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन तीन से 10 सितंबर के बीच हो रहा है। इसके बाद खिलाड़ी हांग्झोउ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों का रुख करेंगे।

अफगानिस्तान और सुपर-4 के बीच श्रीलंका बना दीवार

लाहौर, 4 सितंबर। अफगानिस्तान को अगर एशिया कप 2023 के सुपर-चार में पहुंचना है तो उसे अपने दूसरे और आखिरी ग्रुप-बी मुकाबले में मंगलवार को श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। श्रीलंका अपने पहले मुकाबले में बंगलादेश को पांच विकेट से हराने के बाद ग्रुप-बी की तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बंगलादेश ने भी अफगानिस्तान पर 89 रन की जीत के साथ दो अंक अर्जित कर लिये हैं। टूर्नामेंट के इस प्रारूप में एक जीत या हार किसी भी टीम का भविष्य तय करने के लिये काफी होती है इसलिये अफगान टीम कल श्रीलंका के विरुद्ध अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सुपर-चार में पहुंचने का भरपूर प्रयास करेगी।

अफगानिस्तान के लिये ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि श्रीलंका भी मज़बूत टीम है और फॉर्म में है। अपने अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ों की अनुपस्थिति के बावजूद श्रीलंका ने पाल्लेकेले स्टेडियम में बंगलादेश को मात्र 164 रन पर ऑलआउट कर दिया था। अफगानिस्तान अगर श्रीलंका के विरुद्ध बड़ा स्कोर बनाना चाहती है तो उसे युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना और ऑफ-स्पिनर महीश तीक्षणा की घातक गेंदबाजी का तोड़ निकालना होगा। हाल ही में जून में इन दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था। उस समय भले ही अफगानिस्तान ने शुरुआती एकदिवसीय मैच जीता था, लेकिन श्रीलंका ने मजबूत वापसी करते हुए अगले दो मुकाबलों में अपने विरोधियों को हराकर शृंखला 2-1 से जीत ली थी। तीसरे वनडे में खासकर श्रीलंका ने अपने गेंदबाजों के दम पर नौ विकेट से जीत दर्ज की थी और अफगान टीम मंगलवार को मैदान पर उतरते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखेगी।

एशिया कप के सह-मेज़बान श्रीलंका में भले ही भारी बारिश हो रही है, लेकिन लाहौर का मौसम बिल्कुल शुष्क है और मैच के दिन भी इसी की उम्मीद है। गद्दाफी स्टेडियम पर तेज़ गेंदबाज़ों को मदद मिलने की उम्मीद है लेकिन अगर अफगानिस्तान अपनी थोड़ी भी उम्मीदें बरकरार रखना चाहता है तो गुलबदीन नाइब और फजलहक फारूकी को अपनी गेंदबाजी में अनुशासन लाना होगा।

अफगानिस्तान संभावित एकादश : रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाइब, करीम जन्नत, राशिद खान, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान।

श्रीलंका संभावित एकादश : पथुम निसांका, डिमुथ करुणारत्ने, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चरित असलंका, धनंजय डी सिल्वा, दसुन शनाका (कप्तान), डुनिथ वेलालगे, महीश तीक्षणा, कसुन रजिता, मथीशा पथिराना।

एशिया कप : कोलंबो की मेजबानी पर फिर सकता है पानी

कोलंबो, 4 सितंबर। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) भारी बारिश के कारण एशिया कप 2023 के सुपर-चार मुकाबलों को कोलंबो से बाहर स्थानांतरित करने पर विचार कर रहा है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से रविवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारी श्रीलंका में ऐसे वैकल्पिक स्थानों पर विचार कर रहे हैं जहां कोलंबो की तुलना में अपेक्षाकृत शुष्क मौसम का अनुमान है।

श्रीलंका में फिलहाल बरसात का मौसम नहीं है, लेकिन कोलंबो में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश होने से शहर के उत्तरी इलाकों के कुछ हिस्सों में बाढ़ आ गयी है। कोलंबो में सितंबर अक्सर बारिश वाला महीना नहीं होता है क्योंकि उत्तर-पूर्वी मानसून आम तौर पर अक्टूबर में शुरू होता है। सुपर-चार चरण के पांच मैचों और फाइनल की मेज़बानी के लिये चुने गये खेतारामा स्टेडियम ने 2015 के बाद से सितंबर के महीने में पांच पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय और चार पुरुष एकदिवसीय मैचों का आयोजन किया है। वे सभी मैच पूरे हुए और सिर्फ दो में बारिश ने बाधा डाली।

रिपोर्ट में बताया गया कि अगर मैच कोलंबो से बाहर स्थानांतरित होते हैं तो वैकल्पिक स्थल चुनना भी आयोजकों के लिये सिरदर्द का कारण होगा। एक विकल्प के रूप में दांबुला पर विचार किया गया, लेकिन एसएलसी अधिकारियों के अनुसार स्टेडियम की फ्लडलाइट पर काम चल रहा है। दांबुला श्रीलंका के "शुष्क क्षेत्र" में स्थित है और इस कारण साल के इस समय में कैंडी और कोलंबो दोनों की तुलना में वहां काफी कम वर्षा होती है।

श्रीलंका के सूखे और गीले क्षेत्रों की सीमा पर स्थित हंबनटोटा आयोजन के लिये एक और विकल्प हो सकता है लेकिन वह स्टेडियम अनिवार्य रूप से जंगल के किनारे पर स्थित है और आस-पास कोई आवास विकल्प नहीं है। अगर मैच वहां ले जाये गये तो आवागमन एसएलसी के लिये बड़ी परेशानी होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप का प्रसारक डिज़्नी प्लस हॉटस्टार शेष मैचों को दो अलग-अलग स्थानों पर विभाजित करने के पक्ष में नहीं है क्योंकि इसमें या तो सड़क मार्ग से उपकरणों को ले जाना होगा, या श्रीलंका में दो अलग-अलग स्थानों पर प्रसारण बुनियादी ढांचा कायम करना होगा।

उल्लेखनीय है कि एशिया कप की मेज़बानी मूल रूप से पाकिस्तान को मिली थी, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 'सुरक्षा कारणों' का हवाला देते हुए पड़ोसी देश जाने से मना कर दिया, जिसके बाद टूर्नामेंट के अधिकतर मैच श्रीलंका में स्थानांतरित किये गये थे।

चांगवन के 'उल्लंघन' के बाद, एनआरआई ने जूनियर निशानेबाजों के चयन में देरी की

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। जूनियर विश्व कप के दौरान चांगवन में भारतीय निशानेबाजी टीम की 'अनुशासनात्मक उल्लंघन' के कारण आगामी एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम के चयन में देरी हो रही है।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ जूनियर खिलाडियों के चयन से पहले अपनी अनुशासनात्मक समिति से मंजूरी का इंतजार कर रहा है। महासंघ के सचिव राजीव भाटिया ने बताया, "एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश सिंहदेव की अध्यक्षता वाली समिति अगले कुछ दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी और उसके बाद ही टीम की घोषणा की जाएगी।"

एनआरएआई आमतौर पर प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए सीनियर टीम के साथ जूनियर दल की भी घोषणा करता है। उसने हालांकि शनिवार को केवल सीनियर टीम की घोषणा की, जिसके बाद जूनियर वर्ग के कई निशानेबाज चिंतित हो गए।

भारतीय जूनियर निशानेबाजों ने जुलाई में चांगवन में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप से 17 पदक (छह स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य) हासिल किये थे। टीम ने हालांकि इस दौरान अपने होटल में कई बार 'आचार संहिता का उल्लंघन' किया। एक सूत्र बताया कि होटल ने 'उल्लंघनों' का वीडियो फुटेज भी भेजा था और एनआरएआई को भी लिखा था कि वे एशियाई चैंपियनशिप के दौरान भारतीय दल के लिए बुकिंग नहीं करेंगे।

भाटिया ने कहा, "कलिकेश सिंहदेव की अध्यक्षता वाली अनुशासनात्मक समिति इस मामले को देख रही है और एक बार रिपोर्ट आने के बाद ही दल की घोषणा की जाएगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत प्रतियोगिता के लिए अपने जूनियर निशानेबाजों को भेजेगा, लेकिन दल की घोषणा में देरी होगी।" इस प्रतियोगिता का आयोजन 22 अक्टूबर से दो नवंबर तक होगा।

भारतीय पुरूष टेबल टेनिस टीम का एशियाई चैम्पियनशिप में पदक पक्का

प्योंगयांग (दक्षिण कोरिया), 4 सितंबर। भारतीय पुरूष टेबल टेनिस टीम ने एशियाई चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 3.0 से हराकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। अनुभवी शरत कमल और इजाक क्वेक के बीच पहला एकल रोमांचक रहा जिसमें शरत ने 11.1, 10.12, 11. 8, 11.13, 14.12 से जीत दर्ज की। जी साथियान ने इसके बाद यू एन कियोन पांग को 11.6, 11.8, 12.10 से हराकर भारत को 2.0 की बढत दिलाई। भारत के सर्वोच्च 61वीं रैंकिंग वाले खिलाड़ी हरमीत देसाई ने झे यू क्लारेंस च्यू को 11.9, 11.4, 11.6 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारत का सामना अब ईरान या चीनी ताइपै से होगा। पुरूष टीम ने दो साल पहले दोहा में कांस्य पदक जीता था। लंबे समय बाद शरत और साथियान ने एकल रैंकिंग में शीर्ष सौ में जगह बनाई है। उनका लक्ष्य इसमें और सुधार करने का होगा। महिला क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत को जापान ने 3.0 से हराया। दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी मिमा इतो ने अहिका मुखर्जी को पहले एकल में 11.7, 15.13, 11.8 से हराया। वहीं दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा को हिना हयाता के हाथों 7.11, 9.11, 11.9, 3.11 से पराजय झेलनी पड़ी। सुतीर्थी मुखर्जी को 14वीं रैंकिंग वाली मियू हिरानो न 7.11, 11.4, 11.6, 11.5 से मात दी। अब भारतीय टीम पांचवें से आठवें स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला खेलेगी।

एशियाई खेलों से पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें चीन ओपन पर

चांग्झू (चीन), 4 सितंबर। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के बाद एचएस प्रणय मंगलवार से यहां से शुरू हो रहे चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन के साथ भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। इस महीने शुरू होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता से जरिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने एशियाई खेलों पर ध्यान लगाने के लिए अंतिम लम्हों में टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया जिससे महिला एकल में कोई भारतीय खिलाड़ी नहीं दिखेगी।

पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली सिंधू को पहले दौर में कोरिया की किम गा युन से भिड़ना था। केरल के प्रणय ने पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया और इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने के दौरान दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन को भी हराया।

विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी विश्व रैंकिंग हासिल करने वाले प्रणय अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के एनजी जी योंग के खिलाफ करेंगे। प्रणय को प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न से भिड़ना पड़ सकता है। यह भारतीय खिलाड़ी अब तक हुए दो मुकाबलों में इस तीसरे वरीय खिलाड़ी को नहीं हरा पाया है।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर प्रणय को दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ खेलना पड़ सकता है जबकि इस मुकाबले को जीतने पर वह एक बार फिर शीर्ष वरीय एक्सेलसन से भिड़ सकते हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन की कड़ी चुनौती का सामना करना है। उन्हें प्री क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर में सातवें वरीय लोह कीन यूव और क्वार्टर फाइनल में एक्सेलसन के खिलाफ खेलना पड़ सकता है।

पुरुष एकल में ही प्रियांशु राजावत पहले दौर में इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रुस्ताविता के खिलाफ उतरेंगे। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल से बाहर होने की निराशा को दूर करने के इरादे से उतरेंगे।

यह दूसरी वरीय भारतीय जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहीबुल फिकरी और बगास मौलाना की जोड़ी के खिलाफ करेगी। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला केइचिरो मात्सुई और योशिनोरी तोकेयुची के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को पहले ही दौर में चेन किंग चेन और जिया यी फेन की चीन की शीर्ष वरीय जोड़ी के खिलाफ उतरना है। विश्व चैंपियनशिप में त्रीशा और गायत्री को चीन की इसी जोड़ी ने हराया था।

अमलान को एशियाई खेलों की भारतीय टीम में शामिल किया जायेगा : एएफआई प्रमुख

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने सोमवार को कहा कि खेल मंत्रालय द्वारा जारी प्रतिभागियों की प्रारंभिक सूची से बाहर होने के बाद भारत के शीर्ष धावक अमलान बोरगोहेन को एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा।

खेल मंत्रालय द्वारा कुछ दिन पहले जारी एशियाई खेलों के लिए 65 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम से बोरगोहेन का नाम शामिल नहीं था। सुमरिवाला ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि असम का एथलीट हांगझोउ खेलों के लिए एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग समय को हासिल नहीं कर सका था।

बोरगोहेन ने इस साल जून में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप में 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होने इसके लिए 20.71 सेकेंड का समय लिया था। एएफआई ने एशियाई खेलों के क्वालीफिकेशन समय 20.61 सेकेंड तय किया था। सुमरिवाला ने 'कहा, "हां, वह (बोरगोहेन) टीम में हैं। उनका नाम नयी सूची में होगा।" पच्चीस साल के बोरगोहेन के नाम पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में 20.52 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। वह 10.25 सेकंड के समय के साथ 100 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। खेल मंत्रालय द्वारा जारी सूची में एशियाई खेलों के लिए भारतीय दल में 634 खिलाड़ी शामिल है। जिसमें सबसे

गंभीर ने दर्शकों को उंगली दिखाने पर कहा, यह प्रतिक्रिया भारत विरोधी नारों पर थी

पालेकल (श्रीलंका) 4 सितंबर। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने यहां एशिया कप के दौरान दर्शकों को उंगली दिखाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर सोमवार को कहा कि यह दर्शकों के एक वर्ग के 'भारत विरोधी नारे' का जवाब था। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में गंभीर दर्शकों के वर्ग को अपनी बीच की उंगली दिखा रहे है। माना जा रहा है कि यह वीडियो एशिया कप के दौरान भारत बनाम पाकिस्तान मैच का है।

गंभीर ने सोमवार को यहां मीडियाकर्मियों से कहा, जब आप मैच देखने आए तो राजनीतिक नारेबाजी न करें। आप अगर भारत विरोधी नारे या कश्मीर के बारे में कुछ कहेंगे तो आप मुझसे चुप रहने की उम्मीद नहीं कर सकते। सोशल मीडिया आपको कभी पूरी तस्वीर नहीं दिखाता है।" गंभीर ने कहा, " सोशल मीडिया पर जो दिखाया जाता है वह सही नहीं होता। लोग सोशल मीडिया पर वही दिखाते हैं जो वह चाहते है। वहां पर भारत विरोधी नारे लग रहे थे।

बीसीसीआई अधिकारी पाकिस्तान में : शुक्ला ने कहा राजनीति से न जोड़ें, पीसीबी को संबंध सुधरने की उम्मीद

अमृतसर/लाहौर, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दो वरिष्ठ पदाधिकारी (अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला) 17 साल में पहली बार सोमवार को पाकिस्तान के दौरे पर गये। एशिया कप देखने के लिए पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के निमंत्रण का सम्मान करते हुए भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी बिन्नी और कांग्रेस नेता शुक्ला सोमवार को अटारी-वाघा पार करने के बाद लाहौर पहुंचे। अनुभवी राजनीतिज्ञ शुक्ला ने जहां लोगों से क्रिकेट को राजनीति से नहीं जोड़ने का आग्रह किया वहीं बीसीसीआई अधिकारियों के आगमन से खुश पीसीबी के अध्यक्ष जका अशरफ ने उम्मीद जताई कि भारतीय बोर्ड द्वारा निमंत्रण स्वीकार किए जाने के बाद दोनों क्रिकेट बोर्ड के संबंधों में सुधार होगा। वह पीसीबी प्रबंध समिति के प्रमुख अशरफ थे जिन्होंने वाघा बॉर्डर पर बीसीसीआई अधिकारियों का स्वागत किया और फिर उन्हें लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम ले गए। बीसीसीआई के दोनों अधिकारी मंगलवार और बुधवार को एशिया कप सुपर चार के मैचों को देखेंगे। भारतीय टीम ने पिछली बार 2008 में एशिया कप के लिए पाकिस्तान की यात्रा की थी। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2006 में द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए भारत की मेजबानी की थी। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था, जिसके कारण इसका आयोजन 'हाइब्रिड मॉडल' में दो देशों (पाकिस्तान और श्रीलंका) में हो रहा है। बीसीसीआई ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गवर्नर द्वारा आयोजित रात्रिभोज में बिन्नी और शुक्ला की भागीदारी को मंजूरी दे दी। शुक्ला ने यहां मीडियाकर्मियों से कहा, " पाकिस्तान एशिया कप का मेजबान है। इस प्रतिनिधिमंडल का दौरा पूरी तरह से क्रिकेट से जुड़ा है और इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं है। यह दो दिवसीय यात्रा है और पंजाब (पाकिस्तान) के गवर्नर रात्रिभोज के लिए हमारी मेजबानी कर रहे हैं। इस मौके पर वहां बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान तीनों टीमें मौजूद रहेंगी। हमें क्रिकेट को राजनीति के साथ नहीं जोड़ना चाहिए।" पिछले दो दशक से बीसीसीआई से जुड़े शुक्ला 2004 में ऐतिहासिक 'फ्रेंडशिप सीरीज' के लिए बीसीसीआई प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। द्विपक्षीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं को फिर से शुरू करने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर इस राज्यसभा सांसद ने कहा, "द्विपक्षीय श्रृंखला के संबंध में निर्णय भारत सरकार द्वारा लिया जाता है और सरकार जो भी सुझाव देगी हम उसका पालन करेंगे।" पीसीबी प्रमुख अशरफ ने तुरंत ही संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें बिन्नी और शुक्ला भी उनके साथ बैठे थे। अशरफ ने कहा," मैं हमारा आमंत्रण स्वीकार करने के लिए बिन्नी और शुक्ला का तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं। हमने उन्हें आमंत्रित किया और उन्होंने उसे स्वीकार किया। अगर वे हमें अपने देश में आमंत्रित करेंगे तो हम भी उसे गर्मजोशी के साथ स्वीकार करेंगे। इंशाल्लाह हम एक साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे।" बिन्नी ने इस दौरान अपनी पिछली पाकिस्तान यात्रा को याद किया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद के सदस्य के तौर पर 16 साल पहले इस देश में आये थे। बिन्नी ने कहा, "पाकिस्तान की मेरी आखिरी यात्रा 2006 में हुई थी जब मैं एशियाई क्रिकेट परिषद का हिस्सा था। पाकिस्तान का आतिथ्य बहुत अच्छा रहता है। हमारे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया गया।"

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजस्थान में रामदेवरा से भाजपा की तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा में उन्होंने कांग्रेस, राहुल गाँधी और राजस्थान सरकार को आड़े हाथों लिया। जनसभा में, राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.पी. जोशी सहित भाजपा के अनेक नेता उपस्थित थे।

'20 साल से राहुल यान की ना लॉन्चिंग हो पाई ना लैंडिंग'

राजनाथ सिंह ने रामदेवरा में आयोजित जनसभा में यह भी कहा कि, ट्रांसपरैंसी इंटरनैशनल की रिपोर्ट में राजस्थान भ्रष्टाचार में नम्बर वन है

- **कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, अर्जुन राम मेघवाल, प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भी मौजूद थे।**
- **केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रामदेवरा में भाजपा की तीसरी परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाई और जनसभा को संबोधित किया।**

पोकरण/रामदेवरा, 4 सितम्बर (निसं)। जैसलमेर जिले के रामदेवरा में सोमवार को भाजपा की तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा का आगाज़ हुआ। इस अवसर पर आयोजित आम सभा में भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि, भारत के चंद्रयान की लॉन्चिंग और लैंडिंग तो सफलतापूर्वक हो गई, लेकिन राहुल यान की 20 साल से न तो लॉन्चिंग हुई ना ही लैंडिंग हो पाई। राजस्थान के बारे में उन्होंने कहा कि, ट्रांसपरैंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान भ्रष्टाचार के मामले में नंबर एक पर है।

उन्होंने कहा, राजस्थान में अशोक गहलोत के कार्यकाल में पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य अंधेरे में है। मु.मंत्री गहलोत जिस गाडी की ड्राइविंग सीट पर बैठे हैं उसका क्लच और एक्सेलरेटर कोई और दबा रहा है। राजस्थान अपराध की दृष्टि में सबसे अग्रणी श्रेणी में आ रहा है।

राजनाथ सिंह ने तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले सभा को संबोधित करते हुए बताया कि, यह यात्रा जोधपुर संभाग में 20 दिन में 51 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी को हटाने के लिए 28 दल एक साथ गठबंधन कर सनातन धर्म को चोट पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस चुप है, राहुल प्रियंका सहित कांग्रेस के बड़े नेता कुछ नहीं बोल रहे हैं। सनातन धर्म का कोई अंत नहीं है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि, भारत अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में 2027 तक टॉप 3 में होगा, 2014 में हमारी अर्थव्यवस्था दसवें स्थान पर थी। अब 9 साल बाद भारत पांचवें स्थान पर आ गया है।

पोकरण के बारे में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, परमाणु नगरी में पांच-पांच परमाणु परीक्षण किए गए हैं। यह भूमि गौरव बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा, भारत चांद पर तो पहुंच गया, अब 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय कर हम आदित्य से सूर्य की तरफ जा रहे हैं। हॉलीवुड फिल्मों से भी कम बजट में यह काम हमारे वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है। भारत अब कमजोर नहीं बल्कि ताकतवर देशों में है।

राजनाथ सिंह ने राजस्थान की सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा, राजस्थान में अपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। राजस्थान जैसे हालात कहीं नहीं हैं। दुष्कर्म व छोटी बच्चियों के साथ बलात्कार किए गए हैं। जोधपुर में पूरे परिवार की हत्या हुई और उदयपुर में जो हुआ वह भी सभी को याद है। यह यात्रा परिवर्तन का शंखनाद है। कांग्रेस और भाजपा के शासन का लोग खुद आकलन कर रहे हैं।

आम सभा को संबोधित करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे देश की ख्याति पूरे विश्व में जमाई है, देश में गरीबी कम की है, लोगों के जीवन में खुशहाली आई है।

राम मंदिर निर्माण करने का काम मोदी सरकार ने किया है। राजस्थान में 2018 में कांग्रेस ने झांसा देकर सरकार बनाई, उंगलियों पर गिनकर 10 दिन में कर्ज माफ करने की बात कही, लेकिन किया नहीं। राज्य में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है।

इस अवसर पर भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने उदबोधन में कहा कि, कांग्रेस पार्टी भगवान राम के अस्तित्व को नकारती है।

कभी रामसेतु के अस्तित्व को नकारती है, कभी राम मंदिर निर्माण में बाधा उत्पन्न करती है। उन्होंने कहा, भारत तेरे टुकड़े होंगे, यह नारा लगाने वाले कन्हैया कुमार को स्टार प्रचारक बनाया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने अपने उदबोधन में कहा कि, राजस्थान सरकार ने "लूट सके, तो लूट ले" वाली कहावत पर चलकर भ्रष्टाचार का तांडव मचाया हुआ है। युवाओं के सपने रोकने का काम करते हुए किसानों का कर्ज माफ नहीं किया गया है।

राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, यह क्षेत्र वतन परस्तों की ज़मीन है, यहाँ एक परिवार का कब्जा है। सालेह मोहम्मद मंत्री हैं, एक भाई प्रधान, एक प्रमुख है। इस अवसर पर, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि, कांग्रेस भ्रम फैलाती है कि भाजपा आएगी तो आरक्षण समाप्त कर देगी। भाजपा ने कभी आरक्षण समाप्त करने की बात नहीं कही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता महंत प्रतापपुरी ने कहा कि, देश अग्रणी पथ पर आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र का चौमुखी विकास करने के लिए आगामी 2023 व 2024 चुनाव में न झुकेंगे, न दबेंगे, न प्रलोभन में आएंगे, क्षेत्र की जनता समझ चुकी है।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा युवा नेता आईदान सिंह भाटी, प्रियंका मेघवाल, मदन सिंह राजमथाई, अनंत राम बिश्नोई, छोटू सिंह भाटी, जितेंद्र सिंह भाटी सहित कई नेताओं ने अपने विचार रखे।

केन्द्रीय पर्यवेक्षक की मौजूदगी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मारपीट

- **आदर्श नगर ब्लॉक में केन्द्रीय पर्यवेक्षक आराधना मिश्रा के सामने विधायक रफीक खान व एक अन्य दावेदार इलियास कुरैशी के समर्थक आपस में लड़ पड़े।**
- **टिकट के अन्य दावेदारों ने मंच पर विधायक रफीक खान की फोटो लगाने पर आपत्ति की और कहा कि, संगठन की बैठक में विधायक की फोटो क्यों, बस इसी मुद्दे पर बहस शुरू हुई जो मारपीट में बदल गई।**

जयपुर, 4 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस के टिकट वितरण से पहले ही कई जिलों से जूतम पैजार की खबरें आ रही थीं। अब जयपुर में एक विधानसभा क्षेत्र में हुई बैठक में पर्यवेक्षक के सामने ही दो गुटों में खूनी संघर्ष हो गया जिसमें एक दावेदार को दो बार पीटा गया और दो बार थाने में एफ.आई.आर. लिखवानी पड़ी।

जयपुर की पर्यवेक्षक आराधना मिश्रा सोमवार को राजधानी जयपुर के आदर्श नगर ब्लॉक की बैठक लेने आई थीं।

इस दौरान विधायक रफीक खान के समर्थकों और अन्य दावेदारों के बीच जबरदस्त हंगामा हो गया। दावेदार इलियास कुरैशी ने कहा कि, जब संगठन की बैठक हो रही है तो मंच पर विधायक का फोटो क्यों लगा है। वहीं, उन्होंने मांग उठाई कि कुरैशी समाज को कांग्रेस कुछ नहीं देती है, इसलिए इस बार कुरैशी समाज को टिकट दिया जाए। अन्य दावेदारों ने भी विधायक रफीक खान का विरोध किया। विवाद इतना बढ़ गया कि यह हंगामा और मारपीट शुरु हो गई। इसमें कई लोगों को चोटें भी आईं। इस दौरान रफीक खान समर्थकों ने एक दावेदार, एडवोकेट अफजल के साथ मारपीट की जिससे उसका दांत टूट गया और इसके बाद एडवोकेट अफजल ने पुलिस में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई। इतना ही नहीं, एफ.आई.आर. दर्ज करवाकर मेडिकल होने के बाद अफजल जिला कांग्रेस अध्यक्ष, आर.आर. तिवारी और पर्यवेक्षक आराधना मिश्रा को पूरा घटनाक्रम बताने आए और सब कुछ बताकर जब जा रहे थे, तो एक बार फिर उनके साथ मारपीट की गई। इसके बाद दोबारा फिर पुलिस में मामला दर्ज करवाकर मेडिकल करवाया गया।

जयपुर कांग्रेस के लिए बनाई गईं पर्यवेक्षक, उत्तर प्रदेश की विधायक और कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा (मोना तिवारी) आदर्श नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक लेने पहुंचीं थीं। इस दौरान किसी ने "भारत माता की जय" का नारा लगाया तो विधायक आराधना मिश्रा नाराज हो गईं और उन्होंने साफ लहजे में कहा कि, अगर कोई नारा लगाना है तो वह कांग्रेस पार्टी की जय का नारा लगाओ। इसके अलावा कोई भी नारा लगाया जाएगा तो उसे अनुशासनहीनता मानी जाएगी।

बताया जा रहा है कि, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मुस्तफ़ा और अफजल के बीच विवाद हुआ था। कार्यकर्ता मो. अफजल ने आरोप लगाया था कि भाजपा में रह चुके व्यक्ति को ब्लॉक कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया है।

'एडिटर्स गिल्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबा रही थी उसे सामने लाया जा सके। राज्य सरकार की यह कार्यवाही मीडिया को धमकाने के सक्षम है वो भी देश की सर्वोच्च मीडिया संस्था को। पी.सी. आई. ने कहा इस समय हिंसाग्रस्त मणिपुर पर सरकार को ज्यादा ध्यान देना चाहिए, उसके ऐसे कदम हालात बिगाड़ सकते है। उन्होंने आरोप लगाया कि एफ. आई.आर. के. पत्रकारों पर इन्फॉर्मेशन एण्ड टैक्नॉलजी एक्ट की धारा 66 भी लगाई गई है, जबकि सुप्रीम कोर्ट इसे रद्द कर चुका है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव का मुद्दा उछालने की "टाइमिंग"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमेटी की संरचना बताती है कि इस का गठन पूर्व निर्धारित एजेंडा के साथ किया गया है, मुद्दे के वास्तविक परीक्षण के लिये नहीं। लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष सी. कश्यप जो कमेटी के सदस्य बनाये गये है, एक साथ चुनाव कराये जाने के विचार के प्रबल समर्थक रहे हैं।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, जो कमेटी में विपक्ष के एकमात्र प्रतिनिधि हैं, ने कमेटी में शामिल होने से इनकार कर दिया है तथा इसे एक "धोखा" बताया है। गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में, उन्होंने कहा है कि वे उस कमेटी का हिस्सा नहीं बन सकते, जिसकी "टर्म्स ऑफ रेफरेंस" इसके निष्कर्षों की गारंटी देने वाले तरीके से तैयार की गई हैं।

सरकारी अधिसूचना की "टर्म्स ऑफ रैफरैंस" की भूमिका में कहा गया है कि एक साथ चुनाव कराने का मुद्दा "राष्ट्र हित" में है। अधिसूचना में कहा गया है कि यह कमेटी इसे प्राप्त करने के उपायों/तरीकों का "परीक्षण एवं अभिशंसा" करेगी।

"एक राष्ट्र, एक चुनाव" प्रधानमंत्री मोदी तथ उसके विचारधारा स्त्रोत" राष्ट्रीय स्वयं सेवक का बहुत ही प्रिय विषय रहा है। मोदी कई सालों से इसकी बात करते आ रहे है, इसलिये इस मुद्दे को उठाने का समय सरकार के इरादों को संदिग्ध बना रहा है। यह स्पष्ट है कि अगले लोकसभा चुनाव तथा विधानसभा चुनाव एक साथ नहीं होंगे क्योंकि इसके लिये संवैधानिक संशोधन तथा कानून बनाया जाना जरूरी होगा।

इस विचार को प्रस्तावित करने वालों, जिनमें प्रमुखत: भाजपा तथा आर.एस.एस. शामिल हैं, द्वारा दिये गये मुख्य तर्कों में से एक तर्क कहता है कि वर्तमान व्यवस्था किसी सरकार को शासन/प्रशासन पर ध्यान केन्द्रित करने का समय नहीं मिल पाता। इसके साथ ही, इस विचार के प्रस्तावकों एवं समर्थकों का कहना है कि पूरे साल चुनाव होते रहने के पैसे की बहुत बरबादी होती है।

ये दोनों दलीलें अर्थहीन है क्योंकि लोकतंत्र के संचालन में जनता की इच्छा सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। इसलिये महत्वपूर्ण यह है कि जो सरकार लोगों का विश्वास खो चुकी होती है, नया जनादेश पाने के लिये सत्ता त्याग देती है। जनता सरकार का चुनाव शासन करने के लिये करती है तथा निर्वाचित सरकार का यह दायित्व है कि वह पूरी क्षमता से करे तथा बहाने नहीं बनाये। इसके अलावा, विधानसभा चुनावों के साथ लोकसभा चुनाव कराने लॉजिस्टिक की व्यवस्था इतनी बडी तथा जटिल हो जायेगी कि अगले साल मार्च-अप्रैल इसे इसली जामा पहनाना संभव नहीं हो पायेगा। संक्षेप में, यह प्रस्ताव मूल रूप से लोगों का ध्यान उनके अस्तित्व के लिये जरूरी चीजों से जुड़े मुद्दों से भटकाने के लिये रखा जा रहा है। ये मुद्दे हैं- महँगाई, स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा, बेरोज़गारी, दैनिक जरूरतें, महिला सुरक्षा तथा ऐसे ही अन्य अनेक मुद्दे। यह प्रस्ताव लोगों को यह सपने दिखाने तथा उन्हें आश्वस्त करने के लिये रखा जा रहा है कि अगर एक साथ चुनाव होंगे, तो सारी समस्याओं का समाधान हो जायेगा।

16-17...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बैठक के बाद हैदराबाद के पास कांग्रेस की एक विशाल रैली होंगी, जिसमें तेलंगाना के लिए "पांच गारंटियाँ" घोषित की जाएंगी।

कांग्रेस अध्यक्ष एक यात्रा को भी रवाना करेंगे, जिसमें सी.डब्ल्यु.सी. सदस्य, पी.सी.सी. अध्यक्ष और सी.एल.पी. नेता शामिल होंगे। जो तेलंगाना की सभी 119 सीटों का दौरा करेंगे।

18 सितम्बर को कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्रचार करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा के पहले नेता सामुदायिक भोज में शामिल होंगे। भारत जोड़ो यात्रा के पहले नेता सामुदायिक भोज में शामिल होंगे।

वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसुदन मिस्त्री प्रदेश सरकार व पदाधिकारियों से असंतुष्ट नज़र आए

मिस्त्री ने 25 लोकसभा सीटों के कई पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट अस्वीकार की और कहा, सिर्फ माला पहन कर नहीं आना है, आपको क्षेत्र में जाकर सच्चाई का पता लगाना है

- **कुछ पर्यवेक्षकों ने बताया कि, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की शिकायत है कि, पार्टी के प्रदेश प्रमुख डोटासरा का व्यवहार बेहद रूखा है।**
- **कुछ पर्यवेक्षकों ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं में कांग्रेसजनों की भागीदारी का कोई रोडमैप नहीं है।**

जयपुर, 4 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री लोकसभावार लगाए गए 25 पर्यवेक्षकों के काम से संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। साथ ही, सरकार की ओर से चलाई गई योजनाओं में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी नहीं होने पर पर्यवेक्षकों की ओर से सवाल उठाए गए हैं।

राजस्थान में लोकसभावार लगाए गए 25 पर्यवेक्षकों की बैठक के दौरान जब पर्यवेक्षकों ने यह कहा कि, वे लोकसभा क्षेत्र में जाकर आए हैं, तो, कथित रुप से, मधुसूदन मिस्त्री ने उनकी रिपोर्ट को अस्वीकार करते हुए कहा कि, आपको सिर्फ क्षेत्र में जाकर माला पहनकर नहीं आनी थी, बल्कि आपको क्षेत्र में वास्तविक स्थिति क्या है, योजनाओं को लेकर लोग क्या सोचते हैं, कांग्रेस कैसे जीत सकती है, इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करनी थी, लेकिन आप लोग सिर्फ क्षेत्र में जाकर अपना स्वागत कराने के साथ औपचारिकता निभाकर आए हैं। अब आप लोग फिर क्षेत्र में जाएं और पूरी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके दें।

बताया जाता है कि, कई पर्यवेक्षकों ने यह भी जानकारी दी है कि, बहुत सारे जिलों और लोकसभा क्षेत्रों से इस तरह की शिकायतें कांग्रेसजनों की ओर से मिली हैं कि, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का आम कांग्रेसजनों के साथ व्यवहार काफी रूखा है और इस बात की नाराजगी कांग्रेसजनों में नजर आ रही है। सरकार की ओर से चलाई गई योजनाओं को लेकर भी यह फीडबैक सामने आया है कि, सरकार ने योजनाएं तो एक के बाद एक शुरू कर दीं, लेकिन इन योजनाओं में कांग्रेसजनों की भागीदारी का कोई रोडमैप तैयार नहीं किया। कई पर्यवेक्षकों का कहना था कि, सरकार की मोबाइल फोन बांटने वाली जो योजना है, उसमें भी कांग्रेसजन किसी तरह की भागीदारी नहीं निभा पा रहे हैं, क्योंकि सरकार ने इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं की है। बल्कि इसका फायदा उठाकर क्षेत्र में आर.एस.एस. और भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने फोन बांटने वाली योजना को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया है।

उल्लेखनीय कि, पिछले दिनों सोशल मीडिया पर इस तरह के कुछ वीडियो भी वायरल हुए हैं, जिनमें कि मोबाइल फोन राजस्थान सरकार बांट रही है, लेकिन जब लोगों से बात की जा रही है, तो वह वोट मोदी को देने की बात कर रहे हैं।

पर्यवेक्षकों की ओर से दी गई इस रिपोर्ट पर वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि, यदि इतनी बड़ी योजनाओं का लाभ कांग्रेस को नहीं मिलकर भाजपा को मिलता दिख रहा है, तो योजनाएं बनाने के साथ ही ऐसा रोडमैप बनाना चाहिए था, जिसमें कांग्रेसजन सीधी भागीदारी निभाते, ताकि चुनाव में इसका फायदा पार्टी को मिल पाता।

बैठक में चर्चा के बाद मधुसूदन मिस्त्री ने सभी पर्यवेक्षकों से कहा है कि, वे फिर क्षेत्र में जाएं और वास्तविक स्थिति का पता लगाकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। ताकि चुनाव से पहले हकीकत सामने आ सके।

कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति गठित

नयी दिल्ली, 04 सितंबर। कांग्रेस ने 16 सदस्यीय केंद्रीय चुनाव समिति का गठन किया है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी को शामिल किया गया है।

कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, खड़गे ने पार्टी में हुए चुनाव के बाद इस समिति का गठन किया है। उन्होंने बताया कि, समिति में खड़गे,

- **समिति में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी के अलावा 13 अन्य नेता शामिल हैं।**

सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा पार्टी की वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद, मधुसूदन मिस्त्री, एन उत्तम कुमार रेड्डी, टी. एस. सिंहदेव, के. जे.जॉर्ज, प्रीतम सिंह, मोहम्मद जावेद, अम्मी याज्जनिक, पीएल पुनिया, ओमकार मरकाम तथा के. सी. वेणुगोपाल को शामिल किया गया है।

'छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के आदेश को क्यों ना रद्द कर दिया जाए'

राजस्थान हाई कोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर एवं रजिस्ट्रार को जवाब तलब किया

- **राजस्थान विश्वविद्यालय प्रशासन ने 12 अगस्त को राजस्थान विश्वविद्यालय के चुनाव नहीं कराने के निर्णय की घोषणा की थी।**

जयपुर, 4 सितंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति और रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर पूछा है कि, इस साल छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के संबंध में गत 12 अगस्त को जारी आदेश को क्यों न रद्द कर दिया जाए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में जवाब पेश करने के लिए राज्य सरकार को एक सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश विकाश घोसल्या की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि, राज्य सरकार ने गत 12 अगस्त को एक प्रशासनिक आदेश जारी कर इस साल प्रदेश के विश्वविद्यालय और कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने का निर्णय लिया।

याचिका में कहा गया कि, विश्वविद्यालय स्वायत्तशासी संस्था है और इसके संबंध में राज्य सरकार कोई भी निर्णय लेकर दखल नहीं दे सकती है। विश्वविद्यालय भी सिंडिकेट बैठक में निर्णय लेकर ही आगे की कार्रवाई कर सकता है।

ऐसे में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने का राज्य सरकार का निर्णय उसके अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है। याचिका में यह भी कहा गया कि, छात्र का मूलभूत अधिकार है कि वह छात्रसंघ में निर्वाचित हो और उसके लिए मतदान करे। केरल वि.वि. बनाम केरल राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट भी इस संबंध में व्यवस्था दे चुका है।

याचिका में यह भी कहा गया कि, संविधान के अनुच्छेद 13 में प्रावधान है कि, कोई भी कानून यदि मूलभूत अधिकारों के खिलाफ है तो ऐसे कानूनों को शून्य माना जाएगा। इसके बावजूद राज्य सरकार ने एक प्रशासनिक आदेश के जरिए विद्यार्थियों के मूलभूत अधिकारों का हनन कर दिया।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया। जिसका विरोध करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि, राज्य सरकार ने पूर्व में ही केविएट दायर कर दी थी और उन्हें याचिका की कॉपी भी दी जा चुकी है, ऐसे में जवाब पेश करने के लिए इतना अधिक समय नहीं दिया जा सकता। इस पर अदालत ने राज्य सरकार और विवि प्रशासन को जवाब पेश करने के लिए 11 सितंबर तक का समय दिया है।

दो महिला नेताओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर थीं, की छवि उनके द्वारा उठाये गये कई गलत कदमों के साथ ही, उनके खराब स्वास्थ्य के कारण काफी नीचे पहुंच गई है। पार्टी के तत्कालीन महारथी एल.के. अडवाणी के साथ अपने मतभेदों को सार्वजनिक कर दिये जाने के बाद, तथा इस मांग के लिये एक लम्बा अभियान चलाने के बाद कि उन्हें शिवराज सिंह चौहान की जगह, मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिये, उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी तथा अपना नया दल बनाना पड़ा, जिसकी कोई उल्लेखनीय उपलब्धि नहीं रही। 2011 में, भाजपा में उनकी वापसी के बाद, पार्टी ने उन्हें उत्तर प्रदेश का रास्ता दिखा दिया, जहां वे विधायक चुन ली गईं। 2018 में, उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य के आधार पर राजनीति से सन्यास ले लिया, लेकिन पिछले साल उस समय वे फिर से सक्रिय हो गईं, जब उन्होंने मध्य प्रदेश में मद्यनिषेध की मांग करते हुए एक आंदोलन चलाया।

इसलिये उनके वर्तमान स्वर को मध्य प्रदेश की राजनीति में स्वयं को फिर से प्रासंगिक बनाने की कोशिश मात्र के रूप में ही देखा जा सकता है। यह एक अलग बात है कि चूंकि भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई गुट बंदी से ग्रस्त है, इसलिये उमा भारती भगवा पार्टी की परेशानियों को बढ़ा जरूर सकती है। वहीं दूसरी तरफ, वसुंधरा राजे, पार्टी हाई कमान द्वारा उनकी अनदेखी किये जाने के बावजूद, आज भी एक प्रासंगिक राजनैतिक हस्ती बनी हुई हैं।

मणिपुर सरकार ने एडिटर्स गिल्ड की अध्यक्ष और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समय यह संभव नहीं था।

रिपोर्ट में कहा गया है, "इंटरनेट बैन ने हालात और बिगाड़ दिए। सरकार द्वारा संचार माध्यमों को ठप्प करने का पत्रकारिता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है क्योंकि इससे पत्रकारों की ममता को आपस में, संपादक से और सूत्रों से संवाद करने में परेशानी हुई। इससे मीडिया पर यह भी प्रभाव पड़ा कि बिना संपर्क व्यवस्था के एकत्रित किए गए स्थानीय समाचारों में स्थिति का एक संतुलित चित्र नहीं दिया जा सका।"

रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट बंद होने, संचार और परिवहन के साधन अस्त-व्यस्त होने के कारण मीडिया को पूरी तरह राज्य सरकार के वक्तव्य पर ही निर्भर रहना पड़ा। ई.जी.आई. ने कहा कि राज्य नेतृत्व के सदस्यों ने कुकी आदिवासियों के कुछ वर्गों को अवैध घुसपैठिये और विदेशी कहा वो भी बिना किसी विश्वसनीय जानकारी या प्रमाण के।

रिपोर्ट के अनुसार, "यह इस तथ्य के बावजूद है कि 1901 से 2011 हर दशक में होने वाली जनगणना में गैर-नागा आदिवासी जनसंख्या में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई।" दरअसल म्यांमार में जो सैन्य विद्रोह हुए उससे मिज़ोरम में 40,000 और मणिपुर में 4000 शरणार्थी आए बताए जिसका उपयोग सभी कुकी इसी को आधार बनाकर कुकी आदिवासियों को घुसपैठिया बताया जा रहा है। "इसे संसाधनों पर दबाव के रूप में प्रस्तुत किया गया था और साथ ही राजनैतिक स्थान के लिए लड़ाई के रूप में भी और राजनेता अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बाहरी लोगों का डर दिखा रहे थे।" एडीटर्स गिल्ड के सदस्यों के विरूद्ध भारतीय दंड संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं जिनमें शामिल हैं 153-ए (दो समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करना), 200 (झूठी घोषणा का सच्ची बताकर उपयोग करना), 208 (धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर चोट पहुंचाना) तथा आई.टी. एक्ट और प्रेस काउंसिल एक्ट की कई धाराएं।

सिंह ने कहा, "मैंने एडीटर्स गिल्ड के सदस्यों को चेतावनी दी है कि यदि आप कुछ करना चाहते हैं तो स्थल पर आइए, ज़मीनी हकीकत देखिए, सभी समुदायों के प्रतिनिधियों से मिलिए, सभी पीड़ितों से मिलिए और जो आपको पता चले वह प्रकाशित कीजिए। वरना केवल कुछ लोगों से मिलकर किसी नतीजे पर पहुंचना लोगों के लिए लाभदायी नहीं है और भर्त्सना के योग्य है। यह कहना है कि केवल एक ही समुदाय को निकाला गया, गलत है क्योंकि यह कार्रवाई 2015 में आरंभ हुई और आम जनता के कल्याण के लिए 413 घर खाली करवाए गए है। इनमें से 59 कुकी के, 143 मैइती के, 137 मणिपुर मुसलमानों के, 38 नागाओं के और 36 नेपालियों के हैं।"

मुख्यमंत्री ने अचरज जताया कि किसी ने उस मां का उल्लेख नहीं किया जिसने निर्वस्त्र घुमाई गई महिलाओं को कपड़े दिए और उन्हें घर भेजा। उन्होंने कहा कि राजस्थान और पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाओं पर कोई नहीं बोल रहा है।

सिंह ने कहा कि राज्य में चिन्हित अवैध घुसपैठियों का बायोमीट्रिक विवरण एकत्रित करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा, "केन्द्र ने हमें यह प्रक्रिया सितम्बर तक पूरी करने को कहा है लेकिन हमने एक साल का विस्तार मांगा है क्योंकि हमें और गांव ढूंढने है।"

उनको शिकायत थी कि ई.जी.आई. की रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब सुप्रीम कोर्ट और केन्द्र सरकार द्वारा गठित कई कमेटियां घटना की जाँच कर रही है।

सिंह ने कहा कि एक एफ.आई.आर. कुकी इन्पी मणिपुर नेता के. हाओकिप के विरूद्ध दर्ज की गई है, उन्होंने कहा कि कोई मैईती भारत-म्यांमार सीमा के मोरेह गांव में तब तक प्रवेश नहीं कर सकता जब तक राजनैतिक समाधान नहीं हो जाता।

ऑल वर्किंग मणिपुर जर्नलिस्ट्स यूनियन और एडिटर्स गिल्ड मणिपुर ने भी सुनी सुनाई बातों पर आरोप लगाने के लिए ई.जी.आई. की आलोचना की है। 3 मई को मणिपुर दंगे आरंभ होने के बाद 160 जानें जा चुकी हैं और सैंकड़ों लोग घायल हो चुके हैं। मैइती मणिपुर की जनसंख्या का 53 प्रतिशत हैं और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी कुकी और नागा 40 प्रतिशत हैं जो पहाड़ों में रहते हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908